खबरें जो सोच बदल दे

# शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | सोमवार, 23 जून, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-172

## अमेरिकी लड़ाकू विमानों ने ईरान पर किया जोरदार हमला

# ईरान के तीन परमाणु केंद्रों पर बरसाए बम

**वाशिंगटन/तेहरान/तेल अवीव, 22 जून (एजेंसियां)।** इजराइल और ईरान के युद्ध में अमेरिकी भी सीधे तौर पर शामिल हो गया है। अमेरिका के लड़ाकू विमानों ने ईरान के तीन प्रमुख परमाणु केंद्रों फोर्डो, नतांज और इस्फाहान पर बंकर बस्टर बम बरसाए। अमेरिका ने दावा किया है कि ईरान के ये तीनों परमाणु केंद्र ध्वस्त कर दिए गए हैं। इनमें ईरान का सबसे महत्वपूर्ण परमाणु केंद्र फोर्डो था। इन परमाणु केंद्रों पर अमेरिका ने 30,000 पाउंड वजनी छह बंकर बस्टर बमों से हमला बोला। सैटेलाइट तस्वीरों से भी पता चला है कि फोर्डो परमाणु केंद्र को भारी नुकसान पहुंचा है। ईरान का फोर्डो परमाणु केंद्र भूमिगत था और एक पहाड़ के कई मीटर नीचे थे। अमेरिका ने अपने बी-2 स्टील्थ बॉम्बर से यहां हमला किया। यह हमला बंकर बस्टर बमों से किया गया, जिससे परमाणु केंद्र को भारी नुकसान होने की आशंका जताई गई। अब सैटेलाइट तस्वीरों से भी इसकी पुष्टि हो गई है।

सैटेलाइट तस्वीरों से पता चला है कि फोर्डो परमाणु केंद्र जिस पहाड़ में मौजूद था, उसे भी अमेरिकी हमले में नुकसान हुआ है। हमले में परमाणु केंद्र के एंट्री पॉइंट तबाह हो गए हैं, जिससे ईरान को परमाणु केंद्र तक पहुंचने और नुकसान का आकलन करने के लिए काफी मशक्कत करनी होगी। फोर्डो परमाणु केंद्र एक पहाड़ को काटकर उसके नीचे बनाया गया था। यह परिसर 80-90 मीटर था। इस केंद्र में यूरेनियम संवर्धन के लिए 2700 सेंट्रीफ्यूज होने का दावा किया जाता है, जो 60 प्रतिशत तक यूरेनियम संवर्धन में सक्षम थे। परमाणु बम बनाने के लिए 90 प्रतिशत तक यूरेनियम संवर्धन की जरूरत होती है। यहां संवर्धित यूरेनियम से ईरान महज तीन हफ्तों में नौ परमाणु हथियार बनाने में सक्षम था। ईरान के परमाणु केंद्र पर हमले के बाद अपने बयान में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि ईरान के पास अब भी समय है कि वह शांति के रास्ते पर लौटे। उसे यह जंग खत्म करनी होगी। अगर ईरान ने अब भी हमला किया तो हम भी हमला करेंगे। शांति नहीं हुई तो विनाश होगा। अभी सभी लक्ष्यों पर हमले नहीं किए गए हैं। ट्रंप ने कहा, यह जारी नहीं रह सकता। या तो शांति होगी या ईरान के लिए आफत होगी, जो पिछले आठ दिनों में हमारी ओर से देखी गई घटनाओं से कहीं अधिक गंभीर है। अगर शांति जल्दी नहीं आती है तो हम सटीकता, गति और कौशल के साथ उन अन्य लक्ष्यों पर हमला करेंगे। अमेरिकी बी-2 स्पिरिट बमवर्षक विमानों ने मिसौरी से लगभग 37 घंटे तक बिना रुके उड़ान भरी और रविवार की सुबह ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमला किया। हमले से पहले स्टील्थ बमवर्षक विमानों में बीच हवा में ईंधन भरा गया। इसके बाद ये विमान तीन प्रमुख ईरानी परमाणु ठिकानों फोर्डो, नतांज और इस्फाहान पर कहर बनकर टूटे। हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि फोर्डो खत्म हो गया है। उन्होंने भारी किलेबंद भूमिगत सुविधा का जिक्र किया, जिसे लंबे समय से तेहरान का सबसे सुरक्षित परमाणु स्थल माना जाता है। उन्होंने मिशन की अद्भुत सफलता को सराहा और ईरान को चेतावनी दी ▶10पर

- 30,000 पाउंड के 6 बंकर-बस्टर बम लेकर 37 घंटे उड़े लड़ाकू विमान
- ईरान के फोर्डो, नतांज, इस्फाहान परमाणु केंद्रों को नष्ट करने का दावा
- सैटेलाइट तस्वीरों से खुलासा: फोर्डो परमाणु केंद्र को हुआ भारी नुकसान
- अमेरिका ईरान ने एक-दूसरे को दी धमकी, हमले तेज होने की आशंका

## ट्रंप को गंभीर परिणाम भुगतने होंगे : ईरान

**तेहरान, 22 जून (एजेंसियां)।** अमेरिका द्वारा ईरान के तीन प्रमुख परमाणु केंद्रों पर किए गए हमलों के बाद ईरान ने अमेरिका को धमकी दी है। ईरान ने कहा है कि ट्रंप को अपनी इस गलती के परिणाम भुगतने होंगे। ईरान के विदेश मंत्री सईद अब्बास अराघची ने ईरान की परमाणु सुविधाओं पर हवाई हमले करने के लिए अमेरिका की निंदा की और इसे अंतरराष्ट्रीय कानून, संयुक्त राष्ट्र चार्टर और परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) का गंभीर उल्लंघन बताया। अराघची ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य अमेरिका पर शांतिपूर्ण परमाणु प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर आपराधिक व्यवहार करने का आरोप लगाया।

ईरानी विदेश मंत्री ने कहा, आज सुबह की घटनाएं अपमानजनक हैं। इसके गंभीर और असीम घातक परिणाम होंगे। संयुक्त राष्ट्र के प्रत्येक सदस्य को इस बेहद खतरनाक, कानून विरोधी और आपराधिक व्यवहार से चिंतित होना चाहिए। वैश्विक समुदाय से इस पर ध्यान देने का आह्वान करते हुए उन्होंने कहा कि वाशिंगटन की ओर से की गई खतरनाक और कानून विहीन कार्रवाइयों से संयुक्त राष्ट्र के प्रत्येक सदस्य को चिंतित होना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र चार्टर के तहत प्रावधानों का हवाला देते हुए अराघची ने यह भी कहा कि ईरान के पास आत्मरक्षा का अधिकार है। वह इसके प्रयोग के लिए स्वतंत्र है। ईरान के पास ऐसे सभी विकल्प सुरक्षित हैं। संयुक्त राष्ट्र चार्टर और इसके प्रावधान आत्मरक्षा में वैध प्रतिक्रिया की अनुमति देते हैं, ईरान अपनी संप्रभुता, हित और लोगों की रक्षा के लिए सभी विकल्प सुरक्षित रखता है। संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत ने रविवार को ईरान के खिलाफ किए गए घृणित हमलों और बल के अवैध उपयोग ▶10पर

## अमेरिकी हमलों के बाद दुनियाभर में चिंता

**नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)।** ईरान के परमाणु केंद्रों पर अमेरिकी हमलों के बाद पूरी दुनिया की चिंता बढ़ गई है। तमाम देश इस बात को लेकर चिंतित हैं कि इससे क्षेत्रीय संघर्ष बढ़ेगा। सभी देशों ने अमेरिका, ईरान और इजराइल से सावधानी बरतने और कूटनीति से काम करने की अपील की है।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि वह संयुक्त राज्य अमेरिका के हमलों से गंभीर रूप से चिंतित हैं। अब इस बात का खतरा बढ़ रहा है कि इजराइल-ईरान संघर्ष तेजी से नियंत्रण से बाहर हो सकता है। इसके नागरिकों, क्षेत्र और दुनिया के लिए भयावह परिणाम होंगे। मैं सदस्य देशों से तनाव कम करने का आह्वान करता हूं। कोई सैन्य समाधान नहीं है। आगे बढ़ने का एकमात्र रास्ता कूटनीति है। न्यूजीलैंड के विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स ने सभी पक्षों से बातचीत पर लौटने की अपील की है। विदेश मंत्री ने कहा कि हमले तो अभी-अभी हुए हैं। विदेश मंत्री पीटर्स ने कहा कि यह संकट सबसे गंभीर है जिसका मैंने कभी सामना किया है। इसे बढ़ाने से बचा जा सकता है। कूटनीति से सैन्य कार्रवाई की तुलना में अधिक स्थायी समाधान प्राप्त होगा।

चीन की सरकारी मीडिया ने कहा कि अमेरिकी हमले एक खतरनाक मोड़ हैं। 2003 में इराक पर अमेरिकी आक्रमण का हवाला देते हुए सीजीटीएन के लेख में कहा गया है कि इतिहास ने बार-बार दिखाया है कि मध्य पूर्व में सैन्य हस्तक्षेप अक्सर अनपेक्षित परिणाम उत्पन्न करते हैं। इनमें लंबे समय तक संघर्ष और क्षेत्रीय अस्थिरता शामिल है। इसलिए जरूरी है कि बातचीत को प्राथमिकता देते हुए संतुलित, कूटनीतिक दृष्टिकोण अपनाया जाए। ▶10पर

## ईरान के राष्ट्रपति ने पीएम मोदी से कहा, शांति के लिए पहल करें

**नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)।** इजराइल-अमेरिका-ईरान युद्ध की ताजा स्थितियों को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से बातचीत की। भारत ने पश्चिम एशिया में बढ़े तनाव पर गहरी चिंता व्यक्त की है। दोनों नेताओं ने पश्चिम एशियाई क्षेत्र में बढ़ते तनाव और हालिया घटनाक्रमों पर गंभीर चर्चा की। ईरान के राष्ट्रपति ने पश्चिम एशिया में शांति स्थापना के लिए पहल करने की अपील की। इस बातचीत के बारे में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमने वर्तमान स्थिति पर विस्तार से चर्चा की और हालिया तनावों पर गहरी चिंता साझा की। तनाव को शीघ्र कम करने, संवाद और कूटनीति को आगे बढ़ाने का आह्वान दोहराया, ताकि क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और स्थिरता शीघ्र बहाल हो सके। बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने क्षेत्रीय शांति, स्थिरता और आपसी सहयोग को प्राथमिकता देने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा से यह मानता रहा है कि संवाद और कूटनीति ही किसी भी संकट का समाधान हैं। ईरानी परमाणु केंद्रों पर अमेरिकी हमले के मद्देनजर ईरानी राष्ट्रपति पेजेशकियन ने प्रधानमंत्री मोदी को फोन किया था। ▶10पर

## पश्चिम एशिया में तनाव के चलते भारत ने अपनाई खास रणनीति

# भारत ने रूस से बढ़ाया कच्चे तेल का आयात

**नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)।** ईरान इजराइल युद्ध में अमेरिका के शामिल होने के बाद पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ना तय है और इसका सीधा असर तेल की कीमतों पर होगा। तेल की कीमतें बढ़ने की आशंका है। भारत ने हालात को भांपते हुए जून माह में रूस से तेल आयात बढ़ा दिया है। भारत ने जून महीने में रूस से इतना तेल खरीदा है, जो पश्चिम एशिया और खाड़ी देशों से खरीदे गए कुल कच्चे तेल से भी ज्यादा है।

वैश्विक व्यापार विश्लेषक फर्म कैपलर के आंकड़ों के मुताबिक भारत ने जून महीने में रूस से 20-22 लाख बैरल प्रति दिन के हिसाब से कच्चे तेल की खरीद की है। यह बीते दो साल में सबसे ज्यादा है। मई माह में भारत ने रूस से तकरीबन 11 लाख बैरल प्रति दिन के हिसाब से कच्चा तेल खरीदा था। भारत पहले रूस से अपनी जरूरत का महज एक प्रतिशत तेल ही आयात करता था, लेकिन अब इसमें भारी बढ़ोतरी हुई है और

अब भारत अपने कुल तेल आयात का 40-44 प्रतिशत तेल रूस से मंगाता है। साफ है कि जून में पश्चिम एशिया में बढ़े तनाव के चलते भारत ने अपनी आयात रणनीति में बदलाव किया है। भारत ने जून माह में इराक, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और कुवैत से कुल करीब 20 लाख बैरल प्रतिदिन तेल की खरीद की है। हालांकि तनाव बढ़ने से तेल के दाम बढ़ सकते हैं। ईरान ने धमकी दी थी कि अगर अमेरिका इजराइल के साथ उसके युद्ध में शामिल हुआ तो वे होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यापारिक जहाजों पर हमले करेंगे। भारत का 40 प्रतिशत तेल अभी भी होर्मुज जलडमरूमध्य से होकर भारत पहुंचता है। ईरान के समर्थन में हूती विद्रोही भी लाल सागर में व्यापारिक जहाजों को निशाना बना सकते हैं। जिससे खाड़ी के देशों से तेल आयात को काफी परेशानी का सामना करना पड़ेगा। यही वजह है कि भारत ने खाड़ी देशों पर अपनी तेल निर्भरता को घटाया है।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चे तेल का आयातक है और पूर्व में भारत अपने तेल आयात का अधिकतर हिस्सा खाड़ी के देशों से आयात करता था, लेकिन रूस के यूक्रेन पर हमले के बाद, जब रूस ने भारत को तेल खरीद पर भारी रियायत दी तो भारत ने रूस से कच्चे तेल का आयात बढ़ा दिया। अब भारत अपने तेल आयात के लिए खाड़ी देशों पर ही निर्भर नहीं है, बल्कि अब हम रूस के साथ ही अमेरिका, लैटिन अमेरिकी देशों से भी कच्चे तेल की खरीद कर रहे हैं। हालांकि अमेरिका से हमें तेल आयात महंगा पड़ता है। कैपलर की रिपोर्ट के अनुसार, भारत ने जून में अमेरिका से हर हिन 4.39 लाख बैरल कच्चे तेल की खरीद की, जबकि पूर्व में यह आंकड़ा 2.80 लाख बैरल प्रतिदिन था। भारत करीब 51 लाख बैरल कच्चे तेल की खरीद करता है, जिससे भारत की रिफाइनरियों में पेट्रोल और डीजल अलग किया जाता है।

जून में भारत ने हर रोज खरीदा 20-22 लाख बैरल

कुल तेल आयात का 40-44% तेल रूस से आता है

## पहलगाम में आतंकियों को शरण देने वाले दो गिरफ्तार

**जम्मू, 22 जून (ब्यूरो)।** राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए हमले को अंजाम देने वाले आतंकियों को पनाह देने वाले दो स्थानीय लोगों को गिरफ्तार किया है। दोनों की पहचान पहलगाम के बटकोट के रहने वाले परवेज अहमद जोथर और पहलगाम के हिल पार्क के रहने वाले बशीर अहमद जोथर के रूप में हुई है। इन्होंने हमले में शामिल तीन आतंकियों की पहचान का खुलासा किया है और यह भी पुष्टि की है कि वे प्रतिबंधित आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े पाकिस्तानी नागरिक थे।

जांच में पाया गया कि परवेज और बशीर ने हमले से पहले हिल पार्क में एक मौसमी ढोक (झोपड़ी) में तीन हथियारबंद आतंकियों को शरण दी थी। दोनों लोगों ने आतंकियों को खाना, आश्रय और रसद की मदद की थी। उन्हीं आतंकियों ने हिंदू पर्यटकों को चुन-चुन कर मार डाला था। आतंकियों को शरण देने वाले दोनों देशद्रोहियों को गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 की धारा 19 के तहत गिरफ्तार ▶10पर

## कांग्रेस राजकुमार ने मेक इन इंडिया को कह दिया असेम्बल इन इंडिया

# भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता से चिढ़ते क्यों हैं राहुल गांधी!

**कांग्रेस पार्टी** के भोले-भाले नाबालिग राजकुमार राहुल गांधी ने मेक इन इंडिया को असेम्बल इन इंडिया कह दिया। ऐसे बोल कर राहुल गांधी ने पूरे देश के समक्ष यह प्रदर्शित किया कि भारत की बढ़ती आत्मनिर्भरता से उसे कितनी चिढ़ लगती है। राहुल गांधी झूठे आंकड़ों का सहारा लेकर देश विरोधी प्रोपेगेंडा फैला रहे हैं।

राहुल गांधी आज जिस असेम्बलिंग को कोस रहे हैं, उसने वित्त वर्ष 2024-25 में देश के निर्यात में 2 लाख करोड़ से अधिक का योगदान दिया है। इससे लाखों नौकरियां पैदा हुई हैं। कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी आजकल कभी कभार जब अपने वातानुकूलित कमरों से निकलते हैं तो बाहर निकल कर किसी प्रायोजित दुखी इंसान को पकड़ लेते हैं और उसकी दुख की कहानी का लिंक मोदी सरकार से जोड़ कर फिर मोदी-निंदा का प्रलाप शुरू कर देते हैं। देश पर छह दशक से अधिक समय तक राज करने वाली कांग्रेस के डी फैक्टो मुखिया राहुल गांधी हाल ही में दिल्ली में अपने परनाना के नाम पर बने नेहरू प्लेस मार्केट पहुंच गए। इसे एशिया का सबसे बड़ा कंप्यूटर और मोबाइल मार्केट कहा जाता है। जब राहुल गांधी यहां पहुंचे तब उन्हें पता चला कि इस देश में फोन बनाए जाते हैं। जब उन्होंने फोन की असेम्बलिंग देखी तो फौरन बोल पड़े, भारत में मोदी सरकार आने के बाद निर्माण क्षेत्र बर्बाद हो गया। ▶10पर

**शुभ-लाभ समीक्षा**

### झूठे आंकड़ों के साथ फैला रहे देश विरोधी प्रोपेगेंडा

## नक्सलवाद को जड़ से खत्म करके ही रहेंगे : अमित शाह

**रायपुर, 22 जून (एजेंसियां)।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने यह दृढ़ निश्चय दोहराया कि नक्सलवाद को जड़ से खत्म करके ही रहेंगे। अमित शाह ने रविवार को छत्तीसगढ़ के नवा रायपुर अटल नगर में राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) परिसर और केंद्रीय फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला की आधारशिला रखी। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा, एक सभ्य समाज में हिंसा और लाल आतंक का कोई स्थान नहीं है। इसीलिए, हमने नक्सलवाद को जड़ से समाप्त करने का संकल्प लिया है और इसे पूरा कर के ही रहेंगे।

केंद्रीय गृह मंत्री नक्सलवाद पर छत्तीसगढ़, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, झारखंड और ओड़ीशा के पुलिस महानिदेशकों, अपर पुलिस महानिदेशकों और वरिष्ठ अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक करेंगे। कल वे नक्सलियों के खिलाफ लड़ने वाले सुरक्षाबल के जवानों से भी मुलाकात करेंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दोहराया कि 31 मार्च, 2026 तक नक्सलवाद का खात्मा कर दिया जाएगा। ▶10पर

# ईरान पर अमेरिकी हमले पर यूएन ने जताई चिंता, अब हालात बहुत खतरनाक

**जेनेवा, 22 जून (एजेंसियां)।**

संयुक्त राष्ट्र ने इजराइल-ईरान के बीच बढ़ते संघर्ष पर चिंता जताई है। महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा कि हालात बहुत खतरनाक हैं और अब यह संघर्ष नियंत्रण से बाहर जा सकता है। इसका बहुत बुरा असर आम लोगों के साथ पूरे इलाके और दुनिया पर भी पड़ेगा। शनिवार रात अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्र के नाम संबोधन से कुछ मिनट पहले एक बयान में गुटेरेस ने कहा कि यह हमला अंतर्राष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए सीधा खतरा है।

**महासचिव ने कहा- संघर्ष नियंत्रण से बाहर हुआ तो दुनिया पर पड़ेगा बुरा असर**

उन्होंने कहा कि वह ईरान के विरुद्ध संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा किए गए बल प्रयोग से बेहद चिंतित हैं और चेतावनी दी कि इस बात का खतरा बढ़ रहा है कि यह संघर्ष नियंत्रण से बाहर हो सकता है, जिसके नागरिकों, क्षेत्र और विश्व के लिए विनाशकारी परिणाम होंगे। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा- इस संकट की घड़ी में जरूरी है कि हम अराजकता और तबाही के इस सिलसिले को रोकें। इस हालात का कोई सैन्य समाधान नहीं है। आगे बढ़ने का रास्ता सिर्फ बातचीत है। इससे पहले ट्रंप ने ट्रूथ पर हमले की जानकारी दी थी। ट्रंप ने कहा कि उनकी सेना ने ईरानी शासन के तीन प्रमुख परमाणु प्रतिष्ठानों- फोर्डो, नतांज और एस्फाहान पर बड़े पैमाने पर सटीक हमले किए हैं। इसके बाद उन्होंने अमेरिका को इसकी पूरी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि हमारा उद्देश्य ईरान की परमाणु संवर्धन क्षमता को नष्ट करना और उत्पन्न परमाणु खतरे को रोकना है।

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका और इजराइल ने एक टीम के रूप में काम किया है, जैसा कि शायद पहले किसी टीम ने नहीं किया। उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान में या तो शांति होगी या फिर त्रासदी होगी जो पिछले आठ दिनों में हमने देखी उससे कहीं ज्यादा बड़ी होगी। उन्होंने कहा कि ईरान में और भी कई ऐसे लक्ष्य हैं, जिन पर अमेरिका हमला कर सकता है। उन्होंने कहा कि यदि शांति जल्द नहीं होती है, तो हम सटीकता, गति और कौशल के साथ उन अन्य लक्ष्यों पर हमला करेंगे। उनमें से अधिकांश को कुछ ही मिनटों में नष्ट किया जा सकता है।

## न्यूज़ ब्रीफ

### उत्तराखंड में बंधक बनाए 35 नेपाली नागरिकों को मुक्त कराया गया, होगी वापसी

**काठमांडू।** भारत के उत्तराखंड में कई दिनों से बंधक बना कर रखे गए 35 नेपाली नागरिकों को सकुशल रिहा कराया गया है। इन युवाओं को नौकरी का झांसा देकर बंधक बनाया गया था। रविवार को इन युवकों को कानूनी प्रक्रिया पूरी होने के बाद नेपाल वापस भेजे जाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। उत्तराखंड के काशीपुर में स्थानीय पुलिस ने छापा मारकर एक ही स्थान से 35 युवकों को मुक्त कराया गया। नई दिल्ली में नेपाली दूतावास ने कहा कि इन युवकों को बंदी बनाए जाने की सूचना के बाद मुक्त कराया गया। दूतावास ने गुरुवार को उत्तराखंड पुलिस और किन इंडिया नामक संगठन की मदद से उन्हें बचाया। इन सभी को शनिवार को दिल्ली स्थित नेपाली दूतावास लाया गया। दूतावास ने कहा है कि उत्तराखंड पुलिस ने घटना से संबंधित कुछ लोगों को गिरफ्तार किया है। दूतावास के उपप्रमुख डा. सुरेन्द्र थापा ने कहा कि इस मामले की उत्तराखंड पुलिस आगे की जांच कर रही है। उन्होंने बताया कि बचाए गए लोगों को उचित कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद रविवार को नेपाल भेजने की व्यवस्था की गई है।

### परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमलों को लेकर ईरान ने कहा- दीर्घकालिक परिणाम होंगे

**तेहरान।** ईरान ने अपने तीन परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले की निंदा करते हुए इसे यूएन चार्टर का उल्लंघन बताया है ।ईरान ने अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) पर बेरुखी का आरोप लगाया। ईरान ने वैश्विक समुदाय से अमेरिकी हमलों की निंदा कर ईरान के रुख के समर्थन की अपील की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को ईरान के तीन परमाणु ठिकानों फोर्दो, नतांज और इस्फहान को तबाह करने का दावा किया। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने इसे यूएन चार्टर का उल्लंघन बताते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि अमेरिका ने ईरान के शांतिपूर्ण परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला कर संयुक्त राष्ट्र चार्टर, अंतरराष्ट्रीय क़ानून और एनपीटी का गंभीर उल्लंघन किया है। इनके दीर्घकालिक परिणाम होंगे और संयुक्त राष्ट्र के हर सदस्य को इस बेहद खतरनाक, अराजक और आपराधिक व्यवहार से चिंतित होना चाहिए। अब्बास अरागची ने लिखा कि ईरान के पास अपनी संप्रभुता, हित और लोगों की सुरक्षा के सभी विकल्प हैं। इस बीच संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने कहा है कि वह ईरान में परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले को लेकर बेहद चिंतित हैं। उन्होंने एक बयान में कहा कि संघर्ष के तेजी से नियंत्रण से बाहर होने का जोखिम बढ़ रहा है। इससे नागरिकों, क्षेत्र और दुनिया के लिए विनाशकारी परिणाम हो सकते हैं। इस खतरनाक समय में अराजकता के चक्र से बचना महत्वपूर्ण है।

### तेहरान पर इजराइली हवाई हमले में हिज्बुल्ला नेता का पूर्व अंगरक्षक और इराकी गुट का कमांडर मारा गया

**तेहरान/बेरूत।** ईरान की राजधानी तेहरान में हुए एक इजराइली हवाई हमले में लेबनानी सशस्त्र संगठन

हिज्बुल्ला का एक वरिष्ठ सदस्य अबू अली खलील मारा गया। वह संगठन के दिवंगत प्रमुख हसन नसरल्लाह का अंगरक्षक रह चुका था। खलील के साथ ईरान समर्थित इराकी सशस्त्र गुट कतायब सय्यद अल-शुहदा के सुरक्षा प्रमुख की भी मौत हुई है। लेबनान के एक वरिष्ठ सुरक्षा सूत्र ने बताया कि अबू अली खलील इराक की धार्मिक यात्रा पर थे, जहां उनकी मुलाकात कतायब समूह के नेता से हुई। दोनों साथ में तेहरान पहुंचे और वहीं इजराइली हमले में खलील के बेटे समेत मारे गए। कतायब सय्यद अल-शुहदा ने एक बयान जारी कर इस हमले और दोनों सदस्यों की मौत की पुष्टि की है। इस बीच, बेरूत के दक्षिणी उपनगर दहियेह में गम का माहौल है। यहां छोटे हथियारों से हवाई फायरिंग और ट्रेसर राउंड छोड़े गए, जो शोक जताने का पारंपरिक तरीका है। उल्लेखनीय है कि हसन नसरल्लाह की मौत भी इजराइल द्वारा बेरूत के दक्षिणी उपनगर पर किए गए हवाई हमले में हुई थी। पिछले नौ दिनों से ईरान और इजराइल के बीच टकराव लगातार जारी है। इजराइल का दावा है कि ईरान परमाणु हथियारों की ओर तेजी से बढ़ रहा है, जबकि तेहरान ने बार-बार इस आरोप को नकारते हुए कहा है कि वह परमाणु हथियार नहीं चाहता।

# ईरान को परमाणु हथियार देने को तैयार कई देश, रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव का चौंकाने वाला दावा

**रूस, 17 जून (एजेंसियां)।**

मेदवेदेव ने अपनी आलोचना को बढ़ाते हुए एक चौंकाने वाला दावा किया, 'कई देश ईरान को सीधे अपने परमाणु हथियार आपूर्ति करने के लिए तैयार हैं।' उन्होंने हालांकि इन देशों का नाम नहीं लिया। यह बयान अमेरिकी अभियान के कई अनपेक्षित परिणामों में से एक है, जिसके बारे में मेदवेदेव का कहना है कि यह न केवल सैन्य रूप से बल्कि राजनीतिक रूप से भी विफल रहा है।रूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने दावा किया है कि ईरानी परमाणु ठिकानों पर हाल ही में हुए अमेरिकी हवाई हमलों के बाद, कई देश अब ईरान को परमाणु हथियार मुहैया कराने को तैयार हैं। मेदवेदेव ने द (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट की एक श्रृंखला में कहा कि इस्फ़हान, नतांज़ और फ़ोर्डो में स्थित स्थलों को निशाना बनाने वाला अमेरिकी अभियान अपने उद्देश्य में विफल रहा है, और वास्तव में इसका विपरीत परिणाम हुआ है।इस बीच, ईरान ने रूस से समर्थन मांगा है। ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने इस संबंध में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत करने के लिए मास्को जाने की घोषणा की है।मेदवेदेव ने अमेरिकी हवाई हमलों की विफलता पर सवाल उठायादिमित्री मेदवेदेव ने, जो वर्तमान में रूस की सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष के रूप में कार्यरत हैं, फ़ोर्डो, नतांज़ और इस्फ़हान में ईरान

की परमाणु सुविधाओं पर अमेरिकी हवाई हमलों की प्रभावशीलता पर सवाल उठाया है। उन्होंने पूछा, 'ईरान में तीन परमाणु साइटों पर अपने रात के हमलों से अमेरिकियों ने क्या हासिल किया है?'

मेदवेदेव का दावा है कि इन हमलों से परमाणु ईंधन चक्र का महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा अप्रभावित प्रतीत होता है या केवल मामूली क्षति हुई है। उन्होंने आगे कहा कि परमाणु सामग्री का संवर्धन और अब हम इसे स्पष्ट रूप से कह सकते हैं, परमाणु हथियारों का भविष्य का उत्पादन जारी रहेगा।मेदवेदेव ने अपनी आलोचना को बढ़ाते हुए एक चौंकाने वाला दावा किया, 'कई देश ईरान को सीधे अपने परमाणु हथियार आपूर्ति करने के लिए तैयार हैं।' उन्होंने हालांकि इन देशों का नाम नहीं लिया। यह बयान अमेरिकी अभियान के कई अनपेक्षित परिणामों में से एक है, जिसके बारे में मेदवेदेव का कहना है कि यह न केवल सैन्य रूप से बल्कि राजनीतिक रूप से भी विफल रहा है।हमलों से ईरान का राजनीतिक शासन मजबूत हुआ

मेदवेदेव ने तर्क दिया कि इन हमलों ने ईरान के राजनीतिक शासन को और मजबूत किया है। उन्होंने लिखा, 'ईरान का राजनीतिक शासन बच गया है और सभी संभावनाओं में, और भी मजबूत हो गया है।' उनका मानना है कि हमलों ने ईरान में घरेलू समर्थन को मजबूत करने में मदद की है, जिससे लोग देश के आध्यात्मिक नेतृत्व के इर्द-गिर्द एकजुट हो रहे हैं, जिनमें वे लोग भी शामिल हैं जो पहले इसके प्रति उदासीन या विरोधी थे।

मेदवेदेव ने ट्रम्प पर साधा निशाना, अमेरिकी कार्रवाई को युद्ध बतायारूस के पूर्व राष्ट्रपति दिमित्री मेदवेदेव ने ईरान पर हुए हालिया अमेरिकी हवाई हमलों के बाद, संयुक्त राज्य अमेरिका और विशेष रूप से राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प पर कटाक्ष किया है। मेदवेदेव ने कहा, ट्रम्प, जिन्हें कभी 'शांति के राष्ट्रपति' के रूप में सम्मानित किया जाता था, ने अब अमेरिका को एक और युद्ध में धकेल दिया है। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, इस दर पर, ट्रम्प नोबेल शांति पुरस्कार के बारे में भूल सकते हैं - भले ही यह कितना भी धांधली वाला क्यों न हो। चीजों को शुरू करने का यह कैसा तरीका है, श्रीमान राष्ट्रपति। बधाई!रूसी नेता ने यह भी दावा किया कि संयुक्त राज्य अमेरिका अब एक नए संघर्ष में उलझ गया है, जिसमें ज़मीनी कार्रवाई की संभावनाएं क्षितिज पर मंडरा रही हैं। उन्होंने हमलों के क्षेत्रीय परिणामों की ओर इशारा करते हुए कहा, इज़राइल पर हमला हो रहा है, देश में विस्फोट हो रहे हैं, और लोग घबरा रहे हैं, जिससे स्थिति नियंत्रण से बाहर होती दिख रही है।अमेरिकी हमलों के जवाब में, ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने घोषणा की कि वह रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ बातचीत के लिए मास्को की यात्रा करेंगे। अराघची ने रूसी मीडिया से कहा, 'मैं आज दोपहर मास्को जा रहा हूं,' और बताया कि वह 'कल सुबह रूसी राष्ट्रपति के साथ गंभीर परामर्श करेंगे।'ईरान और रूस के बीच गहरे संबंधों का उल्लेख करते हुए, अराघची ने कहा, 'हम एक रणनीतिक साझेदारी का आनंद लेते हैं, और हम हमेशा एक-दूसरे के साथ परामर्श करते हैं और अपनी स्थिति का समन्वय करते हैं।' यह यात्रा अराघची और रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के बीच फोन कॉल के बाद हुई है, जिसके दौरान लावरोव ने इजरायल के बल प्रयोग की निंदा की और संघर्ष को कम करने में सहायता करने के लिए मास्को की इच्छा व्यक्त की। एक बयान में, रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि रूस ईरान के परमाणु कार्यक्रम के आसपास लंबित मुद्दों को हल करने के प्रयासों को जारी रखने के लिए तैयार है।

# अमेरिका ने अंतर्राष्ट्रीय कानून और परमाणु अप्रसार संधि का उल्लंघन किया

**तेहरान, 22 जून (एजेंसियां)।**

ईरानी विदेश मंत्री ने रविवार को अमेरिका की कड़ी निंदा करते हुए उस पर संयुक्त राष्ट्र चार्टर, अंतर्राष्ट्रीय कानून और परमाणु अप्रसार संधि के घोर उल्लंघन करने का आरोप लगाया है। यह हमला अमेरिकी सेना द्वारा इजराइल के साथ समन्वय में ईरान के तीन परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमले के बाद किया गया। ईरानी विदेश मंत्री की यह प्रतिक्रिया अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की शनिवार देर रात देश के नाम संबोधन के बाद आई। ट्रंप ने कहा था कि अमेरिका ने इजराइल के साथ संयुक्त अभियान में फोर्डो, नतांज और एस्फाहान परमाणु स्थलों पर हमला किया है। अमेरिका के इस कदम से वर्तमान संघर्ष और बढ़ सकता है। 13 जून को इजराइल के ईरान पर किए अचानक हमले के बाद मध्य पूर्व में हालात काफी गंभीर हैं ।उन्होंने एक्स पर लिखा- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्य अमेरिका ने ईरान के शांतिपूर्ण परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला करके संयुक्त राष्ट्र चार्टर, अंतर्राष्ट्रीय कानून और एनपीटी का गंभीर उल्लंघन किया है। उन्होंने कहा कि रविवार सुबह जो हुआ वह बेहद खतरनाक, अवैध और आपराधिक है।

**ईरानी विदेश मंत्री ने हमले की निंदा कर कहा- हमें भी है आत्मरक्षा का अधिकार**

इसका असर हमेशा रहेगा। दुनिया के हर देश को इसकी चिंता होनी चाहिए। अंतर्राष्ट्रीय कानून के तहत ईरान के अधिकार का हवाला देते हुए उन्होंने आत्मरक्षा के अधिकार की बात कही। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर के तहत आत्मरक्षा का अधिकार हमारे पास है और ईरान अपने लोगों, संप्रभुता और हितों की रक्षा के लिए हर विकल्प अपनाएगा। बता दें ट्रंप ने अपने संबोधन में अमेरिकी सेना के इस सफल ऑपरेशन की सराहना करते हुए कहा था कि ईरान को अपनी परमाणु क्षमताओं को बढ़ाने से रोकने के लिए यह जरूरी था।

शनिवार को हमलों के कुछ ही घंटों बाद ट्रंप ने कहा कि मैं उन महान अमेरिकी देशभक्तों को बधाई देता हूं जिन्होंने उन शानदार मशीनों को उड़ाया और संयुक्त राज्य अमेरिका की पूरी सेना को एक ऐसे ऑपरेशन के लिए बधाई देना चाहता हूं, जैसा कि दुनिया ने कई दशकों में नहीं देखा है। उम्मीद है कि हमें अब इस क्षमता में उनकी सेवाओं की जरुरत नहीं होगी। मुझे उम्मीद है कि ऐसा ही होगा। अपने बयान में ट्रंप ने इजराइल के पीएम बेंजामिन नेतन्याहू के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि मैं प्रधानमंत्री बीबी नेतन्याहू को धन्यवाद देना चाहता हूं।

### पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बम धमाका, 2 सुरक्षाकर्मियों की मौत, 4 घायल

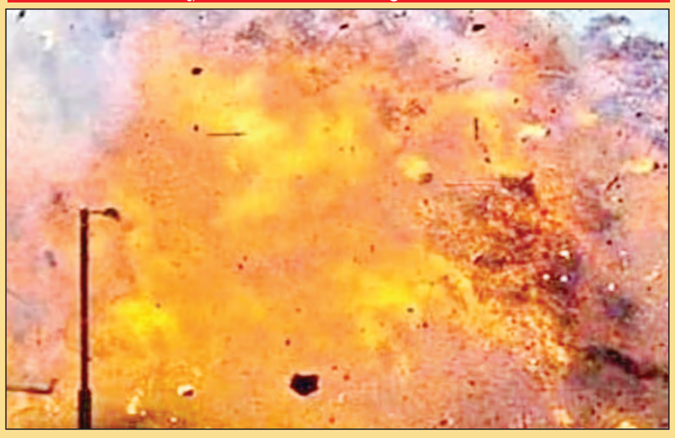

पाकिस्तान के दक्षिण-पश्चिमी बलूचिस्तान प्रांत के कालात जिले में शनिवार को हुए एक बम विस्फोट में दो सुरक्षाकर्मियों की मौत हो गई, जबकि चार अन्य घायल हो गए। यह जानकारी एक सुरक्षा अधिकारी ने दी। घटना कालात जिले के मांगोचर क्षेत्र के ग्रामीण जोबान इलाके में उस समय हुई, जब सुरक्षा बलों का एक वाहन गश्त कर रहा था। तभी सड़क किनारे छिपाए गए एक विस्फोटक उपकरण (आईईडी) को अज्ञात हमलावरों ने रिमोट से उड़ा दिया। आईईडी धमाके में हुआ हमला, इलाके में सर्च ऑपरेशन जारी घटना के बाद सुरक्षा बलों और बचाव दलों ने तुरंत मौके पर पहुंचकर घायलों और मृतकों को निकटवर्ती अस्पताल पहुंचाया। फिलहाल किसी भी आतंकी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। धमाके के बाद इलाके को घेर लिया गया है और तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया है। सूत्रों के मुताबिक, तलाशी अभियान के दौरान गोलीबारी की भी खबर है, हालांकि इस संबंध में अभी और जानकारी नहीं है।

# मलेशिया के जोहोर राज्य में तेल भंडारण फैसिलिटी में लगी भीषण आग, रिहायशी इलाकों में मचा हड़कंप

**कुआलालंपुर, 22 जून (एजेंसियां)।**

**मलेशिया के जोहोर राज्य के पसिर गुदांग शहर में शनिवार को एक औद्योगिक क्षेत्र में स्थित इंजन ऑयल भंडारण केंद्र और ट्रक डिपो में भीषण आग लग गई। आग की भयावहता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि धुएं के विशाल गुबार ने पूरे इलाके को ढक लिया और पास के रिहायशी इलाकों को खाली कराना पड़ा।**

जोहोर अग्निशमन और बचाव विभाग के संचालन केंद्र के अनुसार, आग लगने की सूचना उन्हें दोपहर बाद (स्थानीय समयानुसार) प्राप्त हुई। दमकलकर्मी जब मौके पर पहुंचे तो ट्रक डिपो में लपटें तेजी से फैल रही थीं और तेज हवाओं के कारण आग पास की एक परित्यक्त तेल भंडारण इकाई तक फैल गई।

बर्नामा (मलेशियाई राष्ट्रीय समाचार एजेंसी) की रिपोर्ट के मुताबिक, आग लगभग 50 मीटर दूर स्थित एक आवासीय क्षेत्र तक भी पहुंच गई, जिससे वहां रहने वाले लोगों को तत्काल सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया।

फिलहाल किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है और दमकलकर्मी आग पर काबू पाने के लिए युद्धस्तर पर प्रयास कर रहे हैं। अधिकारियों ने आसपास के लोगों से संयम बनाए रखने और सुरक्षित दूरी बनाए रखने की अपील की है।

आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है। प्रशासन ने आश्वस्त किया है कि स्थिति पर पूरी निगरानी रखी जा रही है और जनसुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जा रही है।

# परमाणु संयंत्रों पर हमले से रेडियोधर्मी और रासायनिक प्रदूषण का खतरा

**आईएईए के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने दी चेतावनी**

**जेनेवा, 22 जून (एजेंसियां)।**

अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के महानिदेशक राफेल ग्रॉसी ने ईरानी परमाणु सुविधाओं पर इजराइली हमलों से परमाणु संदूषण यानी रेडियोधर्मी और रासायनिक प्रदूषण के खतरे की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि ईरान में परमाणु ठिकानों पर हमलों ने देश में परमाणु सुरक्षा और संरक्षा में भारी गिरावट ला दी है। अभी तक इनसे जनता को प्रभावित करने वाला कोई रेडियोधर्मी उत्सर्जन नहीं हुआ है, लेकिन ऐसा होने का खतरा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुरक्षा परिषद की आपातकालीन बैठक में अपनी ब्रीफिंग में ग्रॉसी ने कहा कि

इजराइली हमले के बाद नतांज साइट के बाहर रेडियोधर्मिता का स्तर अपरिवर्तित और सामान्य स्तर पर है, लेकिन सुविधा के अंदर रेडियोलॉजिकल और रासायनिक दोनों तरह का संदूषण है। उन्होंने कहा कि मुख्य रूप से अल्फा कणों से युक्त विकिरण अगर सांस के साथ अंदर जाए या निगला जाए तो एक बड़ा खतरा पैदा करता है। श्वसन उपकरणों का उपयोग करने जैसे उचित सुरक्षात्मक उपायों के साथ इस जोखिम को प्रभावी ढंग से प्रबंधित किया जा सकता है। सुविधा के अंदर मुख्य चिंता रासायनिक विषाक्तता है। बता दें 60 फीसदी यूरेनियम को समृद्ध करने के लिए फोर्डो ईरान का मुख्य संवर्धन स्थान है। उन्होंने कहा कि आईएईए को इस समय फोर्डो में किसी भी नुकसान की जानकारी नहीं है। 13 जून के हमले में एस्फाहान परमाणु स्थल पर चार इमारतें क्षतिग्रस्त हो गई थीं। ऑफ-साइट विकिरण के स्तर में कोई वृद्धि नहीं हुई। उन्होंने कहा कि नतांज की तरह, मुख्य चिंता केमिकल टॉक्सिटी की है। ग्रॉसी ने कहा कि अन्य परमाणु सुविधाओं पर हमलों का कोई रेडियोलॉजिकल प्रभाव नहीं पड़ा है। संयुक्त राष्ट्र परमाणु निगरानी संस्था के प्रमुख ने बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हमले के गंभीर परिणामों की चेतावनी दी, जो एक चालू परमाणु ऊर्जा संयंत्र है और जिसमें हजारों किलोग्राम परमाणु सामग्री रखी है। उन्होंने कहा कि मैं यह बिल्कुल और पूरी तरह से स्पष्ट करना चाहता हूं कि बुशहर परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर हमले के मामले में सीधे हमले के परिणामस्वरूप पर्यावरण में रेडियोधर्मी विकिरणों का बहुत ज्यादा उत्सर्जन हो सकता है। इसी तरह संयंत्र को बिजली की आपूर्ति करने वाली केवल दो लाइनों को निष्क्रिय करने वाले हमले से इसके रिएक्टर का कोर पिघल सकता है, जिसके परिणामस्वरूप पर्यावरण में रेडियोधर्मिता का उच्च उत्सर्जन हो सकता है। अपने सबसे खराब मामले में, दोनों परिदृश्यों में सुरक्षात्मक कार्रवाई की जरुरत होगी, जैसे कि आबादी को निकालना और आश्रय देना या स्थिर आयोडीन लेने की जरुरत, जिसकी पहुंच कुछ से लेकर कई सौ किलोमीटर तक हो सकती है। उन्होंने चेतावनी दी कि विकिरण निगरानी को कई सौ किलोमीटर की दूरी को कवर करने की जरुरत होगी और खाद्य प्रतिबंधों को लागू करने की जरुरत भी हो सकती है।

ग्रॉसी ने चेतावनी देते हुए कहा कि तेहरान परमाणु अनुसंधान रिएक्टर के खिलाफ किसी भी कार्रवाई के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। संभवतः शहर के बड़े क्षेत्रों और उसके निवासियों के लिए। उन्होंने कहा कि परमाणु सुविधाओं पर सशस्त्र हमले कभी नहीं होने चाहिए उन्होंने अधिकतम संयम बरतने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सैन्य वृद्धि से जीवन को खतरा है। आईएईए एक वाटरटाइट निरीक्षण प्रणाली के जरिए गारंटी दे सकता है कि ईरान में परमाणु हथियार विकसित नहीं किए जाएंगे। वे एक दीर्घकालिक समझौते का आधार बन सकते हैं जो शांति लाता है और मध्य पूर्व में परमाणु संकट को रोकता है।

# क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम को वैज्ञानिक बनाने की दिशा में ऐतिहासिक दिन : अमित शाह

**रायपुर, 22 जून (एजेंसियां)।** केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार के नवा रायपुर स्थित राष्ट्रीय न्यायालयिक विज्ञान विश्वविद्यालय (एनएफएसयू) के अस्थायी परिसर तथा आई-हब रायपुर का वर्चुअल माध्यम से उद्घाटन किया।

श्री शाह ने इस अवसर पर कहा,आज छत्तीसगढ़ के लिए क्रिमिनल जस्टिस सिस्टम को आधुनिक और वैज्ञानिक बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक दिन है। एनएफएसयू के अस्थायी परिसर के साथ-साथ नवा रायपुर में स्थायी परिसर के लिए भूमि पूजन एवं केंद्रीय फॉरेंसिक साइंस लैब की स्थापना की भी शुरुआत की गई है। कुल 268 करोड़ रुपये की लागत से ये संस्थान विकसित किए जा रहे हैं। अस्थायी परिसर में सत्र 2025-26 से बीएससी, एमएससी फॉरेंसिक साइंस, साइबर सिक्योरिटी, मनोविज्ञान, डिजिटल फॉरेंसिक एवं प्रोफेशनल डिप्लोमा कोर्सेस प्रारंभ हो जाएंगे। लगभग 180 छात्र पहले बैच में प्रवेश लेंगे।

श्री शाह ने कहा कि इन संस्थानों के निर्माण से न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि पूरे मध्य भारत को आधुनिक न्याय प्रणाली और अपराध जांच में सशक्त आधार मिलेगा। नई फॉरेंसिक टेक्नोलॉजी, जैसे डीएनए फिंगरप्रिंटिंग, एलएसडी साइंस, साइबर सिक्योरिटी, बायोटेक्नोलॉजी और डिजिटल फॉरेंसिक अब स्थानीय स्तर पर सुलभ होंगी, जिससे जाँच प्रक्रिया तेज और सटीक होगी। उन्होंने बताया कि अब फॉरेंसिक जांच के लिए राजधानी या दिल्ली की आवश्यकता नहीं होगी, सारी जांच अटल नगर, नवा रायपुर में ही संभव होगी।गृह मंत्री ने आई-हब की स्थापना को लेकर कहा कि यह प्लेटफॉर्म छत्तीसगढ़ के युवाओं को स्टार्टअप कल्चर से जोड़ने, तकनीकी सहायता देने, फंडिंग मुहैया कराने और मार्केटिंग एवं अनुबंध जैसी प्रोफेशनल सेवाएं देने में सहायक होगा। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे खुद उद्योगपति बनें, स्टार्टअप शुरू करें और राज्य के औद्योगिक विकास में भागीदार बनें। यह आई-हब, गुजरात के मॉडल पर आधारित है, और भविष्य में रायपुर से भी कई वैश्विक स्टार्टअप उभरने

की संभावना है। श्री शाह ने कहा कि छत्तीसगढ़ में नई सरकार बनने के बाद पांच लाख करोड़ रुपये के निवेश प्रस्तावों पर एमओयू हुए हैं, जिससे रोजगार, राजस्व और औद्योगिक संस्कृति को बल मिलेगा। उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और उपमुख्यमंत्री मंत्री विजय शर्मा, जिनके पास गृह विभाग का भी प्रभार है, के नेतृत्व की प्रशंसा करते हुए कहा कि इन दोनों ने नक्सल विरोधी अभियान को निर्णायक गति दी है। पहली बार ऐसा हुआ है कि वर्षा ऋतु में भी सुरक्षा बल सक्रिय हैं और नक्सलियों को चैन से रहने नहीं दे रहे। उन्होंने नक्सलियों से आत्मसमर्पण करने और छत्तीसगढ़ की विकास यात्रा में शामिल होने की अपील की।

उन्होंने कहा कि एनएफएसयू का स्थायी परिसर तीन वर्षों में पूर्ण रूप से विकसित होगा, जिससे छत्तीसगढ़ के युवाओं के लिए फॉरेंसिक क्षेत्र में करियर की असीम संभावनाएं खुलेंगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि मोदी सरकार के तहत एनएफएसयू से स्नातक करना रोजगार की गारंटी बनेगा। साथ ही देशभर में लागू हुए नए तीन आपराधिक कानूनों के संदर्भ में श्री शाह ने कहा कि इनका उद्देश्य है - तीन वर्षों के भीतर न्याय सुनिश्चित करना, और विज्ञान आधारित साक्ष्यों पर आधारित आधुनिक आपराधिक न्याय प्रणाली की स्थापना करना। उन्होंने बताया कि अब सात वर्ष से अधिक की सजा वाले अपराधों में फॉरेंसिक जांच अनिवार्य कर दी गई है। सभी थानों को सीसीटीएनएस से जोड़ दिया गया है, जिससे राज्य सरकारें जांच और निगरानी की प्रक्रिया में तकनीकी रूप से दक्ष हो सकेंगी। यह बदलाव न केवल न्यायिक प्रक्रिया को मजबूत करेगा, बल्कि भारत को वैज्ञानिक दृष्टिकोण से सजा सुनिश्चित करने वाले देशों की अग्रिम पंक्ति में ले आएगा।

श्री शाह ने यह भी बताया कि देशभर में एनएफएसयू के 16 परिसरों की स्थापना हो चुकी है और 10 अन्य प्रस्तावित हैं। भारत को आत्मनिर्भर बनाने में फॉरेंसिक टेक्नोलॉजी की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। एक हालिया सर्वेक्षण का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 तक फॉरेंसिक टेक्नोलॉजी का वैश्विक बाजार 55 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच जाएगा और उसमें भारत की हिस्सेदारी तेजी से बढ़ेगी।श्री साय ने कहा कि यह दिन छत्तीसगढ़ के लिए ऐतिहासिक है क्योंकि आज एक साथ तीन महत्वपूर्ण संस्थानों की नींव रखी गई है जो प्रदेश को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि एनएफएसयू विश्व का पहला और एकमात्र विश्वविद्यालय है जो फॉरेंसिक साइंस, साइबर सुरक्षा, व्यवहार विज्ञान जैसे विषयों के अध्ययन के लिए पूर्णतः समर्पित है। इसका रायपुर परिसर नवा रायपुर को एक उभरते हुए राष्ट्रीय शैक्षणिक केंद्र के रूप में स्थापित करेगा। यह संस्थान न केवल छत्तीसगढ़, बल्कि पूरे मध्य भारत के लिए कानून व्यवस्था, न्यायिक प्रक्रिया और फॉरेंसिक अनुसंधान का सशक्त आधार बनेगा।मुख्यमंत्री ने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार ने बंजारी, नवा रायपुर में विश्वविद्यालय के लिए 40 एकड़ भूमि उपलब्ध कराई है और ट्रांजिट कैंपस को समय पर तैयार करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इस कैंपस में फॉरेंसिक साइंस, डिजिटल फॉरेंसिक, साइकोलॉजी सहित विभिन्न विषयों में स्नातक, स्नातकोत्तर और अल्पकालिक पाठ्यक्रम संचालित होंगे। साइबर क्राइम, सड़क दुर्घटना विश्लेषण, मादक पदार्थों की जांच जैसे क्षेत्रों में प्रशिक्षण से राज्य की कानून व्यवस्था को बल मिलेगा।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में देश में लगभग एक सदी बाद तीन नए आपराधिक कानून लागू किए गए हैं। एनएफएसयू जैसे संस्थान इन कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। छत्तीसगढ़ सरकार इन कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू करने हेतु पुलिस बल एवं जांच एजेंसियों को आवश्यक प्रशिक्षण और संसाधन उपलब्ध करा रही है, जिसकी सतत निगरानी भी की जा रही है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने आई-हब छत्तीसगढ़ के शुभारंभ का उल्लेख करते हुए कहा कि यह संस्थान राज्य के युवाओं को स्टार्टअप और नवाचार की दुनिया से जोड़ने का सशक्त माध्यम बनेगा। इसमें को-वर्किंग स्पेस की अत्याधुनिक सुविधाएं उपलब्ध होंगी, जो नवाचार को प्रोत्साहित करेंगी।श्री विजय शर्मा ने कहा कि एनएफएसयू का रायपुर परिसर न केवल प्रशिक्षण बल्कि फॉरेंसिक अनुसंधान और इन्वेस्टिगेशन में भी क्रांतिकारी बदलाव लाएगा। उन्होंने इस बात को रेखांकित किया कि यह संस्थान न केवल पढ़ाई, शोध, प्रशिक्षण और परामर्श का केंद्र बनेगा बल्कि भारत में ही फॉरेंसिक साइंस से जुड़े उपकरणों के नवाचार और निर्माण में भी अग्रणी भूमिका निभाएगा। यह सपना माननीय गृहमंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में साकार हो रहा है। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ सरकार ने एनएफएसयू के लिए जमीन आवंटित की है और निर्माण कार्य भी शीघ्र आरंभ होने वाला है। उन्होंने कहा कि इस परिसर में सभी अत्याधुनिक सुविधाएं होंगी, और यह फॉरेंसिक साइंस, डिजिटल फॉरेंसिक, साइकोलॉजी एवं विभिन्न शॉर्ट टर्म कोर्सेस में युवाओं को दक्ष बनाएगा।

# पुलिस नक्सली मुठभेड़, सात माओवादियों के शव बरामद

**जगदलपुर, 22 जून (एजेंसियां)।**
छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के नेशनल पार्क क्षेत्र में जून 2025 के पहले पखवाड़े के दौरान सुरक्षा बलों द्वारा चलाए गए सघन माओवादी विरोधी अभियानों की श्रृंखला में माओवादी कैडरों और सुरक्षाबलों के बीच हुई मुठभेड़ों के बाद सात माओवादियों के शव बरामद किए गए।

बरामद शवों में दो शीर्ष माओवादी नेताओं गौतम उर्फ सुधाकर ,भाकपा (माओवादी) की केंद्रीय समिति का सदस्य एवं भास्कर राव , भाकपा ( माओवादी ) स्टेट कमिटी सदस्य शामिल हैं।

पुलिस के रविवार के जारी बयान के अनुसार बरामद अन्य शवों में से एक की पहचान महेश कोडियम के रूप में की गई, जो बीजापुर जिले के फरसगढ़ थाना अंतर्गत इरपागुट्टा गांव का निवासी था।

मृत महेश कोडियम के शव का पंचनामा किए जाने के दौरान यह तथ्य सामने आया कि वह नेशनल पार्क क्षेत्र डिवीजन के अंतर्गत प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) संगठन का पार्टी सदस्य था और उसकी संलिप्तता इस अवैध संगठन से थी। यह भी सामने आया है कि महेश कोडियम इरपागुट्टा गांव के प्राथमिक विद्यालय में रसोई सहायक के रूप में कार्यरत था। उसका चयन गांव की विद्यालय प्रबंधन समिति द्वारा किया गया था और मार्च 2025 तक उसे भुगतान किया जा रहा था।

यह अभी जाँच का विषय है कि महेश कोडियम किन परिस्थितियों में केंद्रीय समिति सदस्य गौतम, राज्य समिति सदस्य भास्कर जैसे शीर्ष माओवादी नेताओं के संपर्क में आया। इस पूरे मामले की हर पहलू से गंभीर, निष्पक्ष और पेशेवर तरीके से जांच की जा रही है।

पुलिस एक बार पुनः माओवादी संगठन से प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से जुड़े सभी लोगों से अपील करता है कि वे इस प्रतिबंधित और अवैध संगठन से तत्काल संबंधविच्छेद करें। पुलिस ने यह भी कहा कि माओवादी संगठन से जुड़ाव न केवल समाज और क्षेत्र की सुरक्षा के लिए खतरा है, बल्कि स्वयं संबंधित व्यक्ति के जीवन तथा भविष्य के लिए भी घातक सिद्ध भी हो सकता है।

### दो पाटों पर अमरनाथ यात्रा

# व्यवस्था सीएम करेंगे और सुरक्षा एलजी

**जम्मू, 22 जून (एजेंसियां)।** इस बार जिस अमरनाथ यात्रा पर कश्मीर की अर्थ व्यवस्था और पर्यटन का दारोमदार बताया जा रहा है उस पर एक नया विवाद खड़ा हो गया है। विवाद का कारण यह है कि इस यात्रा को डबल इंजन की व्यवस्था से जूझना होगा। इसके लिए अगर व्यवस्था की जिम्मेदारी उमर सरकार के ऊपर है तो सुरक्षा का भार उपराज्यपाल प्रशासन के पास।मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला का कहना है कि अमरनाथ यात्रा के लिए उनकी सरकार ने सभी आवश्यक सुविधाओं का प्रबंध कर दिया है, लेकिन सुरक्षा की जिम्मेदारी राजभवन और उपराज्यपाल की है। अमरनाथ यात्रा पर आतंकी खतरे के संदर्भ में सीएम ने कहा, उन्होंने (एलजी) सुरक्षा का इंतजाम किया होगा। गंदरबल में पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि आने वाले श्रद्धालु शांत और विश्वासपूर्ण वातावरण में अपनी यात्रा पूरी कर सुरक्षित अपने घरों को लौटेंगे। पूरा कश्मीर उनके स्वागत के लिए तैयार है।उल्लेखनीय है कि जम्मू कश्मीर में कानून व्यवस्था और सुरक्षा मामलों की जिम्मेदारी उपराज्यपाल मनोज सिन्हा के पास है। जम्मू कश्मीर पुलिस मौजूदा परिस्थितियों में केंद्रीय गृह मंत्रालय के अधीन है। सुरक्षा मामलों में मौजूदा निर्वाचित सरकार की कोई भूमिका नहीं है। अमरनाथ की वार्षिक तीर्थयात्रा तीन जुलाई से शुरू हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि निर्वाचित सरकार की हमारी जो जिम्मेदारी थी, उसके मुताबिक बिजली, पानी, सड़क, चिकित्सा, स्वच्छता, खाद्य सामग्री, परिवहन समेत सभी प्रबंध किए जा चुके हैं।पिछले दिनों उप राज्यपाल मनोज सिन्हा यह स्पष्ट कर चुके हैं कि प्रदेश में सिर्फ पुलिस ही उनके अधिकार में है। तो ऐसे में क्या अन्य केंद्रीय सुरक्षा बल और सेना की तैनाती का जिम्मा और उनकी सेवाएं किसके पास रहेगी यह अभी तक स्पष्ट नहीं है।

# उत्तराखंड में 227 अवैध मदरसे सील किए गए

**देहरादून, 22 जून (एजेंसियां)।** कॉर्बेट सिटी रामनगर, नैनीताल जिले में अवैध मदरसों के खिलाफ धामी सरकार की सीलिंग की कार्रवाई लगातार जारी है। डीएम वंदना सिंह के निर्देश पर गठित एसडीएम रामनगर की टीम ने दो अवैध मदरसों को सील किया है।

नैनीताल जिले में अवैध मदरसों को संचालित करने वाले इंतजामिया कमेटी के सदस्यों को पूर्व में नोटिस दिया जा चुका था। रामनगर एसडीएम प्रमोद कुमार के नेतृत्व में जांच पड़ताल के लिए गुल्लरघटी क्षेत्र में चल रहे दो अवैध मदरसे सील कर दिए गए, जबकि तीन मदरसों ने नोटिस मिलने के बाद अपना संचालन बंद कर दिया था। नैनीताल की डीएम वंदना सिंह के मुताबिक, जिन अवैध मदरसा संचालकों ने नोटिस दिए जाने के बाद अपना संचालन बंद कर दिया था। उन पर भी नजर रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि वैध रूप से चल रहे मदरसों की भी जांच पड़ताल जारी है और इनमें अवैध मदरसों में पढ़ने वाले बच्चों प्राइमरी स्कूल में अथवा वैध मदरसों में शिक्षा के लिए दाखिला कराया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि मदरसों में राष्ट्रीय पाठ्यक्रम पढ़ाया जाना, फंड जुटाने की जानकारी देना और बच्चों के स्कूल के तय मानकों के अनुसार संचालन की अनुमति दी जा सकती है।जानकारी के अनुसार, नैनीताल जिले में अभी तक 26 अवैध मदरसे सील किए जा चुके हैं, जबकि उत्तराखंड में 227 अवैध मदरसों पर धामी सरकार ताला जड़ चुकी है। प्रशासन ने बताया कि अब तक उधम सिंह नगर में 66 मदरसे सील किए गए। इसके अलावा हरिद्वार में 88, देहरादून में 44, पौड़ी में 02, नैनीताल में 26 और अल्मोड़ा में 01 मदरसा सील किया गया।

# 1 जनवरी से हर टू-व्हीलर में होगा एबीएस अनिवार्य

## *हीरो स्प्लेंडर और होंडा एक्टिवा भी शामिल*

**नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)।**
देश में सड़क सुरक्षा को लेकर एक बड़ा फैसला लिया गया है। केंद्र सरकार ने दोपहिया वाहन चालकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए 1 जनवरी 2026 से सभी नए टू-व्हीलर्स में एंटी-लॉक ब्रेकिंग सिस्टम (एबीएस) को अनिवार्य कर दिया है। इस फैसले का असर उन सभी बाइक्स और स्कूटर्स पर होगा जो अब तक इस तकनीक से वंचित थे-जैसे हीरो स्प्लेंडर और होंडा एक्टिवा जैसे किफायती मॉडल। इसके साथ ही, अब हर नए टू-व्हीलर की बिक्री पर दो बीआईएस प्रमाणित हेलमेट देना भी अनिवार्य कर दिया गया है।

अब तक एबीएस केवल उन दोपहिया वाहनों के लिए अनिवार्य था जिनकी इंजन क्षमता 125 सीसी से अधिक थी। लेकिन नए नियम के तहत यह सुरक्षा तकनीक हर नई बाइक और स्कूटर में जरूरी होगी, चाहे वह 100 सीसी हो या उससे ऊपर। सरकार का मानना है कि अचानक ब्रेक लगाने की स्थिति में एबीएस वाहन के पहियों को लॉक होने से बचाता है, जिससे स्किडिंग और नियंत्रण खोने जैसी घटनाओं से बचा जा सकता है। यही कारण है कि इस तकनीक को अब एंट्री-लेवल मॉडल्स तक लाने का फैसला लिया गया है।2022 में जारी आंकड़ों के अनुसार, भारत में सड़क दुर्घटनाओं में हुई कुल मौतों में से लगभग 44.5% दोपहिया वाहनों से जुड़ी थीं। इनमें से कई हादसे ब्रेक लगाते समय नियंत्रण खोने या सिर पर चोट लगने के कारण हुए। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए ही सरकार ने एबीएस को व्यापक रूप से लागू करने और दोनों सवारों के लिए हेलमेट अनिवार्य करने की योजना बनाई है। अब हर डीलर को ग्राहक को एक नहीं, दो बीआईएस प्रमाणित हेलमेट देने होंगे-एक चालक के लिए और दूसरा पीछे बैठने वाले के लिए।

हीरो स्प्लेंडर, होंडा एक्टिवा, टीवीएस स्पोर्ट, बजाज प्लेटिना जैसी कम कीमत वाली बाइक्स और स्कूटर्स की बिक्री भारत में सबसे अधिक होती है। इन मॉडल्स में अभी तक एबीएस अनिवार्य नहीं था, लेकिन नए नियमों के बाद इन्हें अपग्रेड करना पड़ेगा। इससे संभावित रूप से इनकी कीमत में इजाफा हो सकता है, क्योंकि -इड लगाने के लिए डिस्क ब्रेक और सेंसर जैसे हार्डवेयर की जरूरत होती है।

सरकार ने स्पष्ट किया है कि यह नियम केवल 1 जनवरी 2026 के बाद निर्मित और बेचे जाने वाले नए दोपहिया वाहनों पर लागू होगा। पुराने या पहले से खरीदे गए वाहनों पर यह नियम लागू नहीं होगा। इसके अलावा, सड़क परिवहन मंत्रालय जल्दी ही तकनीकी दिशा-निर्देश और क्रियान्वयन प्रक्रिया की विस्तृत जानकारी भी जारी करेगा, ताकि वाहन निर्माता समय रहते बदलावों के लिए तैयार हो सकें।

1 जनवरी 2026 से भारत में टू-व्हीलर सेगमेंट एक नए सुरक्षा युग में प्रवेश करेगा। सरकार के इस कदम से दोपहिया चालकों की जान बचाने में काफी मदद मिलेगी। जहां एक ओर एबीएस तकनीक से हादसों में कमी आएगी, वहीं दो हेलमेट अनिवार्य करने से यात्रियों की सुरक्षा को और पुख्ता किया जा सकेगा। हालांकि इससे शुरुआती लागत में थोड़ी बढ़ोतरी हो सकती है, लेकिन सड़क सुरक्षा के नजरिए से यह फैसला एक स्वागतयोग्य पहल है, जो लाखों जानें बचा सकता है।

# बढ़ते संघर्ष के बीच कश्मीर के छात्रों सहित 311 भारतीय नागरिक ईरान से सुरक्षित लौटे

**नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)।**
ईरान में फंसे 300 से ज़्यादा भारतीय नागरिकों, ख़ास तौर पर छात्रों को लेकर महान एयर की एक फ़्लाइट (डब्ल्यू 50071ए) रविवार को दिल्ली एयरपोर्ट पर सुरक्षित उतरी, जिससे सैकड़ों परिवारों, ख़ास तौर पर जम्मू-कश्मीर में, के लिए गहन चिंता और भावनात्मक उथल-पुथल का दौर खत्म हो गया। यह घटनाक्रम मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव के बीच हुआ है, जब अमेरिका ने ईरान के परमाणु ठिकानों को निशाना बनाकर हवाई हमले किए हैं। निकाले गए लोगों में कश्मीर के 200 से ज़्यादा छात्र शामिल थे, जो ईरान में पढ़ रहे थे और इस क्षेत्र में बढ़ते संघर्ष में फंस गए थे। उनके वापस आने से उन चिंतित रिश्तेदारों को राहत मिली, जो अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर अनिश्चितता से भरी रातों की नींद हराम कर रहे थे।विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने एक्स पर अपडेट साझा करते हुए क्षेत्र में बढ़ते संघर्ष के बीच अपने नागरिकों की सुरक्षित वापसी के लिए भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने निकाले गए लोगों की तस्वीरों के साथ पोस्ट किया, ऑपरेशन सिंधु जारी है।

311 भारतीय नागरिक 22 जून को 1630 बजे मशहद से एक विशेष उड़ान से नई दिल्ली पहुंचे। अब तक 1428 भारतीय नागरिकों को ईरान से निकाला जा चुका है।जम्मू और कश्मीर छात्र संघ ने समय पर और कुशल हस्तक्षेप के लिए भारत सरकार, विदेश मंत्रालय और ईरान में भारतीय दूतावास के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त किया। संघ ने एक बयान में कहा, युद्ध क्षेत्र ईरान में संकट के दिनों को झेलने वाले ये छात्र आखिरकार अपनी मातृभूमि की सुरक्षा और अपने इंतजार कर रहे परिवारों के गर्मजोशी भरे आलिंगन में लौट आए हैं।

# गडकरी ने हिंदुत्व को लेकर कांग्रेस पर साधा निशाना

**नागपुर, 22 जून (एजेंसियां)।** केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने हिंदुत्व की गलत व्याख्या करने पर विपक्षी कांग्रेस पार्टी पर निशाना साधा।

वरिष्ठ पत्रकार डॉ. उदय निरगुडकर की ओर से शनिवार की रात यहां आयोजित सार्वजनिक साक्षात्कार में श्री गडकरी ने स्पष्ट किया कि भगवा झंडा लेकर सड़कों पर उतरना या कुछ कार्य करना हिंदुत्व नहीं है, बल्कि यह मूल्य आधारित जीवन शैली है। उन्होंने कहा, हम पूजा के दौरान विश्व कल्याण की भी प्रार्थना करते हैं। विविधता में एकता और सभी धर्मों के प्रति सहिष्णुता ही भारतीयता का सच्चा स्वरूप है। यही हिंदुत्व है।

वर्ष 2029 में होने वाले आगामी लोकसभा चुनावों में अपनी भूमिका के बारे में पूछे जाने पर श्री गडकरी ने कहा , हमने 11 वर्षों में जो देखा वह सिर्फ एक ट्रेलर था और असली फिल्म अभी शुरू होनी है।

# सिंहस्थ कुंभ मेले से पहले सड़कों का होगा उन्नयन : फडणवीस

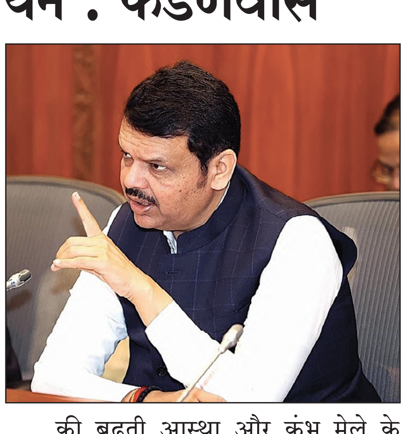

**नागपुर, 22 जून (एजेंसियां)।** महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने रविवार को कहा कि सिंहस्थ कुंभ मेले से पहले नासिक को जोड़ने वाली सभी सड़कों का उन्नयन किया जाएगा।

मुख्यमंत्री कार्यालय की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया कि नासिक को जोड़ने वाले राजमार्गों के संबंध में केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी की उपस्थिति में एक उच्च स्तरीय बैठक हुई।बयान में कहा गया है कि नासिक में श्रद्धालुओं की बड़ी संख्या और विशाल समागम के दौरान यातायात प्रबंधन की आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए गडकरी ने अपने मंत्रालय के माध्यम से आवश्यक सड़क अवसंरचना के विकास और निर्माण के लिए सैद्धांतिक मंजूरी दे दी है।सिंहस्थ कुंभ मेला 31 अक्टूबर 2026 को त्र्यंबकेश्वर और नासिक के रामकुंड में ध्वजारोहण के साथ शुरू होगा।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि श्रद्धालुओं की बढ़ती आस्था और कुंभ मेले के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या में अपेक्षित वृद्धि का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से सड़क बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने के लिए केंद्रीय सहायता का अनुरोध किया था।

विज्ञप्ति में कहा गया है कि तदनुसार, गडकरी और राज्य के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में नागपुर में मुख्यमंत्री कार्यालय में एक उच्च स्तरीय बैठक हुई और ये निर्णय लिया गया।

# तेरे नाम का लुक आखिर किससे था प्रेरित, सलमान खान ने किया खुलासा

नेटफ्लिक्स के द ग्रेट इंडियन कपिल शो का तीसरा सीजन काफी चर्चा में है। इस नए सीजन के पहले एपिसोड में सलमान खान स्पेशल गेस्ट बनकर आएंगे। इस वजह से यह एपिसोड टेलिकास्ट होने से पहले ही सुर्खियां बटोर रहा है। मजेदार बातचीत के दौरान सलमान खान ने खुलासा करते हुए कपिल को बताया कि उनकी फिल्म तेरे नाम का लुक असल में किससे प्रेरित था।

बता दें कि सलमान खान का तेरे नाम वाला लुक युवा लड़कों के बीच काफी पॉपुलर हुआ था। सलमान खान ने बताया कि उनका हेयरस्टाइल हमारे पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम से प्रेरित था।

सलमान खान ने बताया, ये जो तेरे नाम का लुक है, वो असल में डॉ. अब्दुल कलाम साहब से प्रेरित था। उस वक्त राहुल रॉय का भी ऐसा ही

हेयरस्टाइल था। मुझे लगता था कि छोटे शहर के हीरो हमेशा लंबे बाल रखते हैं। पुराने जमाने के हीरो भी लंबे बाल रखते थे, मेरा यह लुक वहां से आया था। एपिसोड के दौरान सलमान ने यह भी बताया कि आमिर खान की गौरी स्प्रैट के साथ नए रिश्ते की वजह क्या है। शो के निर्माताओं ने हाल ही में एक छोटा वीडियो रिलीज किया है, जिसमें कपिल, सलमान से कहते हैं, आमिर भाई ने अभी-अभी अपनी गर्लफ्रेंड को फैंस से मिलवाया। वह रुकने वाले नहीं हैं, लेकिन आप तो अभी शुरू भी नहीं हुए। इस पर हंसते हुए सलमान जवाब देते हैं, आमिर तो कुछ अलग ही हैं। वो परफेक्शनिस्ट हैं, जब तक शादी को भी परफेक्ट नहीं बना लेते...। इतना कहने पर ही सभी हंसने लगते हैं। वीडियो के आखिर में सलमान और कपिल एक साथ सुपरहिट फिल्म प्यार किया तो डरना क्या का हिट गाना ओ ओ जाने जाना गाते हुए नजर आते हैं।

# हर दिन खुद के डर से कैसे लड़ती हैं समीरा रेड्डी ट्रिक का किया जिक्र

अभिनेत्री समीरा रेड्डी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर बताया कि योग ने उनकी जिंदगी को कैसे बैलेंस, ताकत और शांति दी है। समीरा ने बताया कि वह हर दिन खुद के डर से कैसे लड़ती हैं?

समीरा रेड्डी ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर करते हुए योग को लेकर अपनी भावनाओं को व्यक्त किया। उन्होंने कैप्शन में लिखा, हर दिन मैं अपने डर से लड़ती हूं और योग मुझे इसके लिए ताकत देता है। योग मुझे केवल ताकत नहीं बल्कि उम्मीद और जिंदगी में बैलेंस कैसे बनाएं, ये भी बताता है। योग मेरे दिमाग को शांत करता है और मुझे अपनी भावनाओं को समझने में मदद करता है।

समीरा ने पोस्ट में आगे बताया, जब मैं किसी से बात नहीं कर पाती, तब योग मेरी बात सुनता है। यह शोर को कम करता है और मुझे मेरे जवाब ढूंढने में मदद करता है। समीरा का मानना है कि योग एक ऐसा जरिया है, जो शरीर के साथ ही आत्मा के लिए भी बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा, योग मेरी आत्मा और शरीर को ठीक करता है। दिमाग, दिल और अभ्यास सब आपस में जुड़े हैं।

उन्होंने अपने ट्रेनर्स का धन्यवाद देते हुए वीडियो में जैकी श्रॉफ के ट्रेंडिंग डायलॉग सांस ले लंबा भी जोड़ा।

46 वर्षीय एक्ट्रेस सोशल मीडिया पर एक्टिव रहती हैं और अक्सर वर्कआउट के साथ ही मजेदार वीडियोज भी पोस्ट करती हैं, जिसमें उनकी मेहनत और अनुशासन के साथ ही मजाकिया अंदाज भी साफ दिखता है। इसके साथ ही वह फैंस को भी अक्सर फिट और फाइन रहने का मंत्र देती रहती हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो समीरा रेड्डी आखिरी बार साल 2013 में आई कन्नड़ फिल्म 'वरधनायका' में नजर आई थीं। इस फिल्म का निर्देशन अय्यप्पा पी. शर्मा ने किया। इसमें समीरा रेड्डी के साथ सुदीप, चिरंजीवी सरजा और निकेशा पटेल भी मुख्य भूमिका में हैं। समीरा रेड्डी 'मैंने दिल तुझको दिया', 'रेस', 'मुसाफिर' जैसी फिल्मों में काम कर चुकी हैं।

एक दीवाने की दीवानियत की शूटिंग पूरी सोनम बाजवा बोलीं-

# सबसे मुश्किल लेकिन खास रहा अनुभव

अभिनेत्री सोनम बाजवा ने फिल्म एक दीवाने की दीवानियत की शूटिंग पूरी कर ली है। उन्होंने कहा है कि यह फिल्म उनके लिए अब तक की सबसे मुश्किल फिल्मों में से एक रही है। सोनम ने फोटो शेयरिंग प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर कुछ तस्वीरें शेयर की। इन तस्वीरों में वह अपने को-स्टार हर्षवर्धन राणे के साथ सेट पर नजर आ रही हैं और कैमरे के लिए पोज दे रही हैं। इसके अलावा, उन्होंने डायरेक्टर मिलाप जावेरी के साथ कुछ बीटीएस पलों को भी शेयर किया।

इन तस्वीरों को शेयर करते हुए उन्होंने कैप्शन में लिखा, यकीन नहीं हो रहा कि मैं यह लिख रही हूं कि 'एक दीवाने की दीवानियत' की शूटिंग पूरी हो गई है। यह मेरी अब तक की सबसे मुश्किल फिल्मों में से एक रही, लेकिन इसका अनुभव बहुत ही खास रहा। अपने पोस्ट में सोनम ने आगे कहा, मैं उन सभी लोगों का धन्यवाद करना चाहती हूं जो इस सफर का हिस्सा रहे। आप सभी के बिना यह मुमकिन नहीं था।बता दें कि सोनम से पहले हर्षवर्धन राणे ने चंडीगढ़ में फिल्म की शूटिंग पूरी करने का जश्न मनाया था। उन्होंने टीम के साथ मिलकर जमकर आतिशबाजी की थी।

हर्षवर्धन ने इंस्टाग्राम स्टोरीज में खास पल की झलक दिखाते हुए एक वीडियो पोस्ट की थी, जिसमें वह अपनी टीम के साथ नजर आए। वीडियो में आतिशबाजी, हार्ट शेप गुब्बारे और गोल्डन कलर का बोर्ड दिखाई दिया, जिस पर लिखा था- 'एक दीवाने की दीवानियत' की शूटिंग पूरी हुई। इस वीडियो को शेयर करते हुए एक्टर ने लिखा, ''रैपअप 'एक दीवाने की दीवानियत'... इस फिल्म पर काम करने वाले सभी दीवानों और दीवानियों का धन्यवाद। यह सब आपके बिना संभव नहीं था। यकीन नहीं हो रहा।बता दें कि पहले फिल्म का नाम सिर्फ 'दीवानियत' था, बाद में इसका नाम बदलकर 'एक दीवाने की दीवानियत' रख दिया गया है। इसके पीछे मेकर्स ने कारण बताया कि पुराना टाइटल फिल्म की कहानी और उसके नए अंदाज से मेल नहीं खा रहा था, इसलिए फिल्म का नाम बदला गया। फिल्म के निर्माण की जिम्मेदारी पहले वाली कंपनी विकिर फिल्म्स से हटकर एक नई कंपनी प्ले डीएमएफ के हाथों में आई, जिसकी अगुवाई अंशुल गर्ग ने की। यह फिल्म मिलाप जावेरी ने डायरेक्ट की है और राघव शर्मा इसके को-प्रोड्यूसर हैं। फिल्म 2 अक्टूबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

# विद्या बालन ने तिरुमला मंदिर में किए भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन

मशहूर बॉलीवुड अभिनेत्री विद्या बालन अपने परिवार के साथ तिरुपति स्थित प्रसिद्ध तिरुमाला मंदिर में भगवान वेंकटेश्वर के दर्शन के लिए पहुंचीं। उन्होंने पूरे श्रद्धा भाव से मंदिर में पूजा-अर्चना की और भगवान को पारंपरिक तरीके से हुंडी के जरिए प्रसाद चढ़ाया। साथ ही मंदिर के पुजारियों से आशीर्वाद भी लिया। मंदिर की ओर से विद्या बालन को शेषवस्त्र भेंट में दिया गया। विद्या बालन इस मौके पर पारंपरिक परिधान में नजर आईं, जिसमें वह बेहद खूबसूरत लग रही थीं। वह भक्ति के रंग में रंगी नजर आईं। मंदिर से बाहर निकलते ही वहां मौजूद भीड़ ने उन्हें घेर लिया। फैंस उन्हें देखने के लिए उत्साहित थे और कई लोग उनके साथ फोटो और सेल्फी लेने की कोशिश करते दिखे।

विद्या बालन ने भी सभी का मुस्कुराकर हाथ हिलाते हुए प्यार और अभिवादन स्वीकार किया। इस दौरान उनके चेहरे पर खुशी साफ झलक रही थी। विद्या बालन के करियर पर नजर डालें तो उन्होंने अपने फिल्मी करियर की शुरुआत मलयालम फिल्म 'चक्रम' से की थी, जिसमें सुपरस्टार मोहनलाल थे, लेकिन यह फिल्म पूरी नहीं हो पाई। इसके बाद उन्होंने तमिल फिल्म 'रन' साइन की, लेकिन कुछ कारणों से उन्हें पहले शेड्यूल के बाद फिल्म से हटा दिया गया। उनकी दूसरी तमिल फिल्म 'मनासेल्लम' में भी उन्हें अभिनय का मौका नहीं मिला।

इन परेशानियों के बाद विद्या ने टीवी विज्ञापनों और म्यूजिक वीडियो में काम करना शुरू किया। 1998 के बाद वह कई विज्ञापनों में नजर आईं और टीवी शो 'हम पांच' में भी एक छोटी भूमिका निभाई।

साल 2003 में उनकी बंगाली फिल्म 'भालो थेको' आई, जिसके लिए उन्हें बेस्ट एक्ट्रेस का पुरस्कार मिला। हिंदी फिल्मों में उन्होंने अपने करियर की शुरुआत फिल्म 'परिणीता' से की, जो भले ही बॉक्स ऑफिस पर ज्यादा सफल नहीं रही, लेकिन दमदार अभिनय के चलते उनकी खूब तारीफ हुई और उन्हें फिल्मफेयर का बेस्ट न्यूकमर अवॉर्ड भी मिला। 2006 में उन्होंने 'लगे रहो मुन्नाभाई' में काम किया, जो बड़ी हिट साबित हुई। 2007 में मणिरत्नम की फिल्म 'गुरु' में एक दिव्यांग लड़की की भूमिका निभाकर उन्होंने दर्शकों की तालियां बटोरी। इसके बाद 'सलाम-ए-इश्क', 'हे बेबी', 'भूल भूलैया', और 'भूल भूलैया 2' जैसी फिल्मों में भी उन्होंने अच्छा काम किया।

वर्कफ्रंट की बात करें तो वह जल्द ही 'कहानी 3' में नजर आने वाली हैं। हालांकि, यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कब रिलीज होगी, इसके बारे में अभी कोई भी जानकारी सामने नहीं आई है।

# कावेरी कपूर की जोशीली कविता शक्ति दर्द और मौन की कीमत को बयां करती है

कावेरी कपूर एक बेहतरीन गायिका, गीतकार और संगीतकार हैं-यह तो हम जानते ही थे। लेकिन वह एक ऐसी कवयित्री भी हैं जिनके शब्द सीधे दिल में उतरते हैं? इसका हमें अंदाज़ा नहीं था। अपनी हालिया कविता में कावेरी ने दिल से लिखा-एक ऐसा दिल जो टूटा हुआ था। बॉलीवुड में 'बॉबी और ऋषि की लव स्टोरी' से डेब्यू करने वाली कावेरी ने अपनी इस कविता में कोई कसर नहीं छोड़ी। उन्होंने लिखा, टावर गिरा, शैतान चिल्लाया 'सत्ता', लोग ललकार उठे- ये दुनिया हमारी है। सच्चे, लयबद्ध, एवं जागने और उठने के आह्वान की तरह पढ़ते हुए, उन्होंने एक बेहद साधारण लेकिन भारी-भरकम कैप्शन के साथ पोस्ट किया: आज दुनिया की हालत देख कर दिल टूट जाता है । उनकी कविता इस प्रकार है, द टॉवर फेल, द डेविल येल 'पॉवर' एंड इन अ लाइटिंग बोल्ट यू कम टू टाउन टेनेड आवर चिल्ड्रेन एंड स्टोलेन आवर क्राउन। वी डिगेस्ट इट लाइक टर्पेन्टाइन, लॉक आवर डोर एंड टेक साइड। आई डेयर यू टू लुक मी इन द आइज़। आई डेयर यू टू सी, आई डेयर यू टू क्राई। आई डेयर यू टू बी सो अलाइव, फील द हीट ऑफ द वर्ल्ड ऑन फायर। आई डू लव टू सिंग ऑफ लव एंड लाइट, एंड डांसिंग इन द रेन विद द लव ऑफ आवर लाइफ। आई प्रेय टू सिंग ऑफ लव एंड लाइट, बट द डेविल येलड पॉवर, सो नाउ इट्स टाइम टू राइड। वी डिगेस्ट इट लाइक टर्पेन्टाइन, ड्रिंक द पोईज़न, कॉल इट लाइफ। बी ब्रेभ इनफ टू लुक ट्वाइस, ईवेंन इफ वेनोम इज बर्निंग योर आईज़। द टॉवर फेल, द डेविल येल्स 'पॉवर', द पीपल शाउट बैक, द वर्ल्ड इज आवर्स।

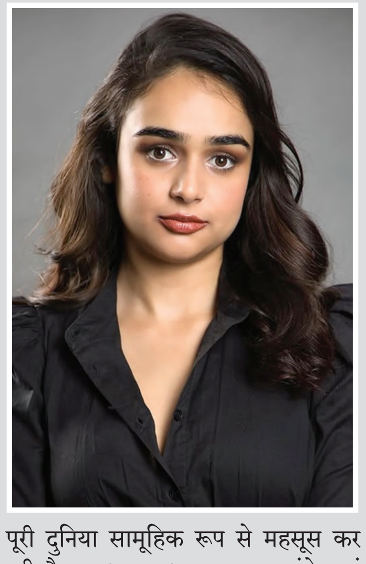

कावेरी ने उन भावनाओं को शब्दों में पिरोया है जो शायद बीते कुछ महीनों से पूरी दुनिया सामूहिक रूप से महसूस कर रही है - उथल-पुथल, गुस्सा, संवेदनाएं और दुःख। कावेरी ने बहुत ही चतुराई से भ्रष्टाचार और सत्ता के बारे में एक मजबूत संदेश दिया, कि कैसे सत्ता मासूमियत को निगल जाती है, कैसे लोगों को मजबूर किया जाता है कि वे पक्ष चुनें, अपने दरवाज़े बंद कर लें, एक-दूसरे को देखना बंद कर दें।

लेकिन इस आग और आक्रोश के बीच, उनकी कविता में एक उम्मीद की लौ भी है-प्रेम की, कोमलता की, बारिश में नाचने की। यही भावना का द्वंद्व है, जिसे कावेरी ने अपने शब्दों के माध्यम से बखूबी उकेरा है। यह केवल गुस्से का इज़हार नहीं है, बल्कि इस बात का शोक है कि दुनिया किस ओर बढ़ रही है। पर इसी टूटे दिल में एक उम्मीद भी है-बेहतर जीवन की। कावेरी अपनी कविता का अंत निराशा से नहीं, बल्कि विद्रोह से करती हैं: लोग ललकार उठे - ये दुनिया हमारी है। यह याद दिलाने वाला संदेश है कि भले ही सत्ता चीख़ती रहे, लेकिन हम फिर भी एक साथ उठने का विकल्प चुन सकते हैं।

घायल के 35 साल पूरे, सनी देओल बोले

# ऐसा लगता है जैसे कल की ही बात हो

शानदार कहानी और दमदार डायलॉग्स से सजी साल 1990 में रिलीज हुई अभिनेता सनी देओल और मीनाक्षी शेषाद्रि स्टारर आइकॉनिक फिल्म 'घायल' को रिलीज हुए 35 साल हो चुके हैं। सोशल मीडिया पर पोस्ट कर सनी देओल ने 'घायल' को खास फिल्म बताया।

फिल्म में सनी देओल लीड रोल में थे और उनके किरदार का नाम 'अजय मेहरा' था। सोशल मीडिया पर सनी देओल ने फिल्म से जुड़े वीडियो मोंटाज को शेयर किया। राजकुमार संतोषी के निर्देशन में बनी फिल्म ने सनी को बॉलीवुड में एक दमदार अभिनेता के रूप में पेश करने में अहम भूमिका निभाई। सनी ने इंस्टाग्राम पर फिल्म के शानदार सीन्स और डायलॉग्स का एक वीडियो शेयर कर कैप्शन में लिखा, आज 'घायल' के 35 साल पूरे हो चुके हैं। लेकिन, लगता है कि जैसे हमने 'अजय मेहरा' की कहानी और किरदार को कल ही गढ़ा हो। अजय का साहस, उसकी दृढ़ता और न्याय की भावना आज भी दर्शकों के दिलों में है। यह मेरे लिए सिर्फ एक रोल नहीं, बल्कि दिल का एक टुकड़ा है। इसने मुझे चुनौती दी, प्रेरित किया और कहानी की ताकत से रूबरू कराया। घायल मेरे लिए बेहद खास फिल्म है। सनी देओल की पोस्ट पर फैंस ने कमेंट्स कर उन्हें जमकर सराहा। 'घायल' राजकुमार संतोषी की पहली निर्देशित फिल्म थी। वहीं, फिल्म का निर्माण धर्मेंद्र ने किया था। इस फिल्म में सनी देओल के साथ मीनाक्षी शेषाद्रि, राज बब्बर और अमरीश पुरी मुख्य भूमिकाओं में हैं।

सनी देओल और मीनाक्षी शेषाद्रि के साथ अभिनेत्री मौसमी चटर्जी, अन्नू कपूर, ओम पुरी, शरत सक्सेना और सुदेश बेरी जैसे कलाकारों ने भी इसमें अहम किरदार निभाए। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सुपरहिट रही और 1990 की दूसरी सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बनी थी। वर्कफ्रंट की बात करें तो सनी देओल अपनी अपकमिंग फिल्म 'बॉर्डर 2' की शूटिंग में व्यस्त हैं, जिसमें अभिनेता वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी भी हैं। अनुराग सिंह के निर्देशन में बन रही वॉर ड्रामा 2026 में 23 जनवरी को रिलीज होगी।

# शिवजी की कृपा से वृषभ सहित अन्य राशियां बनेंगी भाग्यशाली

आज यानी 23 जून सोमवार है और आज चंद्रमा का संचार दिन रात अपनी उच्च राशि वृषभ में होने वाला है। इसके साथ ही आज सोमवार होने की वजह से ग्रहों में दिनभर चंद्रमा का ही प्रभाव रहने वाला है। अपनी उच्च राशि में विचरण करते हुए चंद्रमा के आगे और पीछे दोनों भाव में शुभ ग्रह विराजमान रहेंगे जिससे आज उभयचरी योग का अनुपम संयोग बनने वाला है। इसके साथ ही आज कृतिका नक्षत्र में धृतिमान योग का भी शुभ संयोग बनेगा। और तो और आज सोमवार होने की वजह से दिन के देवता भोलेनाथ होंगे। इसके साथ ही आज की तिथि भी शिवजी को ही समर्पित होगी जिससे आज के दिन का महत्व और भी बढ़ जाएगा। वैदिक पंचांग के अनुसार आज आषाढ़ मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि का संयोग रहेगा। आज सोमवार होने से सोम प्रदोष व्रत रखा जाएगा और आज मासिक शिवरात्रि का संयोग भी रहेगा। ऐसे में आज का दिन उभयचरी योग और शिवजी की कृपा से वृषभ सहित 5 राशियों के लिए सौभाग्यशाली रहेगा। इन राशियों की मनोकामनाएं पूरी होंगी और इनके परिवार में सुख शांति रहेगी।

**वृषभ राशि –** वृषभ राशि के जातकों के लिए आज सोमवार का दिन भोलेनाथ की कृपा से भाग्यशाली रहने वाला है। आज आपको कार्यों में किस्मत का साथ मिलेगा जिससे आपके अटके हुए काम पूरे होते चले जाएंगे। इसके साथ ही आज आपके आत्मविश्वास में भी बढ़ोतरी होगी। आप कार्यक्षेत्र में अपने पद और कद से कहीं बेहतर परिणाम देंगे जिससे आपको प्रशंसा का पात्र होंगे। इसके लिए आपको सम्मानित किया जा सकता है। राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्रों से जुडे.हुए जातकों के लिए आज का दिन पद और प्रतिष्ठा में इजाफा देने वाला है। आप जिंदगी का भरपूर आनंद लेंगे। परिवार या करीबी मित्रों के साथ बाहर घूमने के लिए जा सकते हैं। इसके साथ ही आप भावनाओं से ज्यादा व्यावहारिकता को ध्यान में रखते हुए फैसले लेंगे जिससे आपके सफल होने के आसार अधिक रहेंगे। परिवार में सुख शांति रहेगी। जीवनसाथी के साथ तालमेल बना रहेगा।

**उपाय : आज शिवलिंग पर दूध मिश्रित जल चढ़ाएं और शिवजी को मालपुए का प्रसाद अर्पित करें। माता पार्वती को लाल चुनरी चढ़ाएं। इससे आपके घर में सुख चैन बना रहेगा।**

**कर्क राशि –** आज सोमवार को कर्क राशि के जातक सफलता की सीढ़ियां चढ़ते चले जाएंगे। आज आपकी मेहनत रंग लाएगी और ईमानदारी से किए गए प्रयास अतिरिक्त लाभ देकर जाएंगे। आपकी आय में बढ़ोतरी होगी। अगर कोई सरकारी काम अटक रहा था तो आज के दिन वह रफ्तार पकड़ सकता है। इसके साथ ही अगर आप सरकारी प्रोजेक्ट हासिल करने के लिए प्रयास कर रहे थे तो आज आपको कोई टेंडर आदि मिल सकता है। शासन और प्रशासन से जुड़े लोगों के लिए आज का दिन विशेष रूप से लाभदायक रहने वाला है। सेना, पुलिस, सुरक्षा संबंधी कार्यों में जुटे जातक आज मनचाही सफलता पा सकते हैं। उच्च अधिकारियों के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। आप कोई उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। कारोबार में किसी प्रभावशाली व्यक्ति की मदद से आपको धन लाभ हो सकता है। परिवार में सुख चैन बना रहेगा। जीवनसाथी के साथ संबंध प्रगाढ़ रहेंगे।

**उपाय : आज रुद्राक्ष की माला से 108 बार ऊं नमः शिवाय मंत्र का जप करें और शिव चालीसा का पाठ करें। इससे आपकी मनोकामनाएं पूरी होंगी।**

**कन्या राशि–** कन्या राशि के जातकों के लिए आज सोमवार का दिन उम्मीद से बेहतर रहने वाला है। आज आपके अटके हुए काम बनेंगे। अगर कहीं आपका धन अटका हुआ था तो वह अप्रत्याशित रूप से वापस मिल सकता है। किसी को लंबे समय से धन उधार दिया था तो उसके मिलने के चांस अधिक हैं। आज आप सुख सुविधाओं पर खर्च करने से परहेज नहीं करेंगे, इसके साथ ही आप आज अतिरिक्त स्रोत से लाभ अर्जित कर सकते हैं, जिससे आप आर्थिक रूप से संबल रहेंगे। कारोबार में आज लंबी दूरी की यात्रा पर जाने का मौका मिल सकता है। यात्रा के दौरान आपको उच्च अधिकारियों से मिलने का अवसर मिलेगा, यात्रा आपके लिए लाभदायक रहने वाली है। परिवार में आज आपको पैतृक संपत्ति का लाभ मिल सकता है। पिता का सहयोग मिलेगा जिससे आपका आत्मबल बढ़ेगा। जीवनसाथी के साथ आपके संबंध मधुर रहेंगे। परिवार में आज धार्मिक माहौल रहेगा। पूजा पाठ आदि करवा सकते हैं।

**उपाय : शिवलिंग पर सफेद चंदन से ऊं लिखें और कम से कम 21 बेल पत्र चढ़ाएं। इससे आपको शिवजी का विशेष रूप से आशीर्वाद प्राप्त होगा।**

**वृश्चिक राशि –** वृश्चिक राशि के जातकों के लिए आज सोमवार का दिन शुभ और लाभ दिलाने वाला रहेगा। आज आपको पार्टनरशिप में फायदा होगा। साझेदारी में किए गए काम आपको अतिरिक्त लाभ देकर जा सकते हैं। अगर आज आप कहीं अटकें तो किसी करीबी की मदद ले सकते हैं इससे आपके काम फिर से रफ्तार पकड़ सकते हैं। आज आपको परिवार, कारोबार और नौकरी में अपेक्षित सहयोग मिलेगा। अगर नया काम शुरू करने की सोच रहे हैं तो पार्टनरशिप में काम शुरू कर सकते हैं। इसके साथ ही आज आपको दोस्तों की मदद से कहीं से लाभ का सौदा हासिल हो सकता है। वैवाहिक जीवन अनुकूल रहेगा। जीवनसाथी आपके दिल की बात बिना कहे ही समझ लेगा। प्रेम संबंधों में आज प्यार और दुलार दोनों रहेगा। आपको लव पार्टनर से सरप्राइज मिल सकता है जिससे आपकी खुशी का ठिकाना ही नहीं रहेगा।

**उपाय : आज शिवजी को प्रसन्न करने के लिए 108 बार महामृत्युंजय मंत्र का जप करें। इसके साथ ही जरूरतमंदों को चावल का दान करें।**

**मकर राशि–** मकर राशि वालों के लिए आज सोमवार का दिन मनोकामनाएं पूरी करने वाला रहेगा। आज आपकी कोई पुरानी इच्छा पूरी हो सकती है जिससे आपका मन प्रसन्न होगा। इसके साथ ही आज आपको बच्चों की तरफ से कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है। बच्चों की कोई उपलब्धि आपको गौरवान्वित कर सकती है। किसी काम को आप लंबे समय से पूरा करने के लिए प्रयासरत थे तो आज वह पूरा हो सकता है। इसके साथ ही पूर्व में किया गया निवेश आपको अतिरिक्त फायदा देकर जा सकता है। विद्यार्थी वर्ग के लिए आज का दिन उम्मीद की किरण देकर जा सकता है। कारोबार में आज आपकी क्रिएटिव सोच आपको अपने प्रतिद्वंद्वियों से आगे रखेगी। इसके साथ ही आज आपको परिवार का भरपूर सहयोग मिलेगा। खासकर माता पिता की मदद से आप अपने घरेलू चिंताओं से दूर रहेंगे।

**उपाय : आज शिवलिंग पर दूध, दही, घी, शहद और गंगाजल अर्पित करें। इसके साथ ही शिव–पार्वती के सामने घी का दीया जलाएं और उन्हें सूखा नारियल चढ़ाएं। इससे आपको शिवजी की कृपा मिलेगी।**

## भवन निर्माण करने से पहले भूमि की चारों दिशाओं को चिह्नित करना आवश्यक

गृह निर्माण से पूर्व भूमि की दिशा, दोषों की शुद्धि, सही खुदाई क्रम और वास्तु अनुसार पूजन बेहद ज़रूरी हैं, अन्यथा निर्माण में बाधाएं, आर्थिक तंगी और असफलता निश्चित है। गृह निर्माण कार्य कोई साधारण प्रक्रिया नहीं, बल्कि यह एक शुभ, सूक्ष्म और वैज्ञानिक दृष्टिकोण से संचालित की जाने वाली क्रिया है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, जब भी भवन, घर या किसी भी प्रकार की संरचना का निर्माण किया जाना हो तो सबसे पहले भूमि की चारों दिशाओं को चिह्नित करना आवश्यक होता है। इसके बाद नींव की खुदाई करने से पहले यह निर्धारित किया जाना चाहिए कि किस दिशा से खुदाई आरंभ होगी।

वास्तु नियमों के अनुसार, नींव की खुदाई का शुभारंभ आग्नेय कोण यानी दक्षिण पूर्व कोने से करना चाहिए, इसके बाद क्रमशः नैऋत्य कोण यानी दक्षिण पश्चिम कोने, वायव्य कोण यानी उत्तर पश्चिम कोने और अंत में ईशान कोण यानी उत्तर–पूर्व कोने में खुदाई होनी चाहिए। विशेष ध्यान देने योग्य बात यह है कि नैऋत्य कोण यानी दक्षिण–पश्चिम कोने से कभी भी खुदाई की शुरुआत नहीं करनी चाहिए, क्योंकि इससे निर्माण कार्य में लगातार बाधाएं उत्पन्न होती हैं। ऐसा देखा गया है कि यदि खुदाई की शुरुआत नैऋत्य कोण से की जाए, तो अनेक प्रकार की समस्याएं आने लगती हैं, जैसे कि मजदूर समय पर नहीं आते, कार्य में दुर्घटनाएं होती हैं, सामग्री समय पर नहीं पहुंचती या कार्य लटक जाता है।

भूमि खरीदने के बाद निर्माण आरंभ करने से पहले, उसे वास्तु के नियमों के अनुसार दोषमुक्त करना भी अति आवश्यक है। भूमि पर फैले अनावश्यक पत्थर, मलबा, गड्ढे, कंटीले पौधे और विशेष रूप से बबूल जैसे वृक्षों को हटाना चाहिए। बबूल के पेड़ विशेष रूप से वास्तु के लिए अशुभ माने गए हैं और इनके रहते हुए निर्माण कार्य में बाधाएं, आर्थिक नुकसान और मानसिक तनाव बना रहता है।

भूमि के ईशान कोण यानी उत्तर पूर्व कोने या आग्नेय कोण यानी दक्षिण पूर्व कोने में यदि मलबे का ढेर है, तो उसे बिना हटाए निर्माण कार्य शुरू करना आर्थिक तंगी का कारण बन सकता है। इसी प्रकार यदि भूमि के मध्य भाग या नैऋत्य कोण में गड्ढा हो और उसे भरे बिना निर्माण कार्य आरंभ किया जाए, तो निर्माण आदि कार्य में गलतियां होती रहती हैं, जिससे धन की हानि होती है और कार्य रुक–रुक कर चलता है।

इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए, गृह निर्माण कार्य आरंभ करने से पहले भूमि पूजन करना अत्यंत आवश्यक माना गया है। अपनी जन्म कुण्डली के अनुसार भूमि पूजन का शुभ मुहूर्त का चयन कर विधिवत भूमि पूजन करना चाहिए ताकि निर्माण कार्य न केवल बाधा रहित हो, बल्कि उसमें समृद्धि और शुभ फल की भी प्राप्ति हो।

## कड़ी मेहनत के बाद भी धन नहीं बढ़ता हो तो करें वास्तु के इस नियम का पालन

वास्तु शास्त्र में धन के स्थान के बारे में वास्तुविदों में अलग–अलग मत है। कुबेर धन के स्वामी है, वास्तुविद्या में कुबेर का स्थान उत्तर दिशा को माना गया है। अनेक वास्तुविदों का मत है कि धन, तिजोरी रखने का यही सर्वाधिक उपयुक्त स्थान है। अन्य कुछ वास्तुशास्त्रियों के अनुसार उत्तरी भाग में वजनी वस्तुएं नहीं रखी जानी चाहिए, इसलिए यहां तिजोरी रखना उचित नहीं है, उनके अनुसार तिजोरी या आलमारी का स्थान दक्षिण–पश्चिम कोना यानि नैऋत्य कोण है। कभी–कभी वास्तुशास्त्र की प्रारम्भिक पुस्तक पड़ने वाला व्यक्ति असमंजस में पड़ जाता है कि इन दोनों मतों में से व्यक्ति किसे मानें। ज्ञानियों का कहना है कि अलग–अलग मत होने पर मध्यमार्ग अपनाना ही तर्कसंगत रहता है। जब तक धन हमारे घर में नहीं आ जाता तब तक हमारा उस पर पूर्ण अधिकार नहीं होता। वह अनेक मदों पर खर्च हो सकता है अथवा खो सकता है या चोरी भी हो सकती है, कमाया हुआ धन घर में आने के पश्चात ही हमारी संपत्ति बनता है। कमाने वाली जगह यानी कार्यालय अथवा दुकान में धन का रखा होना तथा सभी खर्चों को काटने के बाद शुद्ध धन घर पर लाकर रखने के कारण धन रखने की दो जगह हो जाती हैं। पहला जहां से धन को कमाया जाता है, जैसे दुकान या कार्यालय। दूसरा, जहां धन को रखा जाता है, जैसे घर।

दुकान या कार्यालय में धन रहते समय वह लेन–देन आदि में खर्च होता रहता है क्योंकि वहां आय के साथ–साथ व्यय भी होता है। इसलिए वहां धन पर व्यक्ति का पूर्ण अधिकार नहीं होता, वहां यह तय नहीं हो पाता कि जितना धन व्यक्ति ने कमाया है, उसमें से कितना शुद्ध धन उसका मुनाफा है, क्योंकि बाकी खर्चे शेष रहते हैं। जब सभी खर्च के बाद वह धन व्यक्ति के घर में आता है, तभी उस पर उस व्यक्ति का पूर्ण अधिकार रहता है। क्या है मध्यमार्ग धन की ऊपर बताई गई दो स्थितियों को देखते हुए धन को रखने के स्थानों में भी अंतर माना गया है, यही इस विषय का मध्यमार्ग है। दुकान या कार्यालय, जहां हम धन का अर्जन करते हैं, वहां उसकी आय में वृद्धि और व्यय होता रहता है। दुकान या कार्यालय में तिजोरी का स्थान कुबेर स्थान अर्थात उत्तर होना चाहिए। घर में धन रखते समय हम दूसरे सिद्धांत का पालन करते हुए उसे दक्षिण–पश्चिमी कोण यानि नैऋत्य कोण में स्थापित तिजोरी या अलमारी में रखना चाहिए। इस प्रकार वास्तुशास्त्रियों के विभिन्न मत हैं।

## मंदिर में बिना बताए ये दो पौधे लगाने से घर में माता लक्ष्मी का होगा वास!

हिंदू धर्म में हर जीव को आदर और सम्मान दिया गया है, चाहे वह पेड़ पौधे हो या जीव जंतु। इन सभी का मानव जीवन से जुड़ाव हिन्दू धर्म के शास्त्रों और पुराणों में वर्णित है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कई पेड़ों को अति शुभ माना जाता है, तथा इनमें देवताओं के वास होने की बात कही जाती है। ऐसे में पेड़ों से जुड़े कई उपायों के बारे में शास्त्र और पुराण बातें करते हैं।

पेड़ पौधों की पूजा से लेकर उनकी सेवा और इन्हें रोपने तक, सभी से प्राप्त होने वाले पुण्य फलों का जिक्र पौराणिक कथाओं और शास्त्रों में मिलता है। इससे जुड़े कई उपाय भी हैं जो हमें लाभ पहुंचाते हैं। आज हम आपको जिस उपाय के बारे में बता रहे हैं, उसे करके आप कुछ ही दिनों में धनवान हो जाएंगे। आपके घर में माता लक्ष्मी का वास होगा और विष्णु भगवान आप पर कृपा बनाकर रखेंगे।

**धन प्राप्ति का गुप्त उपाय**

आपको किसी भी मंदिर में शुक्ल पक्ष के समय तुलसी, केला या फिर शमी का पौधा रोपना है। यह कार्य आप सूर्य उदय से थोड़ा पहले करेंगे तो अत्यंत लाभकारी होगा। ध्यान रहे, इस विषय में किसी से चर्चा ना करें, चुपचाप जाकर एक पौधे का रोपण कर दें।

अगर हो सके तो कभी कभी उसमें जाकर जल अर्पण करें। आप प्रतिदिन ऐसा कर पाए तो यह बहुत ही अच्छा होगा। ऐसा करने से आपके घर में धन की बरसात होगी और विष्णु जी की कृपा हमेशा आपके ऊपर बनी रहेगी।

# आज सर्वार्थ सिद्धि योग में शिव कृपा से धनवान बनेंगी निम्न राशियां

आज सर्वार्थ सिद्धि योग के शुभ प्रभाव और भगवान शिव के आशीर्वाद से वृषभ और सिंह सहित अन्य राशियों के लिए उन्नति के योग बने हैं। आपको धन संबंधी मामलों में लाभ होगा और कारोबार में बड़ी सफलता प्राप्त होने के योग बने हैं। आपका दिन सफलता से भरा होगा और कारोबार में अचानक से बड़ी मात्रा में मुनाफा होने से दिन खुशनुमा बीतेगा और परिवार के लोगों के साथ अपनी खुशी मनाएंगे।

**मेष राशि: सम्मान से भरा होगा**

मेष राशि वालों दिन लाभ और सम्मान से भरा होगा। मानसिक संबल मिलेगा। कार्यक्षेत्र में आप अपने धैर्य और कूटनीति से विपरीत परिस्थितियों पर काबू पाएंगे। मंगल कुछ व्यर्थ के विवाद और खर्च का कारण बन सकता है, विशेषकर कानूनी या पारिवारिक मामलों में। संतान से जुड़ी समस्याएं थोड़ी चिंता में डाल सकती हैं। धन की दृष्टि से दोपहर बाद कोई पुराना रुका हुआ भुगतान मिल सकता है। बिजनस में अटकी डील आगे बढ़ेगी। शेयर बाजार या किसी प्रकार के सट्टे से फिलहाल दूर रहें।

**वृषभ राशि : भाग्य साथ दे रहा है**

वृषभ राशि के लोगों का भाग्य साथ दे रहा है। राजनीतिक या प्रशासनिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को पद या प्रतिष्ठा में वृद्धि के संकेत मिल सकते हैं। धन की आवक सामान्य रहेगी, लेकिन नए अनुबंधों या व्यवसायिक सौदों के कारण लंबी अवधि में बड़ा लाभ संभावित है। दोपहर बाद कुछ अप्रत्याशित खर्च आ सकते हैं, विशेषकर वाहन या परिवार से जुड़े खर्च। निवेश करने से पहले नियम व शर्तों को गहराई से समझें। संतान पक्ष से थोड़ी राहत मिलने की संभावना है, जिससे मानसिक सुकून मिलेगा।

**मिथुन राशि : धन प्राप्ति के द्वार खुलेंगे**

मिथुन राशि के लोगों का दिन परेशानियों और चिंताओं वाला रहेगा। बुध की व्यग्रता के कारण आर्थिक निर्णयों में जल्दबाजी न करें। किसी मूल्यवान वस्तु के खोने या चोरी होने की संभावना बन रही है, अतः सतर्क रहें। संतान की शिक्षा या प्रतियोगिता से जुड़ी सफलता प्रसन्नता दे सकती है। दोपहर बाद किसी लंबित सरकारी या कानूनी कार्य में सफलता मिल सकती है, जिससे धन प्राप्ति के द्वार खुलेंगे। कोई नया प्रॉजेक्ट हाथ लग सकता है, जो भविष्य में लाभकारी होगा।

**कर्क राशि : निवेश के लिए दिन अनुकूल है**

कर्क राशि वालों को लाभ होगा। धन और संपत्ति के क्षेत्र में शुभ संकेत दे रहा है। आजीविका के क्षेत्र में नई दिशा मिल सकती है। व्यवसायी वर्ग को कोई बड़ा ऑर्डर मिल सकता है, जबकि नौकरीपेशा जातकों को प्रमोशन या प्रशंसा का लाभ मिल सकता है। निवेश के लिए दिन अनुकूल है, विशेषकर कृषि या भूमि संबंधित क्षेत्रों में। प्रियजनों से मेल–मुलाकात के चलते मन प्रसन्न रहेगा। यात्रा लाभकारी सिद्ध हो सकती है।

**सिंह राशि : आमदनी के नए स्रोत बनेंगे**

सिंह राशि वालों को लाभ होगा। आमदनी के नए स्रोत बनेंगे, विशेषकर डिजिटल या ऑनलाइन माध्यम से कार्य कर रहे लोगों को धन लाभ होगा। प्रतियोगी परीक्षाओं या उच्च शिक्षा में सफलता मिल सकती है। अधिक परिश्रम और नेत्र विकार का संकेत दे रही है, स्वास्थ्य पर ध्यान दें। आर्थिक दृष्टि से बड़े लेन–देन को टालें। व्यापार में लाभ के लिए अपने संचार कौशल का उपयोग करें। पार्टनरशिप में पारदर्शिता बनाए रखें। आपके सम्मान में वृद्धि के योग हैं।

कन्या राशि : खर्च शुभ कार्यों पर होगा

कन्या राशि वालों का दिन करियर और व्यवसाय में विशेष सफलता का संकेत दे रहा है। बौद्धिक कार्यों से धन की प्राप्ति होगी। आपकी किसी पुरानी स्किल या ज्ञान का अब आर्थिक रूप से लाभ मिल सकता है। कोर्ट केस या टैक्स से संबंधित कोई मामला आपके पक्ष में सुलझेगा। भूमि या वाहन खरीदने का विचार भी प्रबल हो सकता है। खर्च शुभ कार्यों पर होगा, जिससे कीर्ति भी बढ़ेगी। आपको अपने क्षेत्र में उन्नति प्राप्त होगी।

**तुला राशि : संचित धन में वृद्धि के संकेत हैं**

तुला राशि वालों के लिए दिन आर्थिक रूप से अच्छा रहेगा। संचित धन में वृद्धि के संकेत हैं। पारिवारिक समस्याओं का समाधान होगा जिससे मानसिक शांति मिलेगी। पुराने कर्ज या लोन का कुछ हिस्सा चुकता कर पाएंगे। यदि किसी संपत्ति विवाद में फंसे हैं तो राहत मिल सकती है। व्यापार में नई योजनाओं का आरंभ लाभकारी होगा। शेयर या ट्रेडिंग से जुड़ा निवेश फिलहाल टालें। प्रेम संबंधों में भी खर्च हो सकता है। आपको पार्टनर से सहयोग प्राप्त होगा।

**वृश्चिक राशि : भाग्य साथ दे रहा है**

वृश्चिक राशि वालों का भाग्य साथ दे रहा है और आपके लिए त्रिग्रही योग के कारण अनावश्यक यात्राएं या खर्चे से बचना बुद्धिमानी होगी। हालांकि कुछ पुराने निवेश से छोटा लाभ संभव है। व्यवसाय से जुड़े लोग रिटेल सेगमेंट में ध्यान दें, छोटी डील्स बड़े लाभ में बदल सकती हैं। मेडिकल खर्च या दवा पर धन खर्च होगा। संतान के साथ किसी महत्वपूर्ण निवेश पर विचार किया जा सकता है।

**धनु राशि : आर्थिक लेनदेन में सावधानी रखें**

धनु राशि वालों को भाग्य का साथ मिल रहा है। विरोधियों के बावजूद आज आपको अप्रत्याशित रूप से किसी योजना में सफलता और आर्थिक लाभ मिलेगा। शासन सत्ता से निकटता के कारण कुछ रुके काम बन सकते हैं। पारिवारिक या ससुराल पक्ष से भी धन प्राप्त हो सकता है। दोपहर बाद कुछ आर्थिक लेनदेन में सावधानी रखें, विशेषकर किसी रिश्तेदार से उधारी संबंधी बातों में। सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों से नई पहचान और व्यावसायिक अवसर मिल सकते हैं।

**मकर राशि : आर्थिक दृष्टि से दिन उत्तम रहेगा**

मकर राशि वालों के लिए आर्थिक दृष्टि से दिन उत्तम रहेगा। नौकरी में स्थायित्व और व्यापार में वृद्धि के संकेत हैं। किसी पुराने क्लाइंट से दोबारा संपर्क होगा जो आर्थिक रूप से लाभदायक रहेगा। संतान की शिक्षा, वाहन या संपत्ति से जुड़े खर्चों में वृद्धि संभव है, लेकिन ये खर्च भविष्य के लिए फायदेमंद साबित होंगे। अधीनस्थों का सहयोग आपको समय बचाने और कार्यों को सुगम बनाने में मदद करेगा। शेयर बाजार से लाभ हो सकता है, लेकिन सीमित निवेश करें।

**कुंभ राशि : पुराना लेन–देन उभर सकता है**

कुंभ राशि वालों के लिए खर्चों में अचानक बढ़ोतरी हो सकती है, विशेषकर घरेलू वस्त्र, इलेक्ट्रॉनिक्स या वाहन से जुड़ी मरम्मत पर। कोई पुराना लेन–देन उभर सकता है। स्वास्थ्य से जुड़ा खर्च भी हो सकता है। किसी नए व्यवसाय या इनवेस्टमेंट में उतरने से पहले सलाह लें। करियर में परिवर्तन के संकेत हैं, जो शुरू में अस्थिरता देंगे लेकिन लंबे समय में लाभदायक होंगे। क्रेडिट कार्ड या उधारी से दूर रहें। आपके लिए तरक्की के योग बने हैं और परिवार के लोगों से हर प्रकार का सहयोग मिलेगा।

**मीन राशि : युवाओं को नए अवसर मिलेंगे**

मीन राशि का दिन आर्थिक दृष्टि से मिला–जुला रहेगा। यदि आप बिजनस में हैं, तो कोई पुराना ग्राहक फिर से आ सकता है। करियर की शुरुआत कर रहे युवाओं को नए अवसर मिलेंगे। सरकारी योजनाओं से लाभ मिलेगा। धार्मिक कार्यों में खर्च बढ़ेगा, पर यह संतोष भी देगा। यात्रा में धन की हानि या कोई सामान खोने की संभावना है, सतर्क रहें। यदि आज निवेश करना चाहें तो रियल एस्टेट या म्यूचुअल फंड उचित रहेंगे।

संपादकीय

# अमेरिका-पाकिस्तान की नजदीकी पर सवाल

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और पाकिस्तान के सेनाध्यक्ष जनरल आसिम मुनीर की मुलाकात को कई तरह से देखा जा रहा है। विपक्षी दल, विशेषकर कांग्रेस इसे भारत की कूटनीतिक असफलता के तौर पर प्रचारित करने की कोशिश कर रही है। राष्ट्रीय मुद्दों पर जिस प्रकार से कांग्रेस भारत को कमतर दिखाने की कोशिश कर रही है, यह सब एक राष्ट्रीय राजनीतिक दल से अपेक्षित नहीं है। अगर कांग्रेस के तर्क को मान लिया जाए तब क्या कांग्रेस यह स्वीकार करेगी कि पंडित जवाहरलाल नेहरू से लेकर श्रीमती इंदिरा गांधी तक की विदेश नीति असफल रही थी। क्योंकि पाकिस्तान को जितना अधिक महत्व कांग्रेस के दौर में अमेरिका ने दिया है, उतना तो कभी नहीं दिया है। स्मरण करें कि 1958 में जनरल अयूब खान के समय में अमेरिका और पाकिस्तान एक-दूसरे के नजदीक आ गए थे। 1980-88 में अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने तत्कालीन पाकिस्तानी तानाशाह जनरल जियाउल हक को गले लगाया था। फिर राष्ट्रपति जार्ज डब्ल्यू बुश ने भी जनरल परवेज मुशर्रफ के साथ संबंध बढ़ाए।

> राष्ट्रीय मुद्दों पर जिस प्रकार से कांग्रेस भारत को कमतर दिखाने की कोशिश कर रही है, यह सब एक राष्ट्रीय राजनीतिक दल से अपेक्षित नहीं है। अगर कांग्रेस के तर्क को मान लिया जाए तब क्या कांग्रेस यह स्वीकार करेगी कि पंडित जवाहरलाल नेहरू से लेकर श्रीमती इंदिरा गांधी तक की विदेश नीति असफल रही थी। क्योंकि पाकिस्तान को जितना अधिक महत्व कांग्रेस के दौर में अमेरिका ने दिया है, उतना तो कभी नहीं दिया है। स्मरण करें कि 1958 में जनरल अयूब खान के समय में अमेरिका और पाकिस्तान एक-दूसरे के नजदीक आ गए थे। 1980-88 में अमेरिकी राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने तत्कालीन पाकिस्तानी तानाशाह जनरल जियाउल हक को गले लगाया था। फिर राष्ट्रपति जार्ज डब्ल्यू बुश ने भी जनरल परवेज मुशर्रफ के साथ संबंध बढ़ाए।

अब डोनाल्ड ट्रंप के मन में अचानक से जिहादी मानसिकता के पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष आसिम मुनीर के प्रति प्यार उमड़ आया है। वैश्विक पटल पर सभी देश अपनी सुविधा एवं लाभ की दृष्टि से आपसी संबंधों को आकार देने का प्रयास करते हैं। वही कार्य अमेरिका ने करने की कोशिश की है। क्योंकि इस समय अमेरिका की नजर पाकिस्तान की जमीन पर है, जिसका उपयोग वह इजराइल-ईरान युद्ध में आवश्यकता पड़ने पर कर सकता है। कहना होगा कि पाकिस्तान के प्रति अमेरिका का यह प्रेम निःस्वार्थ नहीं है अपितु इसके पीछे अमेरिका के अपने स्वार्थ हैं। अमेरिका ने प्रारंभ से पाकिस्तान का उपयोग अपने हितों को साधने के लिए किया है। कुछ डॉलर की सहायता देकर पाकिस्तान को एक प्रकार से अमेरिका किराए पर ले लेता है। अफगानिस्तान में तालिबान के विरुद्ध अपनी कार्यवाई में अमेरिका ने यही किया था। यही कारण है कि आज तालिबान और अफगानिस्तान के आम नागरिक भी पाकिस्तान से नफरत करते हैं। ट्रंप के साथ मुनीर के खाना खाने पर सवाल तो अमेरिका में उठने चाहिए। एक ओर पाकिस्तान में ईरान के समर्थन में और इजराइल के खिलाफ प्रदर्शन हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर मुनीर ईरान के खिलाफ अपनी जमीन के उपयोग का सौदा अमेरिका के साथ कर रहे हैं। एक और बात इससे साफ होती है कि पाकिस्तान में मुनीर ही 'सुपर बॉस' हैं, प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ तो केवल दिखाने के हैं। मुनीर को लेकर जनता में आक्रोश है। यह पहले सेनाध्यक्ष होंगे, जिनका अमेरिका में जमकर विरोध हुआ है। पाकिस्तान के नागरिकों ने अमेरिका में जगह-जगह मुनीर को 'लोकतंत्र का कातिल' बताते हुए प्रदर्शन किए हैं। सवाल अमेरिका पर भी उठ रहा है कि वह जेहादी मानसिकता के सेनाध्यक्ष को गले लगाएगा, तब आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई के उसके दावे खोखले ही नजर आएंगे। अमेरिका का हित साधने के चक्कर में ट्रंप आग से खेल रहे हैं। यह भी देखना होगा कि पाकिस्तान जब अमेरिका की गोद में बैठेगा तब क्या वह चीन की गोदी छोड़ देगा या चीन ही उसे दुत्कारेगा? बहरहाल, इस घटनाक्रम के बाद बन रहे वातावरण पर भारत को बारीक नजर रखनी होगी।

## इजराइल के नामोनिशान मिटाने की बार-बार घोषणा की और ईरान को एक महत्वपूर्ण लक्ष्य भी बना दिया

# यह युद्ध किधर जा रहा है

अवधेश कुमार

> ईरान इराक युद्ध के परिणाम देखा जाए तो कुछ नहीं आए किंतु इजरायल ईरान युद्ध के परिणाम केवल अरब या खाड़ी क्षेत्र में ही नहीं पूरे विश्व में बड़े वैचारिक, रणनीतिक, राजनीतिक बदलाव के कारण बन सकेंगे। इस समय युद्ध से परस्पर विरोधी रिपोर्ट हमारे सामने है। युद्ध के दौरान दोनों पक्ष और उनके समर्थक अलग-अलग तरीके से अपने पक्ष की सूचनायें प्रसारित करते हैं और यही हो रहा है। विश्व के एक बड़े वर्ग में सामान्य धारणा है कि इजरायल इतने लंबे समय तक अरब में अपनी सैनिक क्षमता, संकल्प और लड़ने की अंतिम सीमा तक की भावना के साथ टिका हुआ है तथा अनेक बार अरब देशों को झुकाया है, समझौते करने को भी विवश किया है तो ईरान की भी यही दशा होगी।

इजराइल ईरान युद्ध संपूर्ण विश्व को प्रभावित करने वाला है और भारत इसके परिणामों से किसी दृष्टि से अप्रभावित नहीं रह सकता। यह केवल तेल जैसे आर्थिक क्षेत्र में ही नहीं अन्य क्षेत्रों में भी इसके परिणाम दिखाई देंगे। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद ईरान और इराक युद्ध से इस समय भीषण युद्ध खाड़ी के अंदर चल रहा है। ईरान इराक युद्ध के परिणाम देखा जाए तो कुछ नहीं आए किंतु इजरायल ईरान युद्ध के परिणाम केवल अरब या खाड़ी क्षेत्र में ही नहीं पूरे विश्व में बड़े वैचारिक, रणनीतिक , राजनीतिक बदलाव के कारण बन सकेंगे। इस समय युद्ध से परस्पर विरोधी रिपोर्ट हमारे सामने है। युद्ध के दौरान दोनों पक्ष और उनके समर्थक अलग-अलग तरीके से अपने पक्ष की सूचनायें प्रसारित करते हैं और यही हो रहा है। विश्व के एक बड़े वर्ग में सामान्य धारणा है कि इजरायल इतने लंबे समय तक अरब में अपनी सैनिक क्षमता, संकल्प और लड़ने की अंतिम सीमा तक की भावना के साथ टिका हुआ है तथा अनेक बार अरब देशों को झुकाया है, समझौते करने को भी विवश किया है तो ईरान की भी यही दशा होगी। दूसरी ओर पूरे मुस्लिम जगत का एक बहुत बड़ा वर्ग मान रहा है कि अयातुल्लाह खामेनेई के नेतृत्व में इस्लामी क्रांति के पीछे जो दृश्य अदृश्य शक्तियां हैं वो ईरान को कभी पराजित नहीं होने देंगी। ईरान के हमले से तेल अबीब सहित कई जगह कुछ विध्वंस देखे गए। सर्वाधिक सुरक्षित हाइफा बंदरगाह के भी क्षति पहुंचाने के समाचार आए। यह भी सूचना हमारे बीच है कि इजरायल के मिसाइल को कई जगह ईरान ने रोकने में सफलता पाई तथा उसके मिसाइलों ने इजरायल की मिसाइल रक्षा प्रणाली तक को भी कई बार भेदा है। तो फिर इस युद्ध का सच क्या है और इसके परिणाम क्या हो सकते हैं? भूगोल आबादी और संसाधन की दृष्टि से देखें तो ईरान का क्षेत्रफल इजरायल से 10 गुना ज्यादा तथा आबादी इससे भी ज्यादा है। दोनों के सुरक्षा बलों की संख्या में भी कोई तुलना नहीं है। कहां 90 लाख का देश और कहां 10 करोड़ की आबादी। उस आबादी में भी एक बड़े वर्ग के अंदर इस्लामी क्रांति के तहत जिहाद और मजहब के विजय की भावना भरी हुई। दूसरी ओर 1979 के बाद चाहे अयातुल्लाह खोमैनी हों या अयातुल्लाह खामेनेई या फिर वहां के निर्वाचित राष्ट्रपति, सबने धरती से इजरायल के नामोनिशान मिटाने की बार-बार घोषणा की और ईरान राष्ट्र का एक महत्वपूर्ण लक्ष्य भी बना दिया। इसके बावजूद आज तक कुछ नहीं कर सके। उल्टे जितने युद्ध अरब में हुए इजरायल सबमें व्यावहारिक रूप से विजेता बनकर उभरा और कैंप डेविड से लेकर अभी तक सारे समझौतों में इजरायल के सामने बहुत कुछ खोने की नौबत नहीं आई। दूसरे, वर्तमान युद्ध में ईरान का सक्रिय साथ देने वाला एक भी देश इस समय नहीं है। जिस चीन, रुस, उत्तर कोरिया या कुछ इस्लामी देशों से उसे उम्मीद थी किसी ने भी इजरायल के विरुद्ध संघर्ष करने की तो छोड़िए, आक्रामक बयान तक नहीं दिया है। एकमात्र पाकिस्तान ने ही मुखर होकर

ईरान का समर्थन किया। पाकिस्तान की हैसियत स्वयं इस्लामी जगत में ही इतनी बड़ी नहीं कि वह अपने साथ किसी देश को युद्ध के लिए खड़ा कर सके। ईरान के लिए यह हतप्रभ करने वाली स्थिति है कि संकट की इस घड़ी में कोई देश उसके साथ सक्रिय रूप से आगे नहीं आया। शांति की बात करने वाले कुछ देश जरूर हैं। कुछ अन्य कारक भी ईरान के विरुद्ध और इजरायल के पक्ष में जाते हैं। इजरायल ने अभी तक ईरान के तीनों सेना प्रमुखों ,अनेक शीर्ष सैन्य अधिकारियों और सबसे एलिट माने जाने वाले इस्लामी क्रांति के बाद उत्पन्न ईरान रिवॉल्यूशनरी गार्ड के प्रमुख को एक ही हमले में समाप्त कर दिया। उसके साथ अनेक शीर्ष परमाणु नाभिकीय वैज्ञानिक भी मौत के घाट उतार दिए गए। उसके इंटेलिजेंस चीफ यानी खुफिया प्रमुख भी मारे जा चुके हैं। स्वयं अयातुल्लाह खामेनेई और उनके बेटे मोजताबा दोनों के बारे में इतनी जानकारी है कि वे कहीं छिपे हुए हैं। ध्यान रखिए , ईरान ने इन पंक्तियों के लिखे जाने तक इजरायल के किसी बड़े सैन्य अधिकारी व नाभिकीय वैज्ञानिक आदि को मारने में सफलता नहीं पाई है। ईरान के मिसाइल इजरायल पर अंधा धुंध हमले कर रहे हैं और उसे ज्यादातर नागरिक स्थल ही ध्वस्त हुए हैं। इस्लामी क्रांति के बाद आयतुल्लाह खोमैनी और खामेनेई ने ईरान को इस्लाम का नेता बनाने के लिए फिलिस्तीन मुद्दे को सबसे आगे किया। उन्होंने जिस तरह के भाषण दिए उससे विश्व भर के मुसलमानों के एक बड़े वर्ग के अंदर फिलिस्तीन की जज्बाती मजहबी समर्थन का भाव भी पैदा हुआ। सीधे संघर्ष की जगह ईरान ने लेबनान में हिजबुल्ला, यमन में हुती विद्रोही पैदा किया तो सुन्नियों के समर्थन के लिए इस्लामिक ब्रदरहुड के भाग के रूप में फिलिस्तीन में हमास। इन्हीं के माध्यम से वह इजरायल को लगातार घाव देता रहा है। इजरायल ने ईरान पर निर्णायक हमले के पूर्व जो कुछ किया वह हमारे सामने है। उसने हिज्बुल्ला को नेस्तनाबूत किया और उसके प्रमुख नसीरूल्लाह सहित सारे शीर्ष कमांडरों को समाप्त कर दिया। लेबनान को इस स्थिति में नहीं छोड़ा कि वह ईरान के साथ खड़ा हो सके। हमास को भी विनाश के कगार पर पहुंचा दिया और उसके प्रमुख इस्माइल हानियां तक को पिछले साल खत्म कर दिया। हूती को अमेरिका के साथ कमजोर किया। हालांकि इस समय हुती लाल सागर में गतिविधियां दिखा रहे हैं लेकिन उन पर भी जबरदस्त मार पड़ रही है। इसके साथ इजरायल धीरे-धीरे ईरान के प्रमुख शीर्ष सैन्य रणनीतिकारों और नाभिकीय वैज्ञानिकों तक को मौत के घाट उतारता रहा। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हाल की पश्चिम एशिया यात्रा के दौरान सीरिया के सत्ता पर काबिज पूर्व आतंकवादी अहमद अल शराब उर्फ अबू मोहम्मद अल जुलानी से हाथ मिलाया तो उसके पीछे भी रणनीति थी कि वह इब्राहिम अकॉर्ड यानी समझौता पर हस्ताक्षर करे जिसमें इसराइल को मान्यता देने की बात है। वे जिन देशों में गए वहां उन्होंने ईरान के विरुद्ध इजरायल के पक्ष में वातावरण बनाया। इसका परिणाम देखिए कि हमास के समर्थक कुछ पत्रकारों को अरब देशों के अंदर ही गिरफ्तार कर सजा दी गई या उन्हें मार डाला गया। इनमें सऊदी अरब भी शामिल है जो कट्टर सुन्नी देश है। आज स्थिति यह है कि मोहम्मद पैगंबर साहब के वंशजों के शासन के अधीन वाला देश जॉर्डन इजरायल के विमान को जाने की अनुमति दे रहा है लेकिन ईरानी मिसाइल को इंटरसेप्ट कर रहा है। दूसरी ओर अमेरिका पूरी तरह इजराइल के साथ खड़ा है और अगर ईरान का पलड़ा कहीं से मजबूत दिखा तो वह कभी भी हस्तक्षेप करेगा। डोनाल्ड ट्रंप ने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से बात की तो उसके पीछे भी निश्चित रूप से उन्हें इस युद्ध से दूर रहने के लिए तैयार करना रहा होगा। भारत की दृष्टि से देखें तो ईरान से हमारे संबंध अच्छे माने जाते हैं। पश्चिम एशिया से तेल आपूर्ति से लेकर अन्य रणनीतिक मामलों में ईरान के समुद्री मार्गों की हमें आवश्यकता है । दूसरी ओर ईरान से संबंधों की सीमाएं रही है। पिछले वर्ष अयातुल्लाह खामेनेई ने भारतीय मुसलमान की फिलिस्तीन से तुलना करते हुए पोस्ट लिखा था। कश्मीर मामले पर उसका बयान भारत विरुद्ध रहा है। पाकिस्तान में उसका लक्ष्य केवल सुन्नी मुसलमानों के शासन को मजबूत नहीं होने देना है अन्यथा उसकी नीति कहीं भी भारत के पक्ष में नहीं है। बलूचिस्तान के एक भाग पर उसका कब्जा है तथा वह भी पाकिस्तान की तरह ही बलूचियों का दमन कर रहा है। ईरान का पूरा इतिहास देखें तो कभी भी कठिन परिस्थिति में वह भारत के समर्थन में खड़ा नहीं हुआ। इसलिए जो लोग भी ईरान को लेकर छाती पीट रहे हैं उन्हें भारत के साथ संबंधों में इजरायल और ईरान के व्यवहार की निष्पक्षता और ईमानदारी से तुलना करनी चाहिए। कोई नहीं कहता कि आयतुल्लाह खामेनेई का ईरान अचानक घुटने टेक देगा। उसके पास मिसाइल, ड्रोन, लड़ाकू विमानों से लेकर बड़े शस्त्रागार हैं । किंतु वह इजरायल या उसके साथ देने वाले अमेरिका के मुख्य सामरिक स्थलों को ध्वस्त कर उन्हें हमला न करने की स्थिति में लाने की क्षमता नहीं दिखा पाया है। तो इस युद्ध के परिणाम ईरान के पक्ष में नहीं जा सकते। इसमें अगर अयातुल्लाह खामेनेई का पतन होता है तो यह 1979 के इस्लाम के नाम तथाकथित क्रांति द्वारा सत्ता कब्जाने तथा उसके बाद पैदा हुए संपूर्ण अरब में कट्टरपंथ के दौर के बाद का एक नया चरण आरंभ होगा। इसका प्रभाव विश्व एवं भारत पर निश्चित रूप से पड़ेगा।

कुछ अलग

# अब यही मेरी दुनिया है

हर स्त्री का मायका उसके जीवन की पहली पाठशाला होता है। वहीं उसने चलना, बोलना, हँसना, डरना और दुनिया को देखना सीखा। पर एक बार विवाह के बाद, वही मायका धीरे-धीरे 'अतीत' बन जाता है। अब वह 'बेटी' नहीं, 'बहू' होती है। उसे मायके जाना 'ज्यादा नहीं शोभा देता'। वहाँ के दुःख में वह 'मेहमान' बन जाती है और अपने ही घर में 'अजनबी'। वह जानती है कि अब वह कभी उस गोद में सिर नहीं रख सकती जिसे कभी माँ की ममता कहा जाता था। अब उसके आँसू पोछने के लिए भाई की बाँह नहीं है। अब वह किसी को नहीं कह सकती कि ₹मैं थक गई हूँ₹, क्योंकि अब उसे ही सबको संभालना है। वह हर रिश्ते को पूरी निष्ठा से निभाती है। चाहे सास का मान हो या पति की सेवा, बच्चों की परवरिश हो या घर की हर छोटी-बड़ी ज़िम्मेदारी—वह सब कुछ करती है। लेकिन इस प्रक्रिया में उसके अपने सपने, इच्छाएँ और भावनाएँ धीरे-धीरे बेमानी हो जाती हैं। रिश्तों में दिलचस्पी की जगह अब ज़रूरतें रह जाती हैं। अब वह बहू है, माँ है, पत्नी है, लेकिन शायद 'बेटी' अब सिर्फ एक स्मृति बन चुकी है। उससे अपेक्षा की जाती है कि वह मुस्कुराती रहे, चाहे भीतर कितनी ही आँधियाँ क्यों न चल रही हों। जब कोई कहता है, ₹बेटी थक गई होगी,₹ तो एक मौन गूंजता है—न कोई आवाज़, न कोई शिकायत। क्योंकि उसे मालूम है कि उसकी थकान का कोई मोल नहीं। वह आँसू भी अपने आँचल से ही पोंछ लेती है और खुद को समझा लेती है, ₹अब यही मेरी दुनिया है।₹ यह चुप्पी हार नहीं है, यह एक हथियार है—संघर्ष का, संयम का, और शायद क्रांति का भी। यह वही चुप्पी है जो स्त्रियों को सहने की नहीं, समझने की शक्ति देती है। यह चुप्पी उन्हें टूटने नहीं देती, बल्कि उनके भीतर एक औरत से 'नायिका' बनने की प्रक्रिया को जन्म देती है। स्त्रियाँ उस घर को 'अपना' मान लेती हैं, जहाँ उन्हें केवल भूमिका निभानी होती है।

देश दुनिया से

# आधी आबादी, अधूरी भागीदारी

21वीं सदी की सबसे बड़ी क्रांतियों में एक है—महिलाओं की भागीदारी का बढ़ना। फिर भी, जब वर्ल्ड इकनॉमिक फोरम ने ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स 2025 जारी किया, तो भारत का 131वां स्थान यह संकेत देता है कि विकास के तमाम दावों के बावजूद महिला सशक्तिकरण केवल नारों में सिमट कर रह गया है। शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में मामूली सुधार हुआ है, पर राजनीतिक प्रतिनिधित्व और आर्थिक भागीदारी में भारत की स्थिति चिंताजनक है। ग्लोबल जेंडर गैप इंडेक्स हर वर्ष वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम द्वारा जारी की जाती है और इसमें चार प्रमुख क्षेत्रों में लैंगिक समानता का मूल्यांकन किया जाता है: आर्थिक भागीदारी और अवसर, शैक्षिक उपलब्धियां, स्वास्थ्य और जीवन प्रत्याशा, और राजनीतिक सशक्तिकरण। 2025 की रिपोर्ट में भारत 146 देशों में 131वें स्थान पर है, जबकि 2024 में यह 129वें स्थान पर था। यानी हम दो पायदान और नीचे गिर गए हैं। शिक्षा के क्षेत्र में भारत ने कुछ उपलब्धियाँ ज़रूर हासिल की हैं। प्राथमिक स्तर पर बालिकाओं का नामांकन दर लगभग समान हो चुका है, किंतु उच्च शिक्षा में भागीदारी अभी भी असमान है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्कूल ड्रॉप-आउट रेट लड़कियों में अधिक है, खासकर किशोरावस्था के बाद। शिक्षा सिर्फ स्कूल जाने तक सीमित नहीं है, वह अवसर, आत्मनिर्भरता और निर्णय लेने की क्षमता भी देती है—जो अभी भी बहुसंख्यक लड़कियों के हिस्से नहीं आई है। आर्थिक भागीदारी के मामले में तस्वीर और भी चिंताजनक है। भारत में महिला श्रम बल भागीदारी दर मात्र 25% के आसपास है, जबकि वैश्विक औसत 47% है। भारत

की बड़ी आबादी होने के बावजूद महिलाओं का सीमित आर्थिक योगदान देश की उत्पादकता और समावेशी विकास को रोकता है। महिलाओं को समान कार्य के लिए समान वेतन नहीं मिलता। वे अनौपचारिक क्षेत्र में काम करती हैं जहाँ उन्हें पेंशन, मातृत्व लाभ या सामाजिक सुरक्षा जैसी कोई सुविधा नहीं मिलती। राजनीतिक प्रतिनिधित्व के क्षेत्र में भारत की स्थिति और भी कमजोर है। यही कारण है कि ग्लोबल इंडेक्स में भारत को सबसे कम अंक राजनीतिक सशक्तिकरण में ही मिले हैं। संसद में महिला सांसदों की संख्या अभी भी 15% से कम है। राज्य विधानसभाओं की तस्वीर भी कुछ अलग नहीं है। पंचायत स्तर पर भले ही 33% आरक्षण है, पर वहाँ भी महिलाओं का नाम तो होता है, पर सत्ता उनके पति या ससुर के हाथों में होती है—यानी "सरपंच पति" जैसे शब्द अब हमारी राजनीतिक संस्कृति का हिस्सा बन गए हैं। भारत की यह स्थिति और भी चिंताजनक हो जाती है जब हम अपने पड़ोसी देशों से तुलना करते हैं। बांग्लादेश (99वां), नेपाल (117वां), और श्रीलंका (123वां) जैसे देश भारत से आगे हैं, जबकि पाकिस्तान (148वां) सबसे नीचे है। बांग्लादेश ने महिला नेतृत्व को राजनीतिक रूप से मजबूती दी है और महिला श्रम भागीदारी भी बेहतर की है। यह बताता है कि संसाधनों से ज़्यादा ज़रूरी है इच्छाशक्ति और सामाजिक सोच में परिवर्तन। राजनीति केवल सत्ता का केंद्र नहीं, बल्कि सामाजिक विमर्श को दिशा देने वाला मंच होता है। जब संसद, विधानसभा और कैबिनेट में महिलाएं होंगी, तभी उनके मुद्दे—महिला सुरक्षा, मातृत्व स्वास्थ्य, शिक्षा, लैंगिक न्याय—वास्तविक प्राथमिकता बन पाएंगे। परंतु, भारत में अभी भी महिला नेताओं को "किसी की पत्नी" या "किसी की बेटी" मानने की मानसिकता हावी है। नेतृत्व की गुणवत्ता से ज़्यादा वंश और पुरुष संरक्षक को देखा जाता है। गाँव और छोटे शहरों में महिलाओं की वास्तविक स्थिति इससे भी ज्यादा जटिल है। आज भी बाल विवाह, दहेज, घरेलू हिंसा और ऑनर किलिंग जैसी घटनाएँ महिला सशक्तिकरण पर कलंक हैं। कितनी ही महिलाएं ऐसी हैं जिन्हें बैंक खाता, संपत्ति अधिकार या कानूनी संरक्षण के बारे में जानकारी नहीं। सरकारी योजनाएँ जैसे उज्ज्वला या बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ दिखती तो हैं, पर उनका जमीनी असर आंकड़ों में नहीं दिखता। हालाँकि इन तमाम अंधेरों के बीच कुछ रोशनियों की किरणें भी हैं। स्टार्टअप इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसे अभियानों के ज़रिए कई महिलाओं ने छोटे-छोटे ऑनलाइन व्यापार शुरू किए हैं। कई महिलाएं खेलों, विज्ञान, और तकनीक के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत का नाम रोशन कर रही हैं। पीवी सिंधु, अवनी लेखरा, और इसरो की महिला वैज्ञानिक रितु करिधाल जैसे नाम उदाहरण हैं कि अवसर और विश्वास मिले तो महिलाएं सिर्फ घर नहीं, दुनिया बदल सकती हैं।

आप का नजरिया

# अमेरिका का लांच पैड बनेगा पाक

पैड बनेगा पाक पाकिस्तान पर प्रायः हमलावर रहने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने आखिर पाकिस्तान के कठमुल्ला मानसिकता के सेना प्रामुख आसिम मुनीर को व्हाइट हाउस में बुलाकर जिस तरह पुचकारने की रणनीति बनाईं वह ठीक उसी तरह है जैसे 1983 में तत्कालीन जनरल जिया उल हक को व्हाइट हाउस में बुलाकर राष्ट्रपति रोनाल्ड रीगन ने पुचकारा था। दरअसल किसी भी देश के राष्ट्रपति या प्राधानमंत्री आमतौर पर दूसरे देशों के अपने समकक्ष नेताओं से ही मुलाकात करते हैं। सेना प्रामुख जैसी शख्सियतों से मुलाकातें नहीं हुआ करती। जिया-उल-हक सेना प्रामुख के साथ एक तानाशाह राष्ट्रपति भी थे। ऐसे में जब राष्ट्रपति ट्रंप ने लीक से हटकर पाकिस्तान के सेना प्रामुख आसिम मुनीर से मुलाकात की तो सवाल उठ रहे हैं कि आखिर इसके मायने क्या हैं! इस मुलाकात से पाकिस्तान के लोग पूलकर वुप्पा हुए जा रहे हैं। मतलब पाकिस्तान इसे अपने लिए बढ़त के तौर पर देख रहा है। लेकिन वास्तविकता तो यह है कि पाकिस्तान ने एक बार फिर अपनी बर्बादी की पटकथा लिखना शुरू कर दी है। सवाल है कि क्यों? अमेरिकी रणनीति और पाकिस्तान की डालरों की लालच या उसकी लाचारी का विश्लेषण करें तो स्थिति स्पष्ट हो जाएगी। जिस तरह जिया-उल-हक को भोजन कराकर रोनाल्ड रीगन ने पाकिस्तान को तत्कालीन सोवियत संघ की सेना के खिलाफ मुजाहिद्दीन गढ़ने के लिए तैयार किया था, ठीक उसी तरह डोनाल्ड ट्रंप ने मुनीर को भोजन कराकर ईंरान के खिलाफ हमले के लिए पाकिस्तान को नाका चुंगी और लांच पैड की तरह इस्तेमाल करने का अवसर तलाश लिया है। पाकिस्तान से ईंरान की 900 किमी से ज्यादा की सीमा लगती है। अमेरिका पड़ोसी का इस्तेमाल करके ही अपने शत्रु देशों के खिलाफ युद्ध करता है। अमेरिकी राष्ट्रपति, सेना और डिप्लोमैट अच्छी तरह जानते हैं कि अमेरिका को यह सुविधा पाकिस्तान के अलावा कोईं और देश मुहैया नहीं करा सकता। उन्हें यह भी पता है कि प्राधानमंत्री शाहबाज शरीफ की मुनीर के सामने कईं औकात नहीं है। इसलिए मुनीर को पुचकार कर वाशिगटन डीसी न सिर्प उसके हवाईं अड्डों को लांच पैड के तौर पर इस्तेमाल कर सकता है बल्कि ईंरान के प्राति मुस्लिम ब्रदरहुड के गुब्बारे की हवा भी निकाल सकता है। अभी तो ईंरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामनेईं पूरी दुनिया के मुसलमानों से एक होने की आवाज लगा रहे हैं तो कुछ देशों ने खुसर पुसर करना भी शुरू कर दी है। ओआईंसी के 57 देशों में से कोईं भी ईंरान के साथ खड़ा नहीं दिख रहा है। दिख तो यह रहा है कि ईंरान के पड़ोसी मुस्लिम देश इजरायल की ही मदद कर रहे हैं। पाकिस्तान ने भी इजरायल हमले के तुरन्त बाद अपनी प्रातिव्रिराया व्यक्त करते हुए ईंरान के प्राति सहृदयता दिखाईं थी। यही नहीं तुका से लेकर सऊदी अरब और यूएईं ने भी इजरायल हमले की निन्दा की थी। यह दूसरी बात है कि ये सभी इस्लामिक मुल्क दिल और दिमाग से पूरी तरह ईंरान के परमाणु कार्यंव्राम के खिलाफ हैं। वे इजरायल के हमले को उचित नहीं मानते किन्तु वे ईंरान के परमाणु कार्यंव्राम के क्षेत्र में शक्ति संतुलन के खिलाफ भी मानते हैं। अब ट्रंप और उनके सहयोगी चाहते हैं कि मुस्लिम दुनिया में भी अयातुल्ला खामनेईं को अलग-थलग किया जाना जरूरी है। ईंरान शिया बहुल देश है और उसके पड़ोसी सुन्नी हैं। इसलिए भी ईंरान को किसी मुस्लिम देश का समर्थन नहीं मिल रहा है। अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि पाकिस्तान को ट्रंप की इस रणनीति का हिस्सा बनने से क्या लाभ होगा? पाकिस्तान यह दावा तो कर ही सकता है कि वह भी अमेरिका का रणनीतिक पार्टनर है किन्तु अब एक बार फिर वह उसी तरह इस्तेमाल होगा जैसे जिया-उल हक के समय में अफगानिस्तान में हुआ फिर मुशर्रफ के वक्त भी अफगानिस्तान में हुआ था। दोनों ही बार पाकिस्तान जनाकांक्षाओं एवं हितों के विरुद्ध और फौजी महत्वकांक्षाओं की पूर्ति के लिए अमेरिकी सेना और खुफिया तंत्र का लांचिग पैड बना। यह हैरानी की बात जरूर है कि सेवारत सैन्य प्रामुख को पहली बार व्हाइट हाउस में बुलाया गया है। अमेरिका ऐसा देश है जो अपने हित के लिए किसी का भी पैर पकड़ सकता है और जब उसे लगता है कि उसके हित प्राभावित हो सकते हैं तो वह गला भी दबा सकता है। इसलिए किसी को भी हैरानी नहीं होनी चाहिए कि जनरल मुनीर खुद नहीं बल्कि देश की जनता को बलि का बकरा बनाने के लिए तैयार हैं। राष्ट्रपति ट्रंप ने मुनीर को ईंरान को घेरने के लिए मदद हेतु कईं तरह की आर्थिक और मिलिट्री मदद का लालच तो दिया किन्तु मुनीर को यह भी चेतावनी दी कि यदि वह मदद नहीं करता तो उस पर तमाम प्रातिबंध लग जाएंगे।

दृष्टि कोण

# प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप की बातचीत विदेश नीति की परिपक्वता की मिसाल

ऑपरेशन सिदूर से लेकर अमेरिका में न रुकने तक, हर निर्णय में भारत की विदेश नीति की परिपक्वता और रणनीतिक सोच साफ तौर पर दिखाईं देती है। यही कारण है कि अब दुनिया भारत की बात सिर्प सुनती नहीं, उस पर गंभीरता से विचार भी करती है। प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप की बातचीत विदेश नीति की परिपक्वता की मिसाल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच हुईं हालिया टेलीफोनिक बातचीत वैश्विक वूटनीति और भारत की विदेश नीति के लिहाज़ से एक अहम मोड़ साबित हुईं है। लगभग 35 मिनट तक चली इस बातचीत में न सिर्प क्षेत्रीय सुरक्षा पर चर्चा हुईं, बल्कि भारत-पाकिस्तान तनाव, ऑपरेशन सिदूर और भारत- अमेरिका संबंधों की दिशा को लेकर भी बड़े स्तर पर रणनीतिक विमर्श सामने आया। हालांकि यह मुलाकात जी7 सम्मेलन के दौरान आमने-सामने होने वाली थी, लेकिन ट्रंप की अमेरिका वापसी के कारण दोनों नेताओं को फोन पर बात करनी पड़ी। इस पूरे घटनाम में सबसे दिलचस्प और चर्चित पहलू यह रहा कि ट्रंप के अमेरिका आने के प्रस्ताव को प्रधानमंत्री मोदी ने विनम्रता पूर्वक ठुकरा दिया, और इसकी वजह सिर्प राजनयिक व्यस्तता नहीं थी, बल्कि गहरी रणनीतिक सूझबूझ और राजनीतिक परिपक्वता भी इसके पीछे काम कर रही थी। बातचीत की शुरुआत ट्रंप के उस अनुरोध से हुईं जिसमें उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी से आग्रह किया कि वे कनाडा से लौटते समय अमेरिका रुकते हुए जाएं और व्हाइट हाउस में उनसे मिलें। परंतु, पीएम मोदी ने यह न्योता यह कहकर अस्वीकार कर दिया कि उन्हें अपनी पहले से तय ाएशिया यात्रा के लिए निकलना है। यह निर्णय सिर्प औपचारिक कारणों से नहीं था, बल्कि इसके पीछे एक बड़ा राजनीतिक संकेत छुपा हुआ था।

दरअसल, उसी दिन ट्रंप के साथ पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर की लंच पर बैठक पहले से निर्धारित थी। ऐसे में पीएम मोदी की अमेरिका यात्रा राजनीतिक रूप से भारत के लिए असहज स्थिति पैदा कर सकती थी। एक ही दिन, एक ही जगह भारत के प्रधानमंत्री और पाकिस्तान के फौजी प्रमुख का उपस्थित होना न केवल भारत की वूटनीतिक स्थिति को कमजोर करता, बल्कि वैश्विक पटल पर गलत संदेश भी जाता। इस बातचीत में ऑपरेशन सिदूर विशेष चर्चा का विषय रहा। प्रधानमंत्री मोदी ने ट्रंप को विस्तार से बताया कि वैसे भारत ने 6-7 मईं की रात पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिवृत कश्मीर में केवल आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। उन्होंने कहा कि यह सैन्य कार्रवाईं सटीक, नपी-तुली और गैर-भड़काऊ थी। साथ ही यह भी स्पष्ट किया कि भारत अब आतंकवाद को एक सीमित 'प्रॉक्सी वॉर' नहीं, बल्कि एक पूर्ण युद्ध के रूप में देखता है। मोदी ने बताया कि पाकिस्तान की गोली का जवाब भारत ने गोले से दिया है, और यह नीति भविष्य में भी जारी रहेगी। प्रधानमंत्री ने ट्रंप से यह भी कहा कि इस पूरे घटनाम में कभी भी अमेरिका की ओर से कोईं मध्यस्थता नहीं हुईं, न ही भारत ने इसकी कोईं मांग की। उन्होंने साफ शब्दों में कहा कि भारत ने कभी मध्यस्थता स्वीकार नहीं की है और न भविष्य में करेगा। यह बात भारत की विदेश नीति की आत्मनिर्भरता और स्वाभिमान को दर्शाती है। विदेश सचिव विाम मिसरी ने बाद में इस बातचीत की जानकारी साझा करते हुए बताया कि सैन्य कार्रवाईं को रोकने की बात भारत और पाकिस्तान की सेनाओं के बीच सीधे सैन्य चैनल के जरिए हुईं थी, और वह भी पाकिस्तान के आग्रह पर। इस वार्ता के दौरान पीएम मोदी ने ट्रंप को क्वाड की अगली बैठक के लिए भारत आने का न्योता भी दिया। ट्रंप ने यह न्योता स्वीकार करते हुए कहा कि वे भारत आने को लेकर उत्सुक हैं। इसके अतिरित्त दोनों नेताओं ने इजरायल- ईंरान तनाव, रूस-यूव्रोन युद्ध और हिद-प्रशांत क्षेत्र की स्थिति पर भी विचार साझा किए। खासकर हिदप् रशांत क्षेत्र में क्वाड की भूमिका को लेकर दोनों की सोच में समानता दिखी, और इस पर भविष्य में मिलकर काम करने की बात कही गईं। इस बातचीत में एक और महत्वपूर्ण पहलू अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वैंस का 9 मईं की रात को पीएम मोदी को किया गया फोन रहा।

## आज का राशिफल

**मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ**

बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। घर में शांति और सुकून का माहौल बनाए रखने के लिए तालमेल से काम करें। आज के दिन में आप बहुत व्यस्त रहेंगे लेकिन शाम के वक्त अपने मनपसंद कामों को करने के लिए भी आपके पास पर्याप्त समय होगा। आज का दिन उन चन्द दिनों जैसा है जब घड़ी की सुईयाँ बहुत धीरे-धीरे हिलती हैं और आप लंबे समय तक बिस्तर में पड़े रहते हैं। लेकिन इसके बाद ख़ुद को तरोताज़ा भी महसूस करेंगे और इसकी आपको काफ़ी ज़रूरत भी है।

**वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो**

आज के दिन ऐसी चीज़ों पर काम करने की ज़रूरत है, जो आपकी सेहत में सुधार ला सकती हैं। भविष्य में अगर आपको आर्थिक रुप से मजबूत बनना है तो आज से ही धन की बचत करें। आपमें से कुछ गहने या घरेलू सामान ख़रीद सकते हैं। आज के दिन में आप बहुत व्यस्त रहेंगे लेकिन शाम के वक्त अपने मनपसंद कामों को करने के लिए भी आपके पास पर्याप्त समय होगा। क्योंकि आज आपको सच्चे प्यार का एहसास होगा। अपने दोस्तों के मूवी देखने का प्लान बना सकते हैं ।

**मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह**

अगर आप पिछले कुछ वक़्त से झुंझलाहट महसस कर रहें हैं तो आपको याद रखना चाहिए कि सही कर्म और विचार आज आपके लिए बहुप्रतीक्षित राहत लेकर आएंगे। यदि आप किसी से उधार वापस मांग रहे थे और अब तक वो आपकी बात को टाल रहा था तो आज बिना बोले ही वो आपको पैसा लौटा सकता है। यदि किसी बात को लेकर आपके मन में उनके प्रति संशय है तो उनके साथ बैठकर हल निकालने की कोशिश करें। खाली वक्त का सही इस्तेमाल करना आपको सीखना ही होगा नहीं तो जीवन में आप कई लोगों से पीछे रह जाएंगे।

**कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो**

मज़बूती और निडरता का गुण आपकी मानसिक क्षमताओं में इज़ाफ़ा करेगा। आप पैसा बना सकते हैं, बशर्ते आप अपनी जमा-पूंजी पारम्परिक तौर पर निवेश करें। आज आप फुर्सत के क्षणों में कोई नया काम करने का सोचेंगे लेकिन इस काम में आप इतना उलझ सकते हैं कि आपके जरुरी काम भी छूट जाएंगे । ऐसा लगता है कि आज आप अपने जीवनसाथी के साथ बहुत ख़र्चा कर सकते हैं। बावजूस इसके, आप इस वक़्त का पूरा लुत्फ़ उठा पाएंगे। जब आपके पास ज़्यादा खाली समय हो, तो नकारात्मक विचार आपको ज़्यादा परेशान करते हैं। अतः सकारात्मक पुस्तकें पढ़ें

**सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे**

आपका बच्चों जैसा भोला स्वभाव फिर सतह पर आ जाएगा और आप शरारती मनोदशा में होंगे। आज किया गया निवेश आपकी समृद्धि और आर्थिक सुरक्षा में इज़ाफ़ा करेगा। आपके जीवन-साथी की सेहत तनाव और चिंता का कारण बन सकती है। सिर्फ़ स्पष्ट समझ के माध्यम से आप अपनी पत्नी/पति को भावनात्मक सहारा दे सकते हैं। आज खाली वक्त का सही उपयोग करने के लिए आप अपने पुराने मित्रों से मिलने का प्लान बना सकते हैं। आपको अपने जीवन में आज किसी खास इंसान की कमी खल सकती है।

**कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो**

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद सेहत अच्छी रहेगी। लेकिन इसे हमेशा के लिए सच मानने की ग़लती न करें। अपनी ज़िंदगी और सेहत का सम्मान करें। रुका हुआ धन मिलेगा और आर्थिक हालात में सुधार आएगा। आज आप अपने जीवनसाथी के साथ आज समय गुजारेंगे लेकिन किसी पुरानी बात के फिर से सामने आने की वजह से आप दोनों के बीच कहासुनी होने की आशंका है। सुबह जीवनसाथी से आपको कुछ ऐसा मिल सकता है, जिससे आपका सारा दिन ख़ुशगवार गुज़रेगा। दोस्तों से गपशप करना एक अच्छा टाइमपास हो सकता है ।

**तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते**

मौज-मस्ती की यात्राएं और सामाजिक मेलजोल आपको ख़ुश रखेंगे और सुकून देंगे। अटके हुए मामले और घने होंगे व ख़र्चे आपके दिमाग़ पर छा जाएंगे। किसी दूर के रिश्तेदार के यहाँ से मिली आकस्मिक अच्छी ख़बर आपके पूरे परिवार के लिए ख़ुशी के लम्हे लाएगी। आपको उदार और स्नेह से भरे प्यार का तोहफ़ा मिल सकता है। जब आपका जीवनसाथी जब सारे मनमुटाव भुलाकर प्यार के साथ आपके पास फिर आएगा, तो जीवन और भी सुन्दर लगेगा। आपकी कमियां आपको अच्छी तरह से पता हैं आपको जरुरत है उन कमियों को दूर करने की।

**वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू**

जो धुंध आपके चारों तरफ़ छायी हुई है और आपकी प्रगति को बाधित कर रही है, उससे बाहर निकलने का समय है। आज किसी करीबी से आपका झगड़ा हो सकता है और बात कोर्ट कचहरी तक जा सकती है। जिसकी वजह से आपका अच्छा खास धन खर्च हो सकता है। पारिवारिक सदस्य या जीवन-साथी तनाव की वजह बन सकते हैं। घर से बाहर निकलकर आज आप खुली हवाओं में टहलना पसंद करेंगे। आज आपका मन शांत होगा जिसका फायदा आपको पूरे दिन मिलेगा। कोई फिल्म या नाटक देखकर आज आपका मन पहाड़ों में जाने का कर सकता है।

**धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे**

मनोवैज्ञानिक डर आपको बेचैन कर सकता है। सकारात्मक सोच और हालात के उजले पहलू को देखना आपको इससे बचा सकता है। बिना विचार किये आपको किसी को भी अपना पैसा नहीं देना चाहिए नहीं तो आपको आने वाले वक्त में बड़ी परेशानी है सकती है। किसी धार्मिक स्थल या संबंधी के यहाँ जाने की संभावना है। अपने जीवनसाथी के चलते आप महसूस करेंगे कि स्वर्ग धरती पर ही है। आप कुछ समय अपने व्यक्तित्व को निखारने में लगा सकते हैं, क्योंकि आकर्षक व्यक्तित्व का आत्म-निर्माण में अहम योगदान होता है।

**मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि**

गाड़ी चलाते समय सावधान रहें। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें। इस राशि के लोग बड़े ही दिलचस्प होते हैं। ये कभी लोगों के बीच रहकर खुश रहते हैं तो कभी अकेले में हालांकि अकेले वक्त गुजारना इतना आसान नहीं है फिर भी आज दिन में कुछ समय आप अपने लिए जरुर निकाल पाएंगे। आज आपका आपस में कुछ ज्यादा विवाद हो सकता है जिसके दूरगामी परिणाम वैवाहिक जीवन के लिए नकारात्मक हो सकते हैं। योग ध्यान का सहारा लेना आज आपको मानसिक रुप से प्रबल बनाएगा।

**कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द**

आज के दिन आराम करना ज़रूरी साबित होगा, क्योंकि आप हाल के दिनों में भारी मानसिक दबाव से गुज़रे हैं। नयी गतिविधियाँ और मनोरंजन आपके लिए विश्राम करने में सहायक सिद्ध होंगे। धन से जुड़ा कोई मसला आज हल हो सकता है और आपको धन लाभ हो सकता है। बच्चों के साथ समय बिताना ख़ास होगा। आज आपको प्यार का जवाब प्यार और रोमांस से मिलेगा। यात्रा के मौक़ों को हाथ से नहीं जाने देना चाहिए। पिता या बड़ा भाई आज आपकी किसी गलती पर आपको डांट सकता है। उनकी बातों को समझने की कोशिश करें।

**मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची**

व्यापार में आज अच्छा खास मुनाफा होने की संभावना है। आज के दिन आप अपने बिजनेस को नई ऊंचाईयां दे सकते हैं। आम परिचितों से व्यक्तिगत बातों को बांटने से बचें। परिवार की जरुरतों को पूरा करते-करते आप कई बार खुद को वक्त देना भूल जाते हैं। लेकिन आज आप सबसे दूर होकर अपने आप के लिए वक्त निकाल पाएंगे। जीवनसाथी के साथ हँसते-खिलखिलाते, हर पल के मज़े लेते हुए आप महसूस करेंगे कि आप किशोरावस्था में लौट गए हैं। सुबह की ताजी धूप आज आपको नई ऊर्जा प्रदान करेगी।

## आज का पंचांग

दिनांक : 23 जून 2025 , सोमवार
विक्रम संवत : 2082
मास : आषाढ़ , कृष्ण पक्ष
तिथि : त्रयोदशी रात्रि 10:12 तक
नक्षत्र : कृतिका सायं 03:17 तक
योग : धृति दोपहर 01:17 तक
करण : गर प्रातः 11:48 तक
चन्द्रराशि : वृषभ
सूर्योदय : 05:43 , सूर्यास्त 06:53 ( हैदराबाद )
सूर्योदय : 05:55 , सूर्यास्त 06:48 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 05:46 , सूर्यास्त 06:42 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 05:36 , सूर्यास्त 06:43 ( विजयवाडा )

**शुभ चौघड़िया**

अमृत : 06:00 से 07:30
शुभ : 09:00 से 10:30
चल : 01:30 से 03:00
लाभ : 03:00 से 04:30
अमृत : 04:30 से 06:00
राहुकाल : प्रातः 07:30 से 09:00
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : दही धनिया खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष :– सोम प्रदोष व्रत, मासिक शिवरात्रि व्रत, भद्रा रात्रि 10:12 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

**भजनलाल के मार्गदर्शन में 'वंदे गंगा' जल संरक्षण-जन अभियान ने रचा नया कीर्तिमान**

# 2.53 करोड़ लोगों की भागीदारी

**जयपुर, 22 जून (एजेंसियां)।** मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की पहल पर संचालित 'वंदे गंगा' जल संरक्षण-जन अभियान ने जल संरक्षण एवं संचयन के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। अपार जन सहयोग के साथ संचालित इस अभियान से प्रदेशभर में जल स्त्रोतों की दिशा और दशा में अभूतपूर्व सुधार आया है। विस्तृत कार्ययोजना और व्यापक प्रभाव से यह अभियान पर्यावरणीय दृष्टि से एक प्रेरणा स्त्रोत के रूप में उभरा है जिसके आगामी समय में सकारात्मक परिणाम देखने को मिलेंगे।

देश के सबसे बड़े प्रदेश राजस्थान में विषम भौगोलिक परिस्थितियों के कारण जल की उपलब्धता सबसे बड़ी चुनौती रही है। मानसून के दौरान वर्षा का असमान रूप से वितरण और सतही जल की कम उपलब्धता के कारण राजस्थान मुख्यतः परंपरागत जल स्त्रोतों एवं साधनों पर आश्रित रहा है। इन जल स्त्रोतों के संरक्षण और इनमें संचयन के लक्ष्य की प्राप्ति के क्रम में मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने वंदे गंगा जल संरक्षण-जन अभियान (5 जून से 20 जून) की पहल की। इस अभियान का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि इसे जन केन्द्रित रखा गया है ताकि इसका प्रभाव व्यापक हो। साथ ही, जल स्त्रोतों की पूजा-अर्चना को इस अभियान की एक प्रमुख गतिविधि बनाया ताकि आमजन में जल संस्कृति के प्रति झुकाव और जुड़ाव की अनुभूति हो।

शर्मा ने गंगा दशहरा और विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) के शुभ अवसर पर इस अभियान की शुरूआत की। उन्होंने अभियान के पहले दिन जयपुर के रामगढ़ बांध पर श्रमदान करने के साथ ही, बूंदी के केशोरायपाटन में चंबल मां को चुनरी ओढ़ाई और भरतपुर की सुजानगंगा नहर पर दीपदान किया। इस दिन मंत्रिपरिषद के सदस्यों ने भी प्रदेशभर में अभियान के अन्तर्गत जल संरक्षण संबंधित विभिन्न गतिविधयों में शिरकत की। अभियान के दौरान मुख्यमंत्री ने व्यक्तिशः प्रदेश के विभिन्न अंचलों में जाकर इसमें भागीदारी और सतत् निगरानी की। उन्होंने 9 जून को पुष्कर में ब्रह्म घाट पर तीर्थराज पुष्कर का पूजन किया और ब्यावर में जवाजा तालाब की पाल पर जलाभिषेक किया। इसके बाद 18 जून को मुख्यमंत्री ने राजसमंद में झील स्थित नौचौकी पाल पर झील आरती की। वे जालोर में सीलू घाट पर भी पहुंचे जहां उन्होंने मां नर्मदा की विधिवत पूजा-अर्चना की। वहीं, 20 जून को मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा ने जैसलमेर में प्राचीन गडीसर झील का पूजन व गंगा आरती कर अभियान का विधिवत समापन किया।

मुख्यमंत्री की प्रेरणा से यह अभियान आंदोलन में परिवर्तित हुआ। लाखों लोग अपने घर से निकले और जल संरक्षण कार्यों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। 20 जून तक के आंकड़ों के अनुसार अभियान के अन्तर्गत 3 लाख 70 हजार से अधिक कार्यक्रम आयोजित हुए हैं जिसमें 1.32 करोड़ महिलाओं सहित लगभग 2 करोड़ 53 लाख नागरिकों ने भाग लिया। 42 हजार 200 से अधिक जल स्त्रोतों के साथ ही, लगभग 73 हजार 900 से अधिक कार्यालयों, अस्पतालों एवं विद्यालयों की साफ-सफाई भी की गई है। इस अभियान में लगभग 18 हजार 900 पूर्ण कार्यों का अवलोकन-लोकार्पण हुआ और करीब 5 हजार 900 नए कार्यों का शुभारंभ भी किया गया है। इसके साथ ही आमजन ने जल संरक्षण गतिविधियों के अन्तर्गत लगभग 1 लाख 2 हजार से अधिक स्थानों पर श्रमदान भी किया।

अभियान के दौरान जल संचयन एवं जल स्त्रोतों को सहेजने का संदेश जन-जन तक पहुंचाने एवं जन-जागरूकता के लिए 13 हजार 600 ग्राम सभाएं, 6 हजार 800 प्रभात फेरियां, 9 हजार 800 कलश यात्राएं, 6 हजार विभिन्न प्रकार की चौपालें आयोजित की गई। इस दौरान सीएसआर एवं दानदाताओं के सहयोग से कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान में 3 हजार 200 रिचार्ज शाफ्ट का निर्माण भी करवाया गया।

इस अभियान के अन्तर्गत जल संरक्षण और संचयन की दिशा में एक विशेष कार्य योजना के तहत कार्य किए गए। विभिन्न विभागों, गैर सरकारी संस्थाओं, औद्योगिक समूह एवं भामाशाहों के साथ ही बड़ी संख्या में आमजन ने अभियान में शिरकत की। सामूहिक प्रयासों एवं पारस्परिक समन्वय से नदी-नालों, जल स्त्रोतों की साफ-सफाई, जल संचयन संरचनाओं का निर्माण और बावड़ियों, तालाबों, कुंओं जैसे परंपरागत जलाशयों का पुनरूद्धार व्यापक रूप से हुआ। इस दौरान मुख्यमंत्री जल स्वावलम्बन, हरियालो राजस्थान और कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के संबंध में भी व्यापक कार्य किए गए। इन कार्यों का भविष्य में सकारात्मक प्रभाव देखने को मिलेगा और प्रदेश के भू-जल स्तर में भी बढ़ोतरी होना अपेक्षित है।

यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने लगभग डेढ़ वर्ष के कार्यकाल में राजस्थान को जल सम्पन्न बनाने की दृष्टि से ऐतिहासिक निर्णय करते हुए अभूतपूर्व योजनाएं बनाई हैं। रामजल सेतु लिंक परियोजना (संशोधित पार्वती-कालीसिंध-चम्बल परियोजना) के माध्यम से प्रदेश के 17 जिलों को पेयजल एवं सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध होगा। इसी तरह शेखावाटी क्षेत्र के लिए यमुना जल समझौते को मूर्त रूप दिया जा रहा है। राज्य सरकार इंदिरा गांधी नहर परियोजना के सुदृढ़ीकरण के लिए कार्य कर रही है ताकि गंगानगर, हनुमानगढ़ से लेकर बाड़मेर, जालोर को भरपूर पानी मिल सके। इसी तरह दक्षिणी राजस्थान के जिलों में जल उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए देवास परियोजना पर कार्य किया जा रहा है। यह योजनाएं दर्शाती हैं कि राज्य सरकार प्रदेश की गांव-ढाणी से कस्बों तक जल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। आमजन को पर्याप्त जल आपूर्ति राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

# डाक विभाग में करोड़ों का घोटाला

**रेलमेल सेवा बंद कर रिश्तेदार को दिया परिवहन का ठेका**

**भीलवाड़ा, 22 जून (एजेंसियां)।** डाक विभाग के आला अधिकारियों पर अपने एक निकटतम रिश्तेदार को अनुचित लाभ पहुँचाने के लिए करोड़ों रुपये का घोटाला करने का आरोप लगा है। जानकारी के अनुसार, मुख्य पोस्टमास्टर जनरल, जयपुर के निर्देश पर राजस्थान के कई जिलों में रेलवे स्टेशनों पर संचालित रेलमेल सेवा (ठचड) को बंद कर दिया गया है। इसके स्थान पर, डाक परिवहन का ठेका अपने एक रिश्तेदार को दे दिया गया है, जिससे विभाग को करोड़ों रुपये का चूना लग रहा है। पहले, डाक का परिवहन रेलवे के माध्यम से होता था, जिसमें डाक विभाग को नाममात्र का खर्च आता था। अब, गंतव्य स्थल तक डाक पहुँचाने के लिए ट्रांसपोर्ट का सहारा लिया जा रहा है, जिससे विभाग पर लाखों नहीं बल्कि करोड़ों रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ रहा है।

सूत्रों के अनुसार, पहले भीलवाड़ा रेलवे स्टेशन पर ही रेलमेल सर्विस (ठचड) का कार्यालय संचालित होता था। जिले के विभिन्न डाकघरों में आने वाली डाक की छँटनी यहीं आरएमएस कार्यालय में होती थी, जिसके बाद जिले की डाक तुरंत वितरित कर दी जाती थी। इससे स्थानीय भीलवाड़ा की डाक उसी दिन वितरित हो जाती थी और समय की बचत होती थी। सूत्रों का दावा है कि जयपुर स्थित मुख्य पोस्टमास्टर जनरल ने अपने रिश्तेदार को फायदा पहुँचाने की नीयत से भीलवाड़ा के रेलवे स्टेशन पर संचालित आरएमएस कार्यालय को बंद कर अजमेर स्थानांतरित कर दिया है।

विभाग के अधिकारियों की इस लालफीताशाही के चलते अब जिले के डाकघरों में प्राप्त होने वाली समस्त डाक पहले ट्रांसपोर्ट के माध्यम से अजमेर स्थित आरएमएस कार्यालय जाएगी, फिर वहाँ से पुनः छँटनी होकर भीलवाड़ा आएगी। इस प्रक्रिया के कारण अब स्थानीय डाक को भी अपने गंतव्य स्थान पर पहुँचने में एक सप्ताह से अधिक का समय लग रहा है, जिससे उपभोक्ताओं को भारी असुविधा हो रही है।कंज्यूमर राइट्स ऑर्गेनाइजेशन के जिलाध्यक्ष अरविंद कुमार पोखरना ने इस पूरे खेल में डाक विभाग के आला अधिकारियों द्वारा ठेकेदार को करोड़ों रुपये का फायदा पहुँचाते हुए विभाग को करोड़ों का चूना लगाए जाने का आरोप लगाया है। उन्होंने बताया कि इस पूरे मामले की शिकायत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और डाक विभाग एवं दूरसंचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया को ज्ञापन भेजकर की जाएगी।

# राजस्थान में बारिश से नदी-नाले उफान पर

**जयपुर, 22 जून (एजेंसियां)।** राजस्थान के कई हिस्सों में पिछले कुछ दिनों से जारी बारिश का असर अब जनजीवन पर दिखने लगा है। प्रदेश के कई जिलों में सड़कें जलमग्न हो गई हैं, नदियां उफान पर हैं और पुल-पुलियाओं पर पानी भरने से यातायात भी प्रभावित हो रहा है। मौसम विभाग ने रविवार को प्रदेश के 30 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है।

सिरोही जिले में दिल्ली-गुजरात नेशनल हाईवे पर पानी भरने से दिल्ली से कांडला जाने वाला मार्ग प्रभावित हुआ है। इसी तरह रेवदर-आबूरोड मार्ग पर मूंगथला के आगे एक पुलिया बह गई, जिससे यह रास्ता पूरी तरह बंद हो गया है। भीलवाड़ा में कोठारी नदी का पानी पुल के ऊपर से बह रहा है। वहीं, जालोर और सिरोही जिलों में लगातार तीसरे दिन भी बारिश का सिलसिला जारी है। सुबह से रिमझिम फुहारों के बीच घना बादल छाया हुआ है। मौसम केंद्र जयपुर के अनुसार भरतपुर, धौलपुर, करौली और सवाई माधोपुर में रविवार को बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। इसके अलावा 26 जिलों में येलो अलर्ट घोषित है। शनिवार को जयपुर, पाली, भीलवाड़ा, जोधपुर, अजमेर, बांसवाड़ा, सीकर, भरतपुर, जालोर, सिरोही और राजसमंद जिलों में अच्छी बारिश दर्ज की गई। भीलवाड़ा में शनिवार सुबह 8 बजे से शाम 5 बजे तक 175 मिमी (करीब 7 इंच) बारिश रिकॉर्ड हुई। जोधपुर, पाली, जालोर, सिरोही और राजसमंद में भी 3 इंच तक बारिश दर्ज की गई।

तेज बारिश के कारण पाली जिले में एक मकान की बालकनी पर पेड़ गिर गया। जोधपुर में बरसात के दौरान एक हादसे में प्लाईवुड व्यापारी की कार पानी से भरी पुलिया की रपट पर फिसल गई, जिससे वाहन नाले में जा गिरा। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई। मौसम विभाग ने अगले 24 घंटे तक प्रदेश के कई हिस्सों में तेज बारिश की संभावना जताई है। इसके चलते प्रशासन ने सतर्कता बरतने की अपील की है। नदियों, नालों और पुल-पुलियाओं के पास जाने से बचने के लिए भी निर्देश जारी किए गए हैं।

# बिजली दरों में बढ़ोत्तरी कर जनता को लूट रही बीजेपी सरकार : भूपेंद्र सिंह हुड्डा

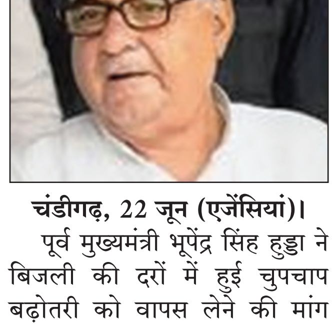

**चंडीगढ़, 22 जून (एजेंसियां)।** पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने बिजली की दरों में हुई चुपचाप बढ़ोतरी को वापस लेने की मांग उठाई है। हुड्डा का कहना है कि बीजेपी ने एक ही झटके में बिजली को चार गुना तक महंगा कर दिया। यानी जिन आम परिवारों को 900 से 1000 रुपए तक बिल देना पड़ता था, उन्हें अब 4000 से 5000 रुपये बिल थमाया जा रहा है। एक तरफ गर्मी का सितम साथ मे बिजली के कई कई घंटे के कट और दूसरी तरफ महंगाई की मार, बीजेपी जब से सत्ता में आई है, लोगों को इसी तरह पीस रही है।बहरहाल बिजली पानी जैसी बुनियादी सुविधाएं ना मिलने से हरियाणा में त्राहीमाम-त्राहिमाम मचा हुआ है

हुड्डा ने कहा कि बिजली की दरें महंगी होने के चलते लोगों को भारी भरकम बिल मिलने लगे हैं। निगम ने 75 रुपए प्रति किलो वाट फिक्स चार्ज भी इसमें जोड़ दिया है। यानी 10 किलोवाट कनेक्शन पर अब हर महीने 750 रुपए अतिरिक्त देने पड़ रहे हैं। पहले दरें स्लैब वाइज थीं, यानी 50 यूनिट या इससे ज्यादा इस्तेमाल पर 2.50 रुपए से 6.30 रुपए प्रति यूनिट खर्च होता था। अब 5 किलो वाट से अधिक लोड होने पर 6.50 से 7.50 रुपये प्रति यूनिट वसूला जा रहा है। अलग से स्लैब वाइज बिजली के दामों में भी 20 से लेकर 40 पैसे प्रति यूनिट तक बढ़ोतरी हुई है। इतनी ही नहीं, विभिन्न कैटेगरी के लिए बनाए गए स्लैब में भी बदलाव किया गया है। बिजली की बढ़ी हुई दरें पहली अप्रैल से चुपचाप लागू कर दी गयी है। भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि कांग्रेस कार्यकाल के दौरान प्रदेश में 4 नए पावर प्लांट और एक न्यूक्लियर पावर प्लांट की स्थापना की गई थी। जबकि बीजेपी राज में एक भी यूनिट बिजली उत्पादन का काम नहीं किया गया। बावजूद इसके यह सरकार 10 साल से लगातार बिजली की दरों में बढ़ोतरी करती जा रही है।

कांग्रेस कार्यकाल के दौरान आम उपभोक्ताओं के 1600 करोड़ रुपए के बिजली बिल माफ किए गए थे। लेकिन बीजेपी ऐसी कोई राहत देने की बजाए, रेट बढ़ोतरी के साथ अनाप-शनाप गैरजरूरी चार्ज जोड़कर लोगों की जेब काटने में जुटी है। बीजेपी बार-बार लोगों को एहसास दिला रही है कि उन्होंने बीजेपी को वोट देकर गलती की है।

# हिसार एसीबी की बड़ी कार्रवाई : पटवारी का रिश्वत लेते रंगे हाथों किया गिरफ्तार

**चंडीगढ़, 22 जून (एजेंसियां)।** हरियाणा भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो हिसार की टीम ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए फतेहाबाद जिले के गांव बनवाली में तैनात हल्का पटवारी अनूप सिंह को 8 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

ब्यूरो को दी गई शिकायत में शिकायतकर्ता ने बताया कि आरोपी पटवारी उसके व उसके भाइयों की जमीन का विरासत इंतकाल दर्ज करने के एवज में 10 हजार रुपये तथा उसकी बुआ व चचेरे भाइयों की भूमि का इंतकाल दर्ज करने के बदले 20 हजार रुपये की रिश्वत मांग रहा था। कुल 30 हजार रुपये की डिमांड के चलते शिकायतकर्ता ने एसीबी से संपर्क किया।

आरोपी अनूप सिंह ने बार-बार निवेदन के बावजूद रिश्वत की मांग से इंकार नहीं किया बल्कि किस्तों में पैसे लेने पर सहमति जताई। तय कार्यक्रम के अनुसार, शुक्रवार को शिकायतकर्ता द्वारा पहली किस्त के रूप में 8 हजार रुपये दिए जा रहे थे। एसीबी हिसार टीम ने योजना बनाकर बस अड्डा भोडिया बिश्नोईयान पर आरोपी को रंगे हाथों पकड़ लिया। आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो, थाना हिसार में भारतीय दंड संहिता की धारा 7 पीसी एक्ट के तहत अभियोग संख्या 21, दिनांक 21.06.2025 दर्ज किया गया है।

# चंडीगढ़ से लखनऊ जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई-146 रद्द

**चंडीगढ़, 22 जून (एजेंसियां)।** अहमदाबाद विमान हादसे के बाद फ्लाइट्स में तकनीकी समस्या की खबरें लगातार सामने आ रही हैं, जिसके चलते रोजाना कई उड़ानों को रद्द करना पड़ रहा है। ताजा मामला इंडिगो की चंडीगढ़ से लखनऊ जाने वाले हवाई जहाज का है, जिसे उड़ान भरने से पहले ही रोक दिया गया।

जानकारी के अनुसार, चंडीगढ़ से लखनऊ जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट 6ई-146 को उड़ान भरने से पहले रोक दिया गया। फ्लाइट में लगभग 160 यात्री मौजूद थे। ये फ्लाइट रविवार सुबह 8:30 बजे चंडीगढ़ से लखनऊ के लिए रवाना होने वाली थी, लेकिन उससे पहले ही इस फ्लाइट को रद्द कर दिया गया। 19 जून को दिल्ली से लेह जाने वाली इंडिगो फ्लाइट 6ई-2006 की तकनीकी कारणों से इमरजेंसी लैंडिंग कराई गई थी।

जानकारी के मुताबिक, इंडिगो की फ्लाइट में चालक दल के सदस्यों समेत करीब 180 लोग सवार थे। फ्लाइट ने दिल्ली से लेह के लिए उड़ान भरी, लेकिन लेह पहुंचने से कुछ देर पहले तकनीकी गड़बड़ी का पता चला। विमान लेह पहुंचने के कुछ ही देर बाद वापस लौट आया और सुरक्षित तरीके से दिल्ली में उतारा गया। बीते बुधवार को भी इंडिगो की एक फ्लाइट को रद्द करना पड़ा था। फ्लाइट 6ई 6101 भुवनेश्वर से कोलकाता के लिए रवाना होनी थी, लेकिन उड़ान से कुछ मिनट पहले फ्लाइट को रद्द कर दिया गया। इसका कारण भी विमान में तकनीकी खराबी बताया गया।

दो जून को रांची में इंडिगो का एक विमान गिद्ध से टकराया था, जिसके कारण आपात लैंडिंग करानी पड़ी। पटना से कोलकाता वाया रांची की फ्लाइट करीब 3-4 हजार फीट की ऊंचाई पर थी। उसी समय एक गिद्ध उससे टकराया। टक्कर के बाद विमान करीब 40 मिनट तक हवा में रहा। इंडिगो की इस फ्लाइट में क्रू मेंबर्स समेत 175 यात्री सवार थे। पक्षी से टक्कर के बाद यात्री दहशत में थे। विमान के क्रू मेंबर ने उन्हें भरोसा दिलाया और पायलट ने सतर्कता दिखाते हुए प्लेन को रांची के बिरसा मुंडा एयरपोर्ट पर सुरक्षित तरीके से लैंड कराया था।

# योगी सरकार ने बनाए 16 हजार से अधिक अमृत सरोवर

- गोरखपुर, महराजगंज, प्रयागराज, आजमगढ़ एवं बाराबंकी अव्वल
- जल संरक्षण को जन आंदोलन बना रहा जल शक्ति अभियान

**लखनऊ, 22 जून (एजेंसियां)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में उत्तर प्रदेश सरकार ने जल संरक्षण की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। जल संकट से निपटने और जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने के उद्देश्य से राज्य में 16,000 से अधिक अमृत सर-ोवरों का निर्माण किया गया है। यह कार्य मिशन अमृत सरोवर योजना के तहत किया जा रहा है। इससे न केवल पानी की उपलब्धता को बढ़ाया जा रहा है बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती दी जा रही है।

इस अभियान में गोरखपुर जिला सबसे आगे रहा, जहां 735 अमृत सर-ोवरों का निर्माण किया गया। महराजगंज में 600 से अधिक तथा प्रयागराज में 523 अमृत सरोवर बनाकर जल संरक्षण को बढ़ावा दिया गया। आजमगढ़ और बाराबंकी भी इस पहल में टॉप फाइव जिलों में शामिल रहे। सरकार ने जल निकायों के विकास में समुदायों की भागीदारी सुनिश्चित की। गांववासियों, पंचायतों और स्थानीय संगठनों की मदद से यह पहल जमीनी स्तर पर उतरी। इससे जल संरक्षण का यह अभियान एक सामाजिक आंदोलन का रूप ले सका।

जल संरक्षण की इस योजना ने ग्रामीण युवाओं और महिलाओं को भी रोजगार उपलब्ध कराया। तालाबों की खुदाई, सौंदर्यीकरण और रखरखाव में महिलाओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। यह अभियान केवल जल प्रबंधन नहीं बल्कि आजीविका का साधन भी बना। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की स्पष्ट नीति और दृढ़ संकल्प के चलते जल संरक्षण को लेकर प्रदेश ने एक नई पहचान बनाई है। टिकाऊ जल संसाधन विकसित करने के लिए व्यापक नीति बनाई गई, जिसका असर अब दिखने लगा है।

जल संरक्षण को जन आंदोलन बनाने की दिशा में उत्तर प्रदेश ने जल शक्ति अभियान शुरू कर रखा है। कैच द रेन 2025 के तहत यूपी ने ऐतिहासिक उपलब्धियां दर्ज की हैं। 22 मार्च से 13 जून 2025 के बीच कुल 1,66,000 से अधिक जल-संरक्षण कार्य या तो पूर्ण हो चुके हैं या प्रगति पर हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में यह अभियान सिर्फ एक सरकारी पहल नहीं, बल्कि जन-भागीदारी से जन-जागरूकता का पर्याय बन गया है। जल संचयन, वर्षा जल संचयन, पारंपरिक जल स्रोतों के पुनरुद्धार और वनरोपण जैसे अनेक कार्यों को जिलास्तर पर तीव्रता से क्रियान्वित किया जा रहा है।

17,557 कार्य पूर्ण और 16,561 कार्य प्रगति पर हैं जो जल संचयन और रेन वाटर हार्वेस्टिंग से सीधे जुड़ते हैं। इसी तरह, मनरेगा के तहत पारंपरिक जल स्रोतों के 5,714 कार्य पूर्ण और 5,093 कार्य प्रगति पर हैं। सोकपिट व स्टेबलाइजेशन पॉन्ड के 3,825 कार्य पूर्ण और 512 कार्य प्रगति पर हैं। वाटरशेड डेवलपमेंट के 66,135 कार्य पूर्ण और 52,097 कार्य प्रगति पर हैं। इंटेंसिव फॉरेस्टेशन के 20,922 कार्य पूर्ण और 23,089 कार्य प्रगति पर हैं।

कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) द्वारा 228 जागरूकता और प्रशिक्षण कार्यक्रम पूर्ण किए जा चुके हैं। इन कार्यक्रमों में किसानों, छात्रों, ग्रामीण महिलाओं और युवाओं को जल प्रबंधन की तकनीकों से अवगत कराया गया। कार्यों को एग्रीकल्चर व हॉर्टिकल्चर विभागों द्वारा अंजाम दिया गया।

# यूपी में 235 औद्योगिक एस्टेट दे रहे एमएसएमई सेक्टर को रफ्तार

**लखनऊ, 22 जून (एजेंसियां)।** उत्तर प्रदेश को उद्यम प्रदेश बनाने के लिए प्रयासरत योगी सरकार की नीतियां धरातल पर अपना असर दिखा रही हैं। सीएम योगी के कुशल मार्गदर्शन में प्रदेश में उद्योगों की स्थापना के लिए जो निवेशपरक माहौल बना है उसका असर है कि राज्य में सूक्ष्म, लघु व मध्यम उद्यम से जुड़े 235 औद्योगिक एस्टेट एमएसएमई सेक्टर को रफ्तार दे रहे हैं। आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में एमएसएमई सेक्टर से जुड़े 77 औद्योगिक एस्टेट तथा 158 मिनी इंडस्ट्रियल स्टेट कार्य कर रहे हैं। प्रदेश में 947 प्लॉट्स और 10,179 शेड्स का विकास एमएसएमई सेक्टर को बढ़ावा देने के मद में किया गया है जिसके जरिए प्रदेश में 11,126 उद्यमों की स्थापना व संचालन का मार्ग प्रशस्त हुआ। इतना ही नहीं, प्रदेश के 10 जिलों में 15 औद्योगिक एस्टेट्स की स्थापना भी की जा रही है जिसके जरिए कुल 764.31 एकड़ में 872 प्लॉट्स पर एमएसएमई सेक्टर से जुड़े उद्यम को लगाने में मदद मिलेगी।

कानपुर और आगरा प्रदेश के पुराने औद्योगिक शहरों की पहचान रखते हैं और यहां एमएसएमई सेक्टर भी मजबूती से कार्य कर रहा है। कानपुर में कुल 15,500 स्कायर फीट क्षेत्र में फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स का निर्माण किया गया है, जहां कुल 162 शॉप्स व यूनिट को एमएसएमई सेक्टर के लिए अधिकृत किया गया है। यह फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स पूरी तरह कार्य कर रहा है। इसी प्रकार, आगरा में कुल 38,500 स्केयर फीट क्षेत्र में फ्लैटेड फैक्टरी कॉम्पलेक्स का निर्माण किया गया है जहां 200 शॉप्स व यूनिट एमएसएमई सेक्टर के अंतर्गत कार्य कर रही हैं। यह फ्लैटेड फैक्टरी कॉम्पलेक्स भी पूरी क्षमता से कार्य कर रहा है और एमएसएमई सेक्टर से जुड़े उद्यमों को उन्नत इंफ्रास्ट्रक्चर युक्त सुविधाएं उपलब्ध कराने का माध्यम बन रहा है।

कानपुर और आगरा के ही तर्ज पर गाजियाबाद और लखनऊ में भी फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प्लेक्स एमएसएमई से जुड़े उद्यमों की स्थापना का माध्यम बनेंगे। इन दोनों ही शहरों में फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्पलेक्स योजना को केन्द्र सरकार द्वारा स्वीकृति मिल चुकी है तथा यहां विकास एवं निर्माण से जुड़े विभिन्न कार्यों को पूरा किया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि गाजियाबाद में 9734.21 स्क्वेयर फीट क्षेत्र में फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्पलेक्स कार्य करेगा तथा यहां कुल मिलाकर 40 शॉप्स व यूनिट्स की स्थापना हो सकेगी। इसी प्रकार, लखनऊ में भी 7901.6 स्केयर फीट क्षेत्र में फ्लैटेड फैक्टरी कॉम्पलेक्स के निर्माण व विकास की प्रक्रिया जारी है। कार्य पूरा होने पर यहां 48 दुकानों व इकाइयों की स्थापना व संचालन हो सकेगा।

सभी फ्लैटेड फैक्ट्री कॉम्प-लेक्स भविष्य की जरूरतों को ध्यान में रखकर निर्मित व विकसित किए जा रहे हैं जिससे एमएसएमई सेक्टर से जुड़े उद्य-ोगों को कम पूंजीगत निवेश में भी निर्माण इकाई स्थापित करने में मदद मिलती है। यह योगी सरकार द्वारा वर्ष 2022 में लागू की गई उत्तर प्रदेश सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम प्रोत्साहन नीति पर आधारित है।

### घोटाले का गजब कारनामा

# सीएम के एक कार्यक्रम का दो जगह से ले लिया भुगतान

**लखनऊ, 22 जून (एजेंसियां)।** गोंडा में टेंट हाउस के मालिक का गजब कारनामा सामने आया है। उसने सीएम योगी के एक कार्यक्रम का दो विभागों से अलग-अलग भुगतान करा लिया। अफसरों की आंखों में धूल झोंककर लाखों पार कर दिए। जांच में खुलासा हुआ तो फर्म के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

उत्तर प्रदेश के गोंडा में पार्वती अरगा झील के पास बीती दो फरवरी को विश्व आर्द्रभूमि दिवस पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कार्यक्रम हुआ था। इस एक कार्यक्रम का महेंद्र सिंह टेंट हाउस, झिलाही बाजार ने दो विभागों से 13.95 लाख रुपए का भुगतान करा लिया। जांच में मामला सामने आया।इस पर लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) खंड एक के अवर अभियंता ने फर्म के खिलाफ नगर कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है।

अवर अभियंता ललित कुमार पाठक के अनुसार, केंद्रीय पर्यावरण वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के आर्द्रभूमि दिवस समारोह को पीडब्ल्यूडी निर्माण खंड एक व सोहेलवा वन्य जीव प्रभाग बलरामपुर ने मिलकर आयोजित किया। टेंट व खानपान की जिम्मेदारी महेंद्र सिंह टेंट हाउस को सौंपी गई। सभी मदों को मिलाकर 29 मार्च को पीडब्ल्यूडी की ओर से 69.30 लाख रुपए का भुगतान कर दिया गया। इससे पूर्व पांच मार्च को सोहेलवा वन्य जीव प्रभाग से 19.95 लाख रुपए का भुगतान किया गया। फर्म ने पूर्व के भुगतान को छिपाकर धोखे से एक ही काम के 13.95 लाख रुपए दोबारा ले लिए।

# चंदौसी में अवैध बनी रजा-ए-मस्जिद पर चला बुलडोजर

### नगर पालिका की जमीन पर हुआ था अवैध निर्माण

**संभल, 22 जून (एजेंसियां)।** उत्तर प्रदेश के संभल जिले के चंदौसी में शनिवार 21 जून को प्रशासन ने अवैध रूप से बनी रजा-ए-मस्जिद पर बुलडोजर चला दिया। यह कार्रवाई चंदौसी के एसडीएम विनय कुमार मिश्रा के नेतृत्व में हुई। प्रशासन का कहना है कि मस्जिद और आसपास के 34 मकान नगर पालिका की जमीन पर अवैध रूप से बने थे।

करीब 15 दिन पहले नगर पालिका ने मस्जिद प्रबंध समिति और अन्य लोगों को नोटिस देकर निर्माण हटाने को कहा था। समिति ने तोड़फोड़ शुरू की, लेकिन तय समय में सिर्फ 15 फीसदी काम हुआ। शुक्रवार को मस्जिद की नींव ढहाई गई और शनिवार को बाकी ढांचा हटा दिया गया। अधिकारियों ने बताया कि मशीनों का कम इस्तेमाल कर सावधानी से अतिक्रमण हटाया जा रहा है, ताकि आसपास के मकानों को नुकसान न हो। डेढ़ महीने पहले तहसीलदार धीरेंद्र प्रताप सिंह ने अतिक्रमण की जांच शुरू की थी। राजस्व विभाग ने जमीन की नपाई कर पाया कि ये नगर पालिका की जमीन है। अब प्रशासन खुद निर्माण हटवाकर जमीन खाली करा रहा है।

# वृक्षारोपण से दे सकते हैं भावी पीढ़ी को सुरक्षित पर्यावरण : अनिल

**लखनऊ, 22 जून (एजेंसियां)।** विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अनिल कुमार ने अपने विधानसभा क्षेत्र के ग्राम तुगलकपुर में स्थित काउ सेंचुरी परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम में सहभागिता की। इस अवसर पर उनके साथ पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान उपस्थित रहे।

वृक्षारोपण कार्यक्रम के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण और हरित क्षेत्र विस्तार को बढ़ावा देने के उद्देश्य से विभिन्न प्रजातियों के पौधे रोपित किए गए। अनिल कुमार ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है और वृक्षारोपण के माध्यम से हम भावी पीढ़ियों को सुरक्षित पर्यावरण दे सकते हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. संजीव बालियान ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसी गतिविधियों से न केवल पर्यावरण सुधरता है, बल्कि सामाजिक सहभागिता भी बढ़ती है।इस अवसर पर बड़ी संख्या में ग्रामीण, छात्र, पर्यावरण प्रेमी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

### गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की ओर योगी सरकार का बड़ा कदम

# 39 जिलों में बन रहा सीएम कंपोजिट विद्यालय

**लखनऊ, 22 जून (एजेंसियां)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था को आधुनिक और समावेशी बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल शुरू हो चुकी है। प्रदेश के 39 जिलों में मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालयों का निर्माण कार्य तेज़ी से प्रारंभ हो चुका है, जिससे लाखों बच्चों को आधुनिक, समग्र और गुण-वत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिलेगा। वहीं 10 अन्य जिलों में भी शीघ्र निर्माण कार्य शुरू होने वाला है। शेष जिलों के लिए शासन स्तर पर वित्तीय स्वीकृति एवं भूमि चयन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उल्लेखनीय है कि प्रथम चरण में समस्त 75 जिलों में मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालयों का निर्माण पूरा होने के बाद द्वितीय चरण में भी प्रति जनपद 1-1 मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालय का निर्माण प्रस्तावित है। इस प्रकार प्रति जनपद 2 मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालयों के निर्माण की कार्ययोजना है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने स्पष्ट किया है कि सभी 75 जनपदों में इन मॉडल विद्यालयों की स्थापना की जाएगी। वर्तमान में 39 जनपदों में निर्माण कार्य की शुरुआत हो चुकी है या फिर होने जा रही है। इन जिलों में मुख्यमंत्री कंपोजिट विद्यालयों के निर्माण को लेकर वित्तीय स्वीकृति से लेकर भूमि चयन तक सभी आवश्यक अप्रूवल मिल चुके हैं। वहीं 10 अन्य जिलों में भी शीघ्र निर्माण कार्य शुरू होने वाला है। शेष जिलों के लिए शासन स्तर पर वित्तीय स्वीकृति एवं भूमि चयन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

इन विद्यालयों की सबसे खास बात यह है कि इनमें प्री-प्राइमरी से लेकर 12वीं तक की सभी कक्षाएं एक ही परिसर में संचालित होंगी। 5 से 10 एकड़ भूमि पर 30 करोड़ रुपये की लागत से अत्याधुनिक शिक्षण संस्थान स्थापित किए जा रहे हैं, जो राज्य की शिक्षा व्यवस्था में नई ऊंचाई तय करेंगे। इस महत्वाकांक्षी योजना को गति देने के लिए सरकार ने 6 प्रमुख निर्माण एजेंसियों को जिम्मेदारी सौंपी है। इन विद्यालयों में गुण-वत्तापूर्ण शिक्षा के साथ ही कौशल विकास, खेलकूद, सुविधा और सुरक्षा।का पूरा ख्याल रखा जाएगा। परियोजना के तहत प्रत्येक विद्यालय में 30 स्मार्ट क्लासरूम, डिजिटल लाइब्रेरी और कंप्यूटर लैब, आधुनिक विज्ञान प्रयोगशाला और मिनी स्टेडियम और बड़ा खेल मैदान विकसित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त, इनमें कौशल विकास केंद्र और वर्कशॉप, शिक्षकों के लिए आवासीय सुविधा और सीसीटीवी निगरानी, वाई-फाई, स्वच्छ जल और शौचालय की भी व्यवस्था होगी।

जिन जिलों में निर्माण कार्य शुरू हुआ है उनमें सीतापुर, बिजनौर, कानपुर देहात, महाराजगंज, अम्बेडकर नगर, बुलन्दशहर, खीरी, बलिया, सुल्तानपुर, हमीरपुर, रायबरेली, औरैया, अमेठी, हरदोई, अमरोहा, चित्रकूट, ललितपुर, जालौन, चन्दौली, फिरोजाबाद, श्रावस्ती, इटावा, मैनपुरी, हापुड़, कौशाम्बी, मऊ, गाजियाबाद, शाहजहांपुर, गौतमबुद्धनगर, संतकबीरनगर, सम्भल, गाजीपुर, मुजफ्फरनगर, रामपुर, हाथरस, बदायूं, बहराइच, भदोही और बागपत शामिल हैं।

# एक करोड़ तक का काम करा सकेंगी नगर पंचायतें

### योगी सरकार ने नगर पंचायतों को दी वित्तीय स्वायत्तता

**लखनऊ, 22 जून (एजेंसियां)।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में नगर विकास विभाग ने प्रदेश के नगरीय निकायों को और अधिक वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वायत्तता प्रदान करने की दिशा में एक अहम कदम उठाया है। नगर विकास विभाग ने वर्ष 2021 में जारी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) में व्यापक संशोधन करते हुए संचालन प्रक्रिया को अधिक सरल और जवाबदेह बनाया है। इसके तहत अब नगर पंचायतों को 1 करोड़ और पालिका परिषदों को 2 करोड़ रुपए तक के कार्य स्वयं करने की स्वायत्तता होगी।

साथ ही नगरीय निकायों द्वारा करवाये जाने वाले निर्माण कार्यों में होने वाली गड़बड़ी या गुणवत्ता में कमी के लिए पचास-पचास प्रतिशत राशि संबंधित ठेकेदार और प्रशासनिक अधिकारी से वसूलने का भी प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त नगरीय निकायों की विकास प्रक्रिया को तेज करने के लिये नई तकनीक के इस्तेमाल पर भी जोर दिया जाएगा। नगर विकास विभाग ने 74वें संविधान संशोधन के मुताबिक नगरीय निकायों को अधिक वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वायत्तता प्रदान की है। नगर विकास विभाग ने 2021 में जारी मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) में जरूरी बदलावों को मंजूरी दी है। इसके तहत विभाग ने बाजार दरों में वृद्धि को ध्यान में रखते हुए नगरीय निकायों की वित्तीय सीमा को पुनः निर्धारित किया है। जिसके अनुसार अब प्रदेश की नगर पंचायतें 1 करोड़ और नगर पालिका परिषदें 2 करोड़ रुपए के निर्माण एवं अन्य विकास कार्य करने की अनुमति प्रदान की है। जबकि अभी तक उन्हें केवल 40 लाख रुपए तक के कार्य कराने की ही अनुमति थी। नगर विकास विभाग ने प्रमुख सचिव अमृत अभिजात ने कहा कि एसओपी में संशोधन से स्थानीय नगरीय निकायों को न केवल वित्तीय स्वायत्तता मिलेगी, बल्कि विकास कार्यों की गुणवत्ता और पारदर्शिता भी सुनिश्चित होगी। यह नगरीय प्रशासन को जनहित में अधिक प्रभावी बनाएगा।

नगर विकास विभाग ने नगरीय निकायों के निर्माण एवं विकास कार्यों में गड़बड़ी या गुणवत्ता में कमी के लिए संबंधित ठेकेदार,अभियंता और प्रशासनिक अधिकारी की जवाबदेही को नये सिरे से तय किया है। एसओपी में किए गए प्रमुख संशोधन के अनुसार, किसी भी निर्माण या विकास कार्य में गुणवत्ता की कमी या मापन में त्रुटि के कारण यदि अतिरिक्त भुगतान होता है, तो उसकी वसूली संबंधित ठेकेदार से 50 प्रतिशत और शेष 50 प्रतिशत राशि अभियंता एवं प्रशासनिक अधिकारियों से वसूल की जाएगी। वसूली की प्रक्रिया जिलाधिकारी द्वारा निर्धारित व संचालित की जाएगी। यदि वसूली न हो सके तो इसे भू-राजस्व की तरह वसूलने का प्रावधान है। एसओपी में हुए संशोधन में नगरीय निकायों द्वारा विकास कार्यों के लिये आधुनिक तकनीकी के इस्तेमाल पर भी जोर दिया गया है। इसके अनुसार नगरीय निकायों की 3.75 मीटर से अधिक चौड़ी सड़कों के निर्माण के लिये एफडीआर तकनीकी का प्रयोग किया जा सकेगा। साथ ही ये सड़कें सीसी रोड़ या डमरीकृत बनाई जाएंगी। इनके अलावा 3.75 मीटर तक चौड़ी सड़कों पर इंटरलॉकिंग टाइल्स का प्रयोग किया जा सकेगा, बशर्ते वह मुख्य मार्ग न हों और उन पर भारी वाहन न चलते हों।

साथ ही नई एसओपी के तहत 3.75 मीटर से कम चौड़ी सड़कों के लिए केसी टाइप नाली और उससे अधिक चौड़ी सड़कों के लिए यू-टाइप आरसीसी नाली के निर्माण को मंजूरी दी गई है। इनका निर्माण लोक निर्माण विभाग और आईआरसी मानकों के अनुसार किया जाएगा। साथ ही निकायों को निर्देशित किया गया है कि वे वार्डवार सड़क डायरेक्ट्री, अभिलेखीकरण और जीआईएस मैपिंग करें। ताकि दीर्घकालिक योजनाएं आसानी से बनाई जा सकें। साथ ही सभी विकास योजनाएं सड़क, जल निकासी और रोड लाइट को समाहित करते हुए समेकित रूप में बनाई जाएंगी। यह संशोधित एसओपी नगरीय प्रशासन के विकेंद्रीकरण और जवाबदेही को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

# स्पाइसजेट को यात्री को 25,000 का जुर्माना देने का आदेश

**यात्री को गलत टिकट जारी करने का मामला**

मुंबई, 22 जून (एजेंसियां)।

उपभोक्ता आयोग ने एयरलाइन कंपनी स्पाइसजेट को यात्री को 25,000 रुपये का जुर्माना देने का आदेश दिया है। उपभोक्ता आयोग ने कहा है कि 2020 में यात्री की यात्रा का मार्ग बदलते समय एयरलाइन ने उसे गलत टिकट जारी किया था। इससे यात्री को आर्थिक और मानसिक परेशानी का सामना करना पड़ा। जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग, मुंबई (उपनगर) ने पारित आदेश में, यात्री को मानसिक उत्पीड़न के लिए स्पाइसजेट को सेवा में खामी और लापरवाही का जिम्मेदार ठहराया है। घाटकोपर इलाके में रहने वाले शिकायतकर्ता एक वरिष्ठ नागरिक हैं। उन्होंने पांच दिसंबर, 2020 के लिए मुंबई से दरभंगा और दो दिन बाद वापसी की यात्रा के लिए स्पाइसजेट की टिकट बुक की थी। मुंबई से दरभंगा की यात्रा पूरी हो गई थी, लेकिन खराब मौसम के कारण वापसी की उड़ान रद्द कर दी गई। शिकायत में कहा गया है कि चूंकि उन्हें आठ दिसंबर, 2020 को मुंबई में पीएचडी ऑनलाइन परीक्षा देनी थी, इसलिए उन्होंने वैकल्पिक व्यवस्था का अनुरोध किया। स्पाइसजेट ने उसी दिन पटना से कोलकाता और फिर कोलकाता से मुंबई की यात्रा के लिए वैकल्पिक टिकट उपलब्ध कराया। हालांकि, पटना पहुंचने पर, हवाई अड्डा अधिकारियों ने उन्हें बताया कि जारी किया गया टिकट गलत था, क्योंकि कोलकाता से मुंबई के लिए उड़ान उनके कोलकाता पहुंचने से पहले ही रवाना होने वाली थी। इस गड़बड़ी के कारण शिकायतकर्ता को अगली सुबह के लिए अपने खर्च पर दूसरी उड़ान बुक करनी पड़ी।

## न्यूज ब्रीफ

### पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं

**नई दिल्ली।** वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम स्थिर है। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार देश में रविवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.73 प्रतिशत उबलकर 74.04 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं, लंदन ब्रेंट क्रूड 0.40 प्रतिशत की तेजी लेकर 77.32 डॉलर प्रति बैरल पर रहा। दिल्ली पेट्रोल 94.72, डीजल 87.62 रुपए प्रति लिटर, मुंबई में पेट्रोल 104.21, डीजल 92.15 रुपए प्रति लिटर, चेन्नई पेट्रोल 100.75, डीजल 92.34 रुपए प्रति लिटर और कोलकाता में पेट्रोल 103.94, डीजल 90.76 रुपए प्रति लिटर बिक रहा है।

### इस साल दो खदान से उत्पादन शुरू करेगी सीसीएल

**रांची।** कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की इकाई सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड (सीसीएल) चालू वित्त वर्ष में दो नई कोयला खदानों से उत्पादन शुरू करने की तैयारी कर रही है। कंपनी के एक प्रमुख अधिकारी ने कहा कि इससे कंपनी की उत्पादन क्षमता में सालाना एक से 1.2 करोड़ टन बढ़ेगी। जिससे सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष में 11 करोड़ टन और 2030 तक 15 करोड़ टन उत्पादन के आंकड़े को पार कर सकता है। सीसीएल के अधिकारी ने यहां मीडियाकर्मियों से बातचीत के दौरान कहा कि हमने इस साल दो नई खदानें खोलने की योजना बनाई है। कंपनी की योजना अक्टूबर तक 50 लाख टन (एमटी) की अधिकतम क्षमता वाले कोटरे बसंतपुर ब्लॉक (कोकिंग कोयला खान) में उत्पादन शुरू करने की है। वहीं 1.5 करोड़ टन सालाना क्षमता की खुली चंद्रगुप्त खान परियोजना (गैर-कोकिंग कोयला) के मामले में उत्पादन मार्च, 2026 तक शुरू होने की उम्मीद है। कंपनी ने बीते वित्त वर्ष 2024-25 में 8.75 करोड़ टन कोयले का उत्पादन किया। यह सीसीएल का अबतक का सबसे ऊंचा सालाना उत्पादन है।

### भू-राजनीतिक तनाव से 63 प्रतिशत कंपनियों ने नई नियुक्तियां रोकीं : रिपोर्ट

**मुंबई।** पश्चिम एशिया में चल रहे युद्ध के दौरान भू-राजनीतिक तनाव से भारतीय कंपनियों भी प्रभावित हुई हैं। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि 63 प्रतिशत कंपनियों ने इस परिस्थितियों में या तो भर्तियां रोकने का फैसला किया या अपने कर्मचारियों ने छंटनी करने का फैसला किया है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सर्वे में शामिल 63 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने कहा कि उनकी कंपनी या तो भर्ती रोक रही है या अपनी टीम का आकार घटा रही है। वहीं 15 प्रतिशत अन्य ने कहा कि भू-राजनीतिक तनाव बढ़ने के बीच अनुबंध-आधारित या 'फ्रीलांस' भूमिकाओं की ओर स्पष्ट बदलाव देखने को मिल रहा है। यह रिपोर्ट 12 मई से छह जून के दौरान देशभर के विभिन्न क्षेत्रों के 2,006 कर्मचारियों के बीच एक ऑनलाइन सर्वेक्षण पर आधारित है। रिपोर्ट से पता चलता है कि सर्वे में शामिल 36 प्रतिशत कर्मचारियों ने कहा कि भू-राजनीतिक अस्थिरता के मद्देनजर उनकी वेतनवृद्धि, बोनस या मूल्यांकन प्रभावित हुआ है। वहीं 21 प्रतिशत से अधिक कर्मचारियों ने कहा कि उनपर कार्य का दबाव बढ़ा है, जबकि 22 प्रतिशत ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार संपर्क या यात्रा बाधित हुई है। 21 प्रतिशत ने कहा कि टीम का मनोबल और नौकरी का भरोसा कम हो रहा है।रिपोर्ट में कहा गया है कि 30 प्रतिशत कर्मचारियों ने स्वीकार किया कि वे बेहद चिंतित हैं और पहले से ही चेतावनी के शुरुआती संकेत देख रहे हैं। वहीं 26 प्रतिशत ने कहा कि वे थोड़े चिंतित हैं।

# चंदा कोचर ने रखा था एचडीएफसी आईसीआईसीआई मर्जर का प्रस्ताव : पारेख

मुंबई, 22 जून (एजेंसियां)।

**एचडीएफसी के पूर्व चेयरमैन दीपक पारेख ने हाल ही में एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि कई साल पहले आईसीआईसीआई बैंक की तत्कालीन प्रमुख चंदा कोचर ने एचडीएफसी और आईसीआईसीआई बैंक के बीच मर्जर का प्रस्ताव रखा था।**

यह बात पारेख ने चंदा कोचर के यूट्यूब चैनल पर एक बातचीत के दौरान शेयर की। उन्होंने कहा कि मुझे याद है, आपने मुझसे कहा था कि आईसीआईसीआई ने ही एचडीएफसी को शुरू किया था, तो क्यों न आप वापस घर आ जाएं।

पारेख ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया था। उनका कहना था कि यह मर्जर एचडीएफसी के नाम और बैंक के लिए सही नहीं होता। यह बात पहले कभी सार्वजनिक नहीं हुई, लेकिन अब वह इसे शेयर करने में सहज हैं। गौरतलब है कि एचडीएफसी लिमिटेड और एचडीएफसी बैंक का बहुप्रचारित रिवर्स मर्जर जुलाई 2023 में पूरा हुआ था। इस मर्जर में रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की अहम भूमिका रही। आरबीआई ने इस मर्जर को बढ़ावा दिया। एचडीएफसी जैसी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों को महत्वपूर्ण माना गया, क्योंकि उनकी संपत्ति 5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो चुकी थी। आरबीआई का मानना था कि 50,000 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति वाली संस्थाओं को मर्जर जैसे कदम उठाने चाहिए। पारेख ने कहा कि आरबीआई ने हमें सपोर्ट किया और कुछ हद तक इस मर्जर के लिए प्रेरित किया, लेकिन कोई छूट नहीं दी गई। चीन के बैंकों को देखिए, कितने बड़े हैं। हमें भी भारत में बड़े और मजबूत बैंक बनाने होंगे। उन्होंने यह भी जोड़ा कि भारतीय बैंकों को अधिग्रहण के जरिए और बड़ा होना चाहिए। पारेख ने वैश्विक स्तर पर सप्लाई चेन, व्यापार नीतियों और निर्यात की अनिश्चितताओं को लेकर भी चिंता जताई। साथ ही, उन्होंने इंश्योरेंस सेक्टर को लेकर कहा कि यह भारत में सबसे कम समझा जाने वाला प्रोडक्ट है। उन्होंने बैंकों द्वारा अच्छे कमीशन के लालच में गलत तरीके से इंश्योरेंस बेचने की प्रथा की भी आलोचना की।

### नया स्मार्टफोन गैलेक्सी एम 36 5जी जल्द होगा लॉन्च

**नई दिल्ली।** भारत में सैमसंग बहुत जल्द अपना नया स्मार्टफोन गैलेक्सी एम 36 5जी लॉन्च करने जा रही है। इसे खास तौर पर युवा उपभोक्ताओं को ध्यान में रखकर डिजाइन किया गया है। यह फोन कंपनी की लोकप्रिय एम-सीरीज का हिस्सा होगा। इस बारे में कंपनी का कहना है कि यह डिवाइस स्टाइलिश लुक, हल्के डिजाइन और स्मार्ट फीचर्स के साथ आएगा, जो रोजमर्रा के उपयोग के लिए उपयुक्त होगा। फोन में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्षमताएं शामिल होंगी जो यूजर के व्यवहार के अनुसार खुद को अनुकूलित कर सकेंगी। इसके अलावा यह फोन तेज प्रदर्शन भी देने में सक्षम होगा, जिससे मल्टीटास्किंग, गेमिंग और वीडियो स्ट्रीमिंग जैसे काम बिना किसी रुकावट के किए जा सकेंगे।गैलेक्सी एम 35 5जी को लेकर सामने आई जानकारी के अनुसार, यह फोन एक्सीनोस 1380 प्रोसेसर पर चलेगा और इसमें 6जीबी रैमहो सकती है। गीकबेंच पर इसने सिंगल-कोर में 1004 और मल्टी-कोर में 2886 अंक हासिल किए हैं। फोन एंड्राएड 15 पर आधारित वन यूआई 7 के साथ आ सकता है, जिसमें कुछ उन्नत एआई फीचर्स भी देखने को मिल सकते हैं। इसके डिजाइन को लेकर कहा जा रहा है कि यह हल्का और आकर्षक होगा, जो खासतौर पर उन लोगों को पसंद आएगा जो कम कीमत में प्रीमियम लुक वाला फोन चाहते हैं। कीमत की बात करें तो गैलेक्सी एम 35 5जी की शुरुआती कीमत करीब रुपए 20,000 हो सकती है, जो इसके पिछले मॉडल गैलेक्सी एम 35 5जी की शुरुआती कीमत रुपए 19,999 के आसपास है।

# भूकंप अलर्ट सिस्टम को स्मार्टवॉच पर लाने की तैयारी में गूगल

नई दिल्ली, 22 जून (एजेंसियां)।

**गूगल कंपनी अब अपने भूकंप अलर्ट सिस्टम को स्मार्टवॉच पर लाने की तैयारी में है। इसी दिशा में गूगल एक नया कदम उठाने जा रहा है। पहले से एंड्राएड स्मार्टफोन में उपलब्ध यह फीचर अब वियर ओएस आधारित स्मार्टवॉच पर भी उपलब्ध कराया जाएगा, जिससे यूजर्स को भूकंप की रियल-टाइम चेतावनी समय रहते मिल सकेगी। यह अलर्ट सिस्टम खासकर उन क्षेत्रों में उपयोगी होगा जहां भूकंप का खतरा ज्यादा होता है। समय पर चेतावनी मिलने से लोग सुरक्षित स्थान पर जा सकते हैं और जान-माल के नुकसान से बचा जा सकता है।**

हालांकि भारत में इस फीचर की उपलब्धता को लेकर फिलहाल कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है, लेकिन उम्मीद है कि वियर ओएस डिवाइसेस के लिए जैसे ही अपडेट आएगा, इसका विस्तार भारत समेत अन्य देशों में भी किया जाएगा। अब यही तकनीक स्मार्टवॉच में भी उपयोग की जाएगी, जिससे उपयोगकर्ताओं को सीधे उनकी कलाई पर भूकंप की चेतावनी मिलेगी। यह सिस्टम केवल चेतावनी ही नहीं, बल्कि भूकंप के केंद्र यानी एपिकसेंटर की जानकारी भी साझा करता है।

हालांकि अलर्ट मिलने का समय कितना पहले होगा, इसकी जानकारी अभी गूगल ने नहीं दी है। यह फीचर वीयर ओएस को और भी ज्यादा उपयोगी और जीवनरक्षक बना सकता है। गूगल का यह सिस्टम पारंपरिक सेइस्मोमीटर की बजाय स्मार्टफोन में मौजूद मोशन सेंसर का इस्तेमाल करता है। जब एक ही इलाके में कई डिवाइस एक साथ कंपन महसूस करते हैं, तो ये डाटा गूगल सर्वर तक भेजा जाता है, जो पुष्टि होने पर तुरंत यूजर्स को अलर्ट भेजता है।

### नया इलेक्ट्रिक स्कूटर वीडा वीएक्स2 जल्द होगा लॉन्च

अगले महीने 1 जुलाई 2025 को हीरो मोटोकॉर्प कंपनी अपना नया इलेक्ट्रिक स्कूटर वीडा वीएक्स2 लॉन्च करने जा रही है। यह स्कूटर खास तौर पर उन ग्राहकों को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है जो बजट फ्रेंडली विकल्प की तलाश में हैं। वीडा वीएक्स2 को बेट्री-एस-ए- सर्विस मॉडल पर पेश किया जाएगा। इस मॉडल के तहत ग्राहकों को बैटरी खरीदने की जरूरत नहीं होगी, बल्कि वे इसे किराए पर ले सकेंगे। इससे स्कूटर की शुरुआती कीमत काफी हद तक कम हो जाएगी और इलेक्ट्रिक मोबिलिटी आम लोगों की पहुंच में आएगी। ग्राहकों को अपनी जरूरत के मुताबिक सब्सक्रिप्शन प्लान चुनने की सुविधा मिलेगी। कंपनी की योजना ऐसे प्लान लाने की है जो डेली कम्यूटर, वीकेंड यूजर और ज्यादा दूरी तय करने वालों के लिए अलग-अलग विकल्प देंगे। वीडा वीएक्स2 असल में वीडा झेड कॉन्सेप्ट पर आधारित है जिसे पहली बार ईआईसीएमए में पेश किया गया था। वीएक्स2 को हीरो की अब तक की सबसे सस्ती इलेक्ट्रिक स्कूटर माना जा रहा है। इसकी बुकिंग और डिलीवरी 1 जुलाई से शुरू हो सकती है। स्कूटर लॉन्च के साथ ही देश के कई शहरों में उपलब्ध कराई जाएगी। वीएक्स2 का सीधा मुकाबला बजाज चेतक, ओला एस1 एयर, एथर 450एस और टीवीएस आईक्यूब जैसे लोकप्रिय मॉडलों से होगा।

# म्युचुअल फंड के नियमों में बड़े बदलाव की योजना बना रहा सेबी

**निवेशकों के लिए आसान और पारदर्शी सिस्टम बनाया जाएगा**

मुंबई, 22 जून (एजेंसियां)।

सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) म्यूचुअल फंड के नियमों में बड़ा बदलाव करने पर विचार कर रहा है। इसका मकसद निवेशकों के लिए प्रक्रिया को सरल बनाना और इंडस्ट्री को और मजबूत करना है। सेबी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने हाल ही में कोलकाता में इंडियन चैंबर ऑफ कॉमर्स (आईसीसी) के 17वें म्यूचुअल फंड सम्मेलन में यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि मौजूदा नियम काफी जटिल और लंबे हैं, जिन्हें सरल करने की जरूरत है ताकि निवेशकों की बदलती जरूरतों और इंडस्ट्री की नई तकनीकों के साथ कदम मिलाया जा सके। उन्होंने बताया कि सेबी ने म्यूचुअल फंड नियमों की समीक्षा शुरू कर दी है। जल्द ही नए नियमों का ड्राफ्ट तैयार किया जाएगा, जिस पर लोगों से राय ली जाएगी। हालांकि, उन्होंने नए नियम लागू होने की कोई समयसीमा नहीं बताई। इसके अलावा म्यूचुअल फंड में सलाहकारी सेवाओं से जुड़े नियमों पर भी एक परामर्श पत्र तैयार किया जा रहा है।

सेबी का लक्ष्य है कि म्यूचुअल फंड भारत के वित्तीय बाजार को और मजबूत करें और निवेशकों का भरोसा बढ़ाएं। सेबी ने निवेशकों को ज्यादा विकल्प देने के लिए एक नई प्रोडक्ट श्रेणी एसआईएफ को मंजूरी दी है। यह उन निवेशकों के लिए है जो 10 लाख से 50 लाख रुपये तक का निवेश करना चाहते हैं। म्यूचुअल फंड को इस प्रोडक्ट को संभालने की जिम्मेदारी दी गई है क्योंकि उनके पास मजबूत ढांचा और खुदरा निवेशकों का अनुभव है। साथ ही पोर्टफोलियो मैनेजमेंट सर्विसेज और ऑल्टरनेटिव इनवेस्टमेंट फंड के लिए भी तेजी से रजिस्ट्रेशन की सुविधा शुरू की गई है। उन्होंने कहा कि भारत का म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री तेजी से बढ़ रहा है। इस समय इसका कुल एयूएम 72 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा है और हर महीने एसआईपी के जरिए 28,000 करोड़ रुपये का निवेश हो रहा है।

# मूवर्स एंड पैकर्स कंपनी प्रबंधन का डेटा चोरी, मुकदमा दर्ज, ठग ग्राहकों तक बना रहे अपनी पहुंच

नोएडा,22 जून (एजेंसियां)।

नोएडा में मूवर्स एंड पैकर्स कंपनी प्रबंधन का डेटा चोरी हो गया है। इससे ठग ग्राहकों तक अपनी पहुंच बनाने का प्रयास कर रहे हैं। ग्राहकों के शिकायत पर कंपनी प्रबंधन ने जानकारी कि तो डेटा में सेंधमारी होने का पता चला। कंपनी के समूह अध्यक्ष व सीईओ ने साइबर क्राइम थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। दिल्ली द्वारिका के रहने वाले जसविंदर सिंह अहलूवालिया की सेक्टर 60 में अग्रवाल मूवर्स एंड पैकर्स के नाम से कंपनी का कार्यालय है। वह कंपनी के समूह अध्यक्ष व सीईओ हैं। उनका कंपनी प्रबंधन एक प्रतिष्ठित सार्वजनिक लॉजिस्टिक्स संगठन है, जो देशभर के ग्राहकों को सेवा प्रदान करता है। इनमें वरिष्ठ नौकरशाह, रक्षा कर्मी, न्यायाधीश, राजनयिक और प्रमुख नागरिक शामिल हैं। एक जून से ग्राहकों के पास ठगों के काल पहुंचने की शिकायत मिल रही हैं। ग्राहकों का कहना है कि उन्होंने लाजिस्टक संबंधी जानकारी केवल कंपनी प्रबंधन के साथ ही साझा की थी। इस जानकारी के साथ ही अन्य लोगों की काल आ रही है। इससे साफ है कि कंपनी प्रबंधन की चूक के चलते ही

उनकी जानकारी लीक हो रही है। इसका पता चलने पर कंपनी प्रबंधन ने संज्ञान लिया जबकि वह डेटा की गोपनीयता बनाए रखने के लिए उच्च स्तरीय केंद्रीकृत साइबर सुरक्षा रखते हैं। कड़ी सुरक्षा के बाद भी प्रबंधन को पता चला है कि अवैध साइबर घुसपैठ हो रही है। इससे ग्राहकों के नाम, पते व सामान की जानकारी का दुरुपयोग किया जा रहा है। वह इसके संबंध में तकनीकि ऑडिट भी करा चुके हैं। उन्होंने डेटा हैकिंग, डेटा चोरी और दुरुपयोग के संबंध में साइबर क्राइम थाना पुलिस से शिकायत की। डीसीपी साइबरने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है।

### डीजीसीए ने एयर इंडिया के निरीक्षणों, लेखा परीक्षा का मांगा ब्योरा

**मुंबई।** विमानन सुरक्षा नियामक डीजीसीए ने उड़ान संचालन निरीक्षकों से 2024 से एयर इंडिया के लिए किए गए निरीक्षणों और लेखा परीक्षा का ब्योरा प्रस्तुत करने को कहा है। सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक उन्होंने कहा कि निरीक्षणों और लेखा परीक्षा के निष्कर्षों का ब्योरा रविवार तक जमा करना होगा। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने ई-मेल के जरिए भेजे गए संदेश में 2024 और 2025 के लिए ये विवरण मांगे हैं। नियामक ने इससे एक दिन पहले एयरलाइन को उड़ान कार्य समय सीमा (एफडीटीएल) के उल्लंघन के लिए कारण बताओ नोटिस जारी किया था और कुछ खामियों के लिए एयरलाइन के तीन वरिष्ठ अधिकारियों को उनके पदों से हटाने का आदेश दिया था। ईमेल के अनुसार नियोजित और अनियोजित निरीक्षण, लेखा परीक्षा, कॉकपिट/मार्ग, स्टेशन सुविधा, रैंप और केबिन निरीक्षण आदि पर विवरण मांगा गया है।

# लीड्स टेस्ट- भारत तीसरे दिन 96 रनों से आगे

## राहुल-गिल नाबाद, इंग्लैंड पहली पारी में 465 रन पर आउट, बुमराह को 5 विकेट

**लीड्स, 22 जून (एजेंसियां)।** भारत तेंदुलकर-एंडरसन ट्रॉफी के पहले टेस्ट के तीसरे दिन इंग्लैंड से 96 रन आगे हैं। टीम ने रविवार को दूसरी पारी में दो विकेट पर 90 रन बना लिए हैं। भारतीय टीम को पहली पारी में 6 रन की बढ़त मिली।लीड्स में बारिश के कारण जल्दी स्टंप्स कर दिया गया। केएल राहुल 47 और कप्तान शुभमन गिल 6 रन पर नाबाद लौटे। साई सुदर्शन 30 और यशस्वी जायसवाल 4 रन बनाकर आउट हुए। बेन स्टोक्स ने डेब्यू मैच खेल रहे साई सुदर्शन को दोनों पारियों में पवेलियन भेजा।इससे पहले इंग्लैंड पहली पारी में 465 रन पर ऑलआउट हो गई। ओली पोप 106, हैरी ब्रूक 99 और बेन डकेट 62 रन

बनाकर आउट हुए। जैमी स्मिथ ने 40 और क्रिस वोक्स ने 38 रन बनाए। जसप्रीत बुमराह ने 5 विकेट झटके। भारतीय टीम ने पहली पारी में 471 रन बनाए थे।

भारत ने 21वें ओवर में दूसरा विकेट गंवाया। यहां साई सुदर्शन 30 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें बेन स्टोक्स ने जैक क्रॉली के हाथों कैच कराया। स्टोक्स ने डेब्यू मैच खेल रहे साई सुदर्शन को दोनों पारियों में आउट किया। उन्होंने दूसरे विकेट के लिए केएल राहुल के साथ 66 रन की पार्टनरशिप ब्रेक की। 18वें ओवर की आखिरी बॉल पर साई सुदर्शन को जीवनदान मिला। जोश टंग की बॉल पर बेन डकेट से बैकवर्ड पॉइंट पर उनका कैच ड्रॉप हुआ। यहां साई सुदर्शन 24 रन के स्कोर पर खेल रहे थे।

17वें ओवर में केएल राहुल और साई सुदर्शन ने फिफ्टी पार्टनरशिप पूरी की। केएल राहुल ने बेन स्टोक्स की तीसरी बॉल पर एक रन लेकर साझेदारी को 50 पार पहुंचाया। टीम ने 16 रन पर पहला विकेट गंवाया था। इंग्लैंड के खिलाफ भारत की बढ़त 50 रन पार हो गई है। केएल राहुल ने ब्रायडन कार्स के ओवर में 2 चौके लगाकर कुल बढ़त को 50 पार पहुंचाया।

भारतीय टीम ने तीसरे ओवर में पहला विकेट गंवा दिया है। यहां यशस्वी जायसवाल 4 रन बनाकर आउट हुए। उन्हें ब्रायडन कार्स ने जैमी स्मिथ के हाथों कैच कराया।हेडिंग्ले टेस्ट के तीसरे दिन का दूसरा सेशन भारतीय गेंदबाजों के नाम रहा। इस सेशन में 138 रन बने, वहीं 5 विकेट भी गिरे।

पहली पारी में इंग्लैंड ने 465 रन बनाए जिससे भारत को 6 रनों की बढ़त मिली। टीम की ओर से हैरी ब्रूक ने 99 रन की शानदार पारी खेली, जबकि जैमी स्मिथ ने 40 रन जोड़े।

गेंदबाजी में भारत के लिए जसप्रीत बुमराह ने 5 विकेट झटके, जबकि प्रसिद्ध कृष्णा ने 3 विकेट लेकर दबाव बनाया।

## न्यूज़ ब्रीफ

### भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने 4 देशों के टूर्नामेंट में ऑस्ट्रेलिया पर 3-1 से जीत दर्ज की

**बर्लिन।** भारतीय जूनियर हॉकी टीम ने बर्लिन के टीसी 1899 ब्लाउ वीस स्टेडियम में 4 देशों के टूर्नामेंट में अपने दूसरे मैच में ऑस्ट्रेलिया पर 3-1 से शानदार जीत दर्ज की। भारत के लिए शारदानंद तिवारी (15वें मिनट), सौरभ आनंद कुशवाहा (36वें मिनट) और आमिर अली (43वें मिनट) ने गोल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया के लिए एकमात्र गोल ओलिवर विल (55वें मिनट) ने किया। भारतीय टीम ने मैच की शुरुआत मजबूती से की और 15वें मिनट में शारदानंद तिवारी ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर अपनी टीम को बढ़त दिला दी। पहले हाफ के बाकी समय में दोनों टीमों ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन गोल नहीं आया। भारतीय टीम ने तीसरे क्वार्टर में लगातार दो गोल करके अपनी लय को बनाए रखा। 36वें मिनट में सौरभ आनंद कुशवाह ने ऑस्ट्रेलियाई गोलकीपर को छकाते हुए एक महत्वपूर्ण फील्ड गोल करके भारत की बढ़त को और मजबूत किया। इसके कुछ ही देर बाद 43वें मिनट में आमिर अली ने गोल करके भारत को जीत के और करीब पहुंचा दिया। मैच के अंतिम क्वार्टर में ऑस्ट्रेलिया ने भी पांच मिनट शेष रहते ओलिवर विल के गोल की बदौलत एक गोल करने में सफलता प्राप्त की। हालांकि, वे दो और गोल नहीं कर सके और भारतीय टीम ने 3-1 से मुकाबला अपने नाम किया। भारतीय टीम का अगला मैच 24 जून को इसी स्थान पर स्पेन से होगा।

### बल्लेबाजी स्टाइल में बदलाव से शुभमन बेहतर हुए : कोटक

**लीड्स।** इंग्लैंड दौरे की शुरुआत में ही भारतीय क्रिकेट टीम के नये कप्तान शुभमन गिल ने शानदार शतक लगाया है। इससे अंदाजा होता है कि शुभमन के हौसले बुलंद हैं। भारतीय टीम के बल्लेबाजी कोच ष्ने भी कहा है कि शुभमन की बल्लेबाजी बेहतर होने का कारण बल्लेबाजी स्टाइल में बदलाव करना रहा है। कोटक के अनुसार शुभमन ने ऑस्ट्रेलिया दौरे में अपनी खराब बल्लेबाजी से सबक लेते हुए अपनी तकनीक में कई बदलाव किए हैं जिसका लाभ उन्हें मिला है। साथ ही कहा कि अभ्यास के दौरान ही जब वह नेट्स में बल्लेबाजी कर रहे थे तो उनमें बदलाव देखा गया था। कोटक ने कहा,ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद उन्होंने कुछ चीजों के बारे में विचार कर उनपर अमल किया। ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद चैंपियंस ट्रॉफी और फिर आईपीएल था, इसलिए वह शुभमन पर अधिक ध्यान नहीं दे पाये थे पर ये साफ है कि उन्होंने कुछ चीजों पर काम किया और जैसे ही मैंने उन्हें नेट्स में देखा, मैंने उनसे बात की कि 'आपने कुछ बदलाव किए हैं' और उन्होंने हां कहा। उन्हें इस बात का श्रेय जाता है कि उन्होंने अपना विश्लेषण किया और मुझे लगता है कि उन्होंने इसे बहुत अच्छी तरह से लागू भी किया। शुभमन ने ऑस्ट्रेलिया में तीन टेस्ट खेलकर पांच पारियों में केवल 93 रन बनाए थे। वहीं अब कप्तानी करते हुए उन्होंने एक ही पारी में इससे अधिक रन बना लिए हैं। उनकी 147 रनों की पारी से भारतीय टीम पहली पारी में 471 रन तक पहुंची हैं जिसके जवाब में इंग्लैंड ने दूसरे दिन तीन विकेट पर 209 रन बनाये। वहीं उन्होंने आक्रामक बल्लेबाज ऋषभ पंत के बारे में भी कहा कि वह अपनी अपनी योजनाएं खुद बनाते हैं और तय करते हैं कि कैसे खेलना है और फिर बल्लेबाजी करते जिन्होंने यहां पहली ही पारी में 178 गेंदों पर 134 रन बनाए। साथ ही कहा कि ऋषभ की ये पारी सामान्य शैली से थोड़ी अलग थी पर ये उनकी योजना का ही हिस्सा था। वह पिछले कुछ समय से रन नहीं बना पाये थे जिसको देखते हुए अन्होंन इस पारी में अपना अंदाज बदला है। इससे पहले ऑस्ट्रेलिया दौर में उनपर लापरवाही से बल्लेबाजी के आरोप लगे थे।

### गाले टेस्ट के ड्रॉ होने के साथ ही डब्ल्यूटीसी अंकतालिका की शुरुआत हुई

**गाले।** श्रीलंका और बांग्लादेश के बीच पहला क्रिकेट टेस्ट मैच ड्रॉ होने के साथ ही विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) की अंक तालिका की भी शुरुआत हो गयी है। इसमें दोनो ही टीमों को 4-4 अंक दिये गये हैं। इस मैदान पर 12 साल बाद कोई मैच ड्रॉ पर समाप्त हुआ। 12 साल बाद इस मैदान पर ड्रॉ हुआ कोई मैच इससे पहले अंतिम बार जब श्रीलंका ने इस मैच पर ड्रॉ मैच खेला तब विरोध टीम बांग्लादेश थी। इसके बाद से ही यहां 26 मैच हुए हैं और हर मैच का परिणाम निकला है। गॉल टेस्ट ड्रॉ होने के बाद अब सभी की नजरे कोलंबो में 25 जून से होने वाले दूसरे मैच पर रहेंगी। दोनो ही टीमें इसे जीतकर सीरीज अपने नाम करना चाहेंगी। इसी दौरान भारत और इंग्लैंड टेस्ट का भी परिणाम आ जाएगा।

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

### ईरान के तीन ...

कि उन्हें तुरंत शांति स्थापित करनी चाहिए अन्यथा उन्हें फिर से हमला झेलना पड़ेगा।

बंकर-बस्टर बमों और टॉमहॉक मिसाइलों के संयोजन से किए गए हमले वर्षों में ईरान के खिलाफ सबसे प्रत्यक्ष अमेरिकी सैन्य कार्रवाई थी। ट्रंप ने कहा कि फोर्डो पर छह बंकर-बस्टर बम गिराए गए और लगभग 30 टॉमहॉक मिसाइलों ने अन्य परमाणु प्रतिष्ठानों को निशाना बनाया। पेंटागन ने भी पुष्टि की है कि हमले में बी-2 बमवर्षक विमानों का इस्तेमाल किया गया था, जो इजराइल और ईरान के बीच बढ़ते तनाव और एक सप्ताह तक जारी संघर्ष के बाद हुआ है। शनिवार को अमेरिका ने प्रशांत द्वीप गुआम में बी-2 बमवर्षक विमानों को फिर से तैनात किया था। ये विमान जीबीयू-57 मैसिव ऑर्डनेंस पेनिट्रेटर (बंकर बस्टर बम) ले जाने में सक्षम हैं, जिसे फोर्डो जैसे गहरे दबे हुए लक्ष्यों को नष्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है। हाल के दिनों में ईरानी परमाणु सुविधाओं पर इजराइली अभियानों की एक सीरीज के बाद अमेरिकी हमला हुआ। विशेषज्ञों का मानना है कि इजराइल के पास फोर्डो की सुरक्षा को भेदने की क्षमता नहीं थी।

बी-2 स्टील्थ बॉम्बर अमेरिकी वायुसेना में अपनी तरह का खास हथियार है, जो तीन दशकों से अमेरिकी स्टील्थ तकनीक की रीढ़ रहा है। 1989 में अपनी पहली उड़ान के बाद से यह विमान दुनिया के सबसे ज्यादा समय तक संचालित होने वाले विमानों में से एक है। बी-2 स्टील्थ बॉम्बर में दुश्मन के एयर डिफेंस को भेदने की अद्भुत क्षमता है। इसे नॉर्थरोप ग्रूमन नामक कंपनी ने बनाया है। बी-2 स्टील्थ बॉम्बर विमान की खासियत ये है कि इसे आसानी से ट्रैक नहीं किया जा सकता। साथ ही यह बेहद ऊंचाई पर उड़ान भर सकता है, जिससे एयर डिफेंस के लिए भी इसे भेद पाना बेहद मुश्किल है। बी-2 स्टील्थ बॉम्बर पूरी सटीकता से दुश्मन ठिकानों पर हमला कर सकता है। इस अत्याधुनिक इंजीनियरिंग तकनीक से डिजाइन किया गया है, जिससे पारंपरिक रडार सिस्टम इसे नहीं पकड़ सकता। अपनी खास बनावट और फ्लाइंग विंग डिजाइन और बेहद कम इंफ्रारेड के चलते यह सिर्फ 0.001 वर्ग मीटर का रडार क्रॉस सेक्शन बनाता है, जो एक छोटी चिड़िया के बराबर होता है। यही वजह है कि जब दुश्मन के इलाके में घुसकर उसके ठिकानों पर पूरी सटीकता से हमला करना हो तो उस स्थिति में बी-2 स्टील्थ बॉम्बर का कोई मुकाबला नहीं है। यह 6 हजार नॉटिकल मील की गति से उड़ान भर सकता है। यह भारी भरकम हथियारों को ले जाने में सक्षम है। बंकर बस्टर बेहद ताकतवर विस्फोटक हैं, जो जमीन के काफी अंदर तक मार कर सकते हैं। आम तौर पर इन्हें बंकरों को तबाह करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। जीप-ीएस गाइडेड इन बमों को बेहद सुरक्षित माने जाने वाले ठिकानों को निशाना बनाया जाता है।

ईरान पर हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा, हमारा लक्ष्य दुनिया के सबसे बड़ी आतंक प्रायोजित देश ईरान के परमाणु खतरे को कम करना था। ट्रंप ने हमले के बाद देश को संबोधित किया और इसे शानदार सैन्य सफलता करार दिया। यह कदम इजराइल और ईरान के बीच चल रहे तनाव में अमेरिका की सीधी सैन्य भागीदारी को दर्शाता है। राष्ट्र के नाम संबोधन में ट्रंप ने कहा, हमारा लक्ष्य दुनिया के सबसे बड़े आतंक प्रायोजक देश ईरान के परमाणु खतरे को समाप्त करना था। उन्होंने दावा किया कि तीनों परमाणु ठिकानों को पूरी तरह नष्ट कर दिया गया है। ट्रंप ने ईरान को चेतावनी दी कि अगर वह जवाबी कार्रवाई करता है, तो अमेरिका और अधिक घातक हमले करेगा। डोनाल्ड ट्रंप कहते हैं कि ईरान पिछले 40 साल से अमेरिका के खिलाफ है और कई अमेरिकी इस नफरत की भेंट चढ़ चुके हैं। अब यह और नहीं होगा। ईरान की वजह से हजारों अमेरिकियों और इजराइली नागरिकों की जान गई है। अपने संबोधन के दौरान डोनाल्ड ट्रंप ने इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की तारीफ की और कहा कि दोनों देशों ने एक अभूतपूर्व टीम की तरह काम किया। दरअसल, इजराइल का तो शुरू से ही ईरान के परमाणु ठिकाने निशाना थे। वो इन तीनो ही परमाणु ठिकानों पर बमबारी कर चुका है। लेकिन, फोर्डो जैसे गहरे बंकरों को नष्ट करने के लिए अमेरिका की बंकर बस्टर बम जीबीयू-57 की जरूरत थी, जो केवल अमेरिकी बी-2 स्टील्थ बॉम्बर ले जा सकता है। फिलहाल, नेतन्याहू ने इन हमलों को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह मध्य पूर्व की शांति के लिए एक बड़ा कदम है।

अमेरिकी हमले के बाद ईरान ने भी त्यौरियां चढ़ा ली हैं। हालांकि ईरान की परमाणु एजेंसी ने आधिकारिक पुष्टि की है कि फोर्डो, नटांज, और इस्फहान पर हमले हुए। ईरान ने धमकी दी है कि अब वह अपनी परमाणु गतिविधियों को और तेज करेगा। अमेरिकी हमलों के बाद ईरान की सरकारी टीवी ने दावा किया कि अमेरिकी हमलों से कुछ वक्त पहले ही ईरान ने तीनों ही परमाणु ठिकानों को खाली करा लिया था। ईरान ने कहा कि इस्लामिक रिपब्लिक के परमाणु उद्योग को बमबारी करके नष्ट नहीं किया जा सकता है।

संयुक्त राष्ट्र ने अमेरिकी हमलों की कड़ी निंदा की है। संयुक्त राष्ट्र ने इसे अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करार दिया है। ईरान में मानवाधिकारों पर विशेष प्रतिवेदक सहित विशेष प्रतिवेदकों के समूह ने इजराइल पर ईरानी मिसाइल हमलों पर भी आपत्ति जताई है। संयुक्त राष्ट्र ने एक बयान में कहा कि ये (इजराइली) हमले अंतरराष्ट्रीय कानून के मौलिक सिद्धांतों का घोर उल्लंघन दर्शाते हैं।

इसके विपरीत अमेरिकी सांसदों ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के युद्ध में सीधे उतरने के फैसले की सराहना की है। ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तारीफ हो रही है। अमेरिकी सीनेटरों ने ट्रंप के फैसले को सही और साहसिक करार दिया है। हमले के बाद साउथ कैरोलिना के सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने कहा, बहुत बढ़िया, राष्ट्रपति ट्रंप। टेक्सास के सीनेटर जॉन कॉर्निन ने कहा, साहसिक और सही निर्णय। अलाबामा के सीनेटर केटी ब्रिट ने हमले को मजबूत और सर्जिकल करार दिया। इसके अलावा ओक्लाहोमा के सीनेटर मार्कवेन मुलिन ने कहा, अमेरिका पहले, हमेशा प्रथम। सीनेट सशस्त्र सेवा समिति के अध्यक्ष मिसिसिपी के रोजर विकर ने कहा कि ट्रंप ने ईरानी शासन की ओर से पैदा किए जा रहे खतरे को समाप्त करने के लिए जानबूझकर और सही निर्णय लिया है। विकर ने कहा कि अब हमारे सामने अपने नागरिकों और सहयोगियों को सुरक्षा प्रदान करने के लिए कई विकल्प हैं।

सीनेट के नेता जॉन थून ने कहा, हम यह तय करने के लिए कार्रवाई कर रहे हैं कि परमाणु हथियार ईरान की पहुंच से बाहर रहें। मैं राष्ट्रपति ट्रंप के साथ खड़ा हूं और खतरे में पड़े अमेरिकी सैनिकों और कर्मियों के लिए प्रार्थना करता हूं। सदन के अध्यक्ष माइक जॉनसन को शनिवार को हमलों से पहले ही जानकारी दे दी गई थी। जॉनसन ने कहा कि सैन्य अभियान हमारे विरोधियों और सहयोगियों को स्पष्ट रूप से याद दिलाएगा कि राष्ट्रपति ट्रंप जो कहते हैं, वही करते हैं। हाउस इंटेलिजेंस कमेटी के अध्यक्ष रिक क्रॉफोर्ड ने कहा कि मैं व्हाइट हाउस के संपर्क में था और उन अमेरिकी सेवा सदस्यों का आभारी हूं जिन्होंने इन सटीक और सफल हमलों को अंजाम दिया।

डेमोक्रेटिक सहयोगियों से अलग हटकर पेंसिल्वेनिया के सीनेटर जॉन फेटरमैन ने भी ईरान पर हमलों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा, यह अमेरिकी राष्ट्रपति का सही कदम था। ईरान दुनिया में आतंकवाद का अग्रणी प्रायोजक है और उसके पास परमाणु क्षमता नहीं हो सकती। हालांकि कुछ सांसदों ने ट्रंप के फैसले का विरोध भी किया। केंटकी के प्रतिनिधि थॉमस मैसी ने ट्रंप के हमलों की घोषणा के बाद कहा कि यह सांविधानिक नहीं है। कई डेमोक्रेट्स का मानना है कि कांग्रेस को इस मामले में अपनी बात कहने का अधिकार होना चाहिए।

### ट्रंप को गंभीर...

के लिए सुरक्षा परिषद की आपातकालीन बैठक बुलाने की मांग की। राजदूत आमिर सईद इरावानी ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के सबसे शक्तिशाली निकाय को अंतरराष्ट्रीय कानून और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के तहत अमेरिका को जवाबदेह ठहराने के लिए सभी आवश्यक उपाय करने चाहिए। इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ ईरान इन बेवजह और पूर्व नियोजित आक्रामक कृत्यों की कड़ी निंदा करता है, जो 13 जून को इजराइल की ओर से ईरान के शांतिपूर्ण परमाणु स्थलों और सुविधाओं के खिलाफ बड़े पैमाने पर सैन्य हमले के बाद हुए हैं।

### ईरान के राष्ट्रपति ने...

राष्ट्रपति ने पीएम मोदी को मौजूदा स्थिति के बारे में विस्तार से जानकारी दी। यह टेलीफोनिक वार्ता 45 मिनट तक चली। ईरान के राष्ट्रपति ने भारत को क्षेत्रीय शांति, सुरक्षा और स्थिरता को बढ़ावा देने वाला मित्र और साझेदार बताया और भारत के रुख और तनाव कम करने, संवाद और कूटनीति के आह्वान के लिए प्रधानमंत्री मोदी को धन्यवाद दिया। क्षेत्रीय शांति और स्थिरता की बहाली में भारत की आवाज और भूमिका महत्वपूर्ण थी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने अमेरिका पर ईरान के खिलाफ हमलों का मुख्य जिम्मेदार होने का आरोप लगाया है। सरकारी समाचार एजेंसी इरना के अनुसार, पेजेशकियन ने कहा कि अमेरिका हमेशा हमले के पीछे रहा, लेकिन ईरान की सेनाओं के आगे और इजराइल कमजोर पड़ने पर अमेरिका का चेहरा बेनकाब हो गया।

### अमेरिकी हमलों...

जापान के एनएचके टेलीविजन के अनुसार जापान के प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा रविवार दोपहर को ईरानी परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले को लेकर प्रमुख मंत्रियों के साथ बैठक करेंगे। दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि वह रविवार को एक आपातकालीन बैठक करेगा। इसमें अमेरिकी हमलों और दक्षिण कोरिया की संभावित प्रतिक्रिया के सुरक्षा और आर्थिक परिणामों पर चर्चा की जाएगी। ऑस्ट्रेलिया ने शुक्रवार को तेहरान में अपना दूतावास बंद कर दिया। कर्मचारियों को निकाल लिया, संघर्ष के कूटनीतिक अंत के लिए दबाव बनाया है। ऑस्ट्रेलिया के अधिकारी ने कहा कि ईरान का परमाणु और बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम अंतरराष्ट्रीय शांति और सुरक्षा के लिए खतरा है। हम अमेरिकी राष्ट्रपति के इस बयान पर गौर करते हैं कि अब शांति का समय आ गया है। क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति अत्यधिक अस्थिर है। हम तनाव कम करने, संवाद और कूटनीति का आह्वान करते हैं।

### पहलगाम में ...

किया गया है। इस मामले में आगे की जांच जारी है। पिछले महीने एनआईए ने सभी पर्यटकों और स्थानीय लोगों से अपील की थी कि अगर उनके पास पहलगाम आतंकी हमले से संबंधित कोई जानकारी, फोटो या वीडियो हो तो वे उसे तुरंत एजेंसी के साथ शेयर करें।

नेशनल कांफ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने शनिवार को पहलगाम आतंकी हमले से निपटने के केंद्र सरकार के तरीके की आलोचना की। उन्होंने सवाल उठाया कि आतंकियों को अभी तक गिरफ्तार क्यों नहीं किया गया है। अब्दुल्ला ने कहा, वे पहलगाम में कैसे आए? जब हमारे पास हर जगह ड्रोन और सीसीटीवी कैमरे हैं, तो वे अभी भी क्यों खुलेआम घूम रहे हैं। हमारे पास इतनी सेना, ड्रोन और सारी तकनीक है। वे कैसे आए? आज तक उनका पता नहीं चल पाया है। उन्होंने स्थानीय प्रशासन की भूमिका पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा,यहां लेफ्टिनेंट गवर्नर का प्रभार है। उन्होंने उनके खिलाफ क्या किया? गृह मंत्री पहलगाम हमले से कुछ दिन पहले आए और कहा कि हमने आतंकी नेटवर्क को नष्ट कर दिया है। फिर हमला कैसे हुआ।

### भारत की बढ़ती...

राहुल ने बिना देर किए राष्ट्र के नाम यह संदेश प्रसारित कर दिया कि भारत में जो फोन निर्मित हो रहे हैं वह असल में मैनुफैक्चरिंग नहीं बल्कि असेम्बलिंग यानी पुर्जों को जोड़ने का काम हो रहा है। इसके साथ ही उन्होंने एक वीडियो पर यह दावा करके कि हम चीन से कहीं पीछे हैं, अपनी चीन-परस्ती भी प्रदर्शित कर दी। इसी मोहब्बत-ए-चीन में उन्होंने चीन और भारत के बीच व्यापार घाटे का भी ठीकरा मोदी सरकार पर ही फोड़ दिया।

वैसे तो देश के नेता प्रतिपक्ष का मैनुफैक्चरिंग जैसी चीजों के लिए चिंतित होना काफी प्रसन्नता की बात होती, लेकिन राहुल गांधी असल में चिंतित नहीं हैं बल्कि वह झूठ बोल रहे हैं और आधे अधूरे तथ्य रख कर सरकार को घेरना चाह रहे हैं। राहुल गांधी के दावों की सच्चाई जान कर आपको उनके नाबालिग होने का पक्का पता चलेगा। राहुल गांधी ने कहा कि हमारे देश में जो स्मार्टफोन का निर्माण हो रहा है, वह असल में मेक इन इंडिया नहीं बल्कि असेम्बल इन इंडिया है। उन्होंने दावा किया कि हम सिर्फ पुर्जे जोड़ने के काम को मेक इन इंडिया कह रहे हैं। राहुल गांधी ने दावा किया कि चीन से पुर्जे आते हैं और हम उन्हें जोड़ देते हैं। राहुल गांधी के इस दावे की सच्चाई हाल ही में आई एक रिपोर्ट बताती है। रिपोर्ट के अनुसार, भारत में बनने वाले एप्पल के फोन और बाकी उत्पादों में लगने वाले 20 प्रतिशत से अधिक पार्ट देश में ही बन रहे हैं। यानी भारत में बनने वाले किसी आईफोन के लगभग 20 प्रतिशत पार्ट स्थानीय स्तर पर ही निर्मित होते हैं। यह उपलब्धि एप्पल को अलग-अलग पार्ट सप्लाई करने वाले वेंडर्स ने हासिल की है। एप्पल के भारत भर में पार्ट सप्लायर्स मौजूद हैं। इनमें टीडीके कारपोरेशन, होन हाई प्रिसिजन, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, फॉक्सलिंक समेत तमाम कम्पनियां हैं। सैमसंग और डिक्सन भी 20 प्रतिशत-25 प्रतिशत तक भारत में बने पार्ट ही उपयोग कर रही है। सरकार का लक्ष्य है कि इसे आने वाले वर्षों में 35 प्रतिशत-40 प्रतिशत के स्तर पर ले जाया जाए। इससे भारतीय उद्योग भी मजबूत होंगे और जरूरी पार्ट्स के लिए विदेशों पर निर्भरता भी कम होगी।

राहुल गांधी को यह पता होना चाहिए कि दशकों से इस काम जुटा हुआ चीन भी अभी तक 35 प्रतिशत-40 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच पाया है। भारत ने 20 प्रतिशत की उपलब्धि 5 ही वर्षों में हासिल कर ली है। और उन्हें एक बात और समझनी चाहिए कि किसी भी वस्तु का निर्माण जब चालू होता है, तो उसका लोकलाइजेशन धीमे-धीमे होता है। इसका सबसे बड़ा उदाहरण देश की ऑटो इंडस्ट्री है। 1980 के दशक में सुजुकी ने भारत में गाड़ियों को केवल एक साथ जोड़ना (असेम्बली) चालू किया था लेकिन अब भारत में बनने वाली सुजुकी की हर गाड़ी में 95 प्रतिशत पार्ट भारतीय होते हैं। यही स्थिति बाक़ी इंडस्ट्री की भी है।

राहुल गांधी आज जिस असेम्बलिंग को कोस रहे हैं, उसने वित्त वर्ष 2024-25 में देश के निर्यात में 2 लाख करोड़ से अधिक का योगदान दिया है। इससे लाखों नौकरियां पैदा हुई हैं। हालांकि, ऐसा पहली बार नहीं है जब राहुल या उनके गिरोह ने भारत की इस उपलब्धि को कम कर दिखाने का प्रयास किया है। इससे पहले उनके करीब रघुराम राजन भी ऐसी बातें कह चुके हैं। उनके करीबी कई लोग तो इसे पेचकसबाजी बताते थे। हालांकि, जब भारत ने पार्ट्स भी स्थानीय स्तर पर बनाने चालू कर दिए, तो उनके होठ सिल गए हैं।

राहुल गांधी वीडियो क दौरान दावा करते हैं कि बीते 10 वर्षों में हमारे चीन से आयात 2 गुना बढ़ गए हैं और मोदी सरकार दोनों देशों के बीच बढ़ते व्यापार घाटे के लिए दोषी है। यह बात ठीक है कि हम चीन से बड़ी मात्रा में चीजें आयात करते हैं और हमारा, उसका व्यापार घाटा भी बहुत बड़ा है। लेकिन राहुल गांधी एक बात इस दौरान बहुत करीने से छुपा ले जाते हैं। वह यह नहीं बताते कि भारत की चीन पर निर्भरता असल में यूपीए दौर में ही चालू हुई थी। मोदी सरकार को आयात में दोगुनी बढ़त के लिए कोसने वाले राहुल गांधी की पार्टी के राज में भारत का चीन से व्यापार घाटा लगभग 20 गुना बढ़ा।

वर्ष 2004 में भारत चीन से आयात मात्र 7.5 बिलियन डॉलर (62 हजार करोड़) था। कांग्रेस के 2004 से 2014 के राज में या 8 गुना बढ़ कर लगभग 60 बिलियन डॉलर (5 लाख करोड़ से अधिक) के पार पहुंच गया। यानी इस दौरान इसमें बिना किसी रोकटोक के 8 गुना की बढ़त हुई। राहुल गांधी को यह भी जानना चाहिए कि इसी दौरान भारत और चीन का व्यापार घाटा भी प्रति वर्ष 45 प्रतिशत की रफ्तार से बढ़ा। केंद्रीय मंत्री पीयुष गोयल के अनुसार, 2004 और 2014 के बीच, भारत का व्यापार घाटा 2 बिलियन डॉलर से लगभग 40 बिलियन डॉलर हो गया।

आंकड़ों के अनुसार, वर्ष 2004 में भारत का चीन से व्यापार घाटा लगभग न के बराबर था। कांग्रेस के सत्ता में रहते हुए 2014 में यह 40 बिलियन डॉलर (3.2 लाख करोड़ से अधिक) के पार पहुंच गया। वर्तमान में मोदी सरकार ने इसे बीते कई वर्षों से नियंत्रित कर रखा है। राहुल गांधी और उनकी लाजवाब कांग्रेस पार्टी को यह जवाब देना चाहिए कि आखिर क्यों उनकी सरकार के दौरान चीन के लिए भारत के बाजार के दरवाजे खोल दिए गए और क्यों उसके उत्पाद भारत में बिना रोक टोक के आते रहे। क्यों उस दौरान कांग्रेस ने भारत में निर्माण को बढ़ावा देने पर जोर दिया। यह काम भी मोदी सरकार ने ही चालू किया और पीएलआई (प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव) की स्कीम निकाली। इसके चलते भारत के निर्माण क्षेत्र में दोबारा जान आई और विदेशी कम्पनियां चीन के बजाय भारत को भी एक विकल्प के तौर पर देखने लगीं।

राहुल गांधी ने अपने इस वीडियो और ट्वीट में दावा किया कि भारत में निर्माण क्षेत्र का हिस्सा लगातार घट रहा है। उन्होंने अपने बयान से दो तथ्य छुपा लिए। पहला तथ्य यह है कि जब भी कोई देश विकासशील से विकसित की यात्रा करता है, तो उसकी अर्थव्यवस्था में निर्माण और कृषि क्षेत्र का हिस्सा घटता है। दूसरा यह कि जब भी कोई देश विकसित होने चलता है तो वह कृषि से निर्माण और फिर सेवा क्षेत्र की तरफ जाता है। लेकिन यह कांग्रेस की ही देन है कि भारत सीधे कृषि से सेवा क्षेत्र में जाने वाली अर्थव्यवस्था बना है। कांग्रेस को सलाह देने वाले अर्थशास्त्रियों ने लगातार इस बात का विरोध किया है कि भारत को निर्माण क्षेत्र पर फोकस बढ़ाना चाहिए।

इसका सबसे बड़ा उदाहरण रघुराम राजन हैं। उन्होंने ही भारत को चीन की तरह निर्माण क्षेत्र पर ध्यान न देने की सलाह दी थी। कांग्रेस के ही राज में 1991 तक तो भारत में आर्थिक सुधार नहीं हुए। इसके चलते निर्माण क्षेत्र नहीं पनपा। इसके बाद जब आर्थिक सुधार मजबूरी में किए भी गए तो हमने सेवा क्षेत्र की राह पकड़ी। राहुल गांधी जिस निर्माण क्षेत्र का हिस्सा जीडीपी में घटने की बात कर रहे हैं, वह कोई नई बात नहीं है। यह प्रक्रिया कांग्रेस राज में ही चालू हो गई थी। असल बात यह है कि निर्माण क्षेत्र में भारत वापस अब अपनी मजबूती दर्ज करवा रहा है। इससे राहुल गांधी को समस्या है। कभी वह इसे असेम्बली इन इंडिया तो कभी चीन को फायदा पहुंचाने की प्रक्रिया बता रहे हैं। उनके पास इसका कोई विकल्प है, ऐसा भी नहीं है। राहुल गांधी सिर्फ आलोचना के वास्ते ही भारत की इस उपलब्धि का मजाक उड़ा रहे हैं, हालांकि यह सत्य के आसपास भी नहीं फटकता।

### नक्सलवाद को जड़...

उन्होंने कहा कि हम मानसून के दौरान माओवादियों को चैन से नहीं बैठने देंगे, बारिश में भी उनके खिलाफ अभियान जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि हथियार डालकर विकास की यात्रा में शामिल हों, नक्सलियों से बातचीत की कोई जरूरत नहीं। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी का विकसित भारत का विजन न केवल नवाचार, बुनियादी ढांचे, आर्थिक प्रगति पर केंद्रित है, बल्कि समय पर न्याय पर भी केंद्रित है। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, भारतीय साक्ष्य अधिनियम समय पर न्याय सुनिश्चित करेगा।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, सोमवार, 23 जून, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

## ध्यान फ़ाउंडेशन गौशाला के तत्वावधान में श्रीमद् भागवत कथा 01 जुलाई से

**हैदराबाद, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
योगी श्री अश्विनी गुरुजी की पावन प्रेरणा से ध्यान फ़ाउंडेशन गौशाला के तत्वावधान में गौशाला के सहयोगार्थ आगामी 1 से 7 जुलाई तक एस.एन.सी. कन्वेंशन सेन्टर, पिल्लर नं.268, अत्तापुर में मध्याह्न 3.30 बजे से सांय 7 बजे तक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। इसमें परम पूज्य गौवत्स श्री राधाकृष्ण जी महाराज अपनी ओजस्वी वाणी से कथा का रसपान कराएँगे । सभी भगवत प्रेमियों से आदर सहित आग्रह किया गया है कि इस धार्मिक ज्ञान यज्ञ में अधिक से अधिक भाग लेकर पुण्य के भागी बनें।

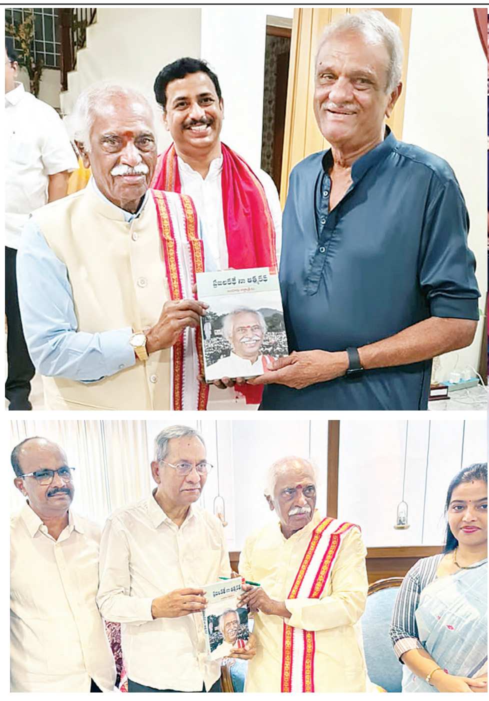

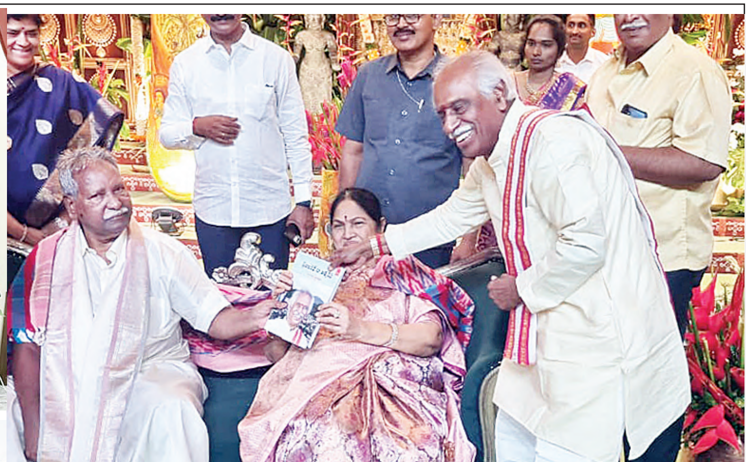

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने दि. 22 जून को हैदराबाद में श्री कावुरी सांबा शिव राव (पूर्व केंद्रीय मंत्री), के. नारायण (सीपीआई राष्ट्रीय नेता), के. रामचंद्र मूर्ति (वरिष्ठ पत्रकार) और मल्लेपल्ली लक्ष्मैया (वरिष्ठ पत्रकार) को अपनी आत्मकथा, प्रजला कठे ना आत्मकथा भेंट की।

मारवाड़ी युवा मंच सिकंदराबाद शाखा द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस संजीवय्या पार्क, नेकलेस रोड में योगा प्रशिक्षक मुकेश कटारिया व अक्षय चौधरी के निर्देशन व शाखा उपाध्यक्ष प्रदीप तिवारी के सान्निध्य में आयोजित किया गया। अवसर पर मंत्री पन्नालाल भाटी, राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरेश एम. जैन, पूर्व अध्यक्ष पप्पू कुमार घोड़ेला, नारायण चावड़ा, उपाध्यक्ष रोहित कुमार मायछ, रामचन्द्र प्रजापत, दिनेश गहलोत, कृष्ण कुमार लोहार, हरीश माली, कैलाश वैष्णव, मंगलाराम चौधरी, श्रवण सिंह, नेमीचंद लखारा, अमृत नाथ, दिनेश पूरी, अशोक चावड़ा, ललिता गहलोत, राजवीर गहलोत, कनक मायछ, कनीष मायछ, अन्नपूर्णा मायछ, राजेश जैन, रणजीत जैन, सुदर्शन जैन, युवा विकास खेलकूद संयोजक विकास तिवारी व अन्य उपस्थित थे।

रेजोनेंस एजुकेशनल इंस्टिट्यूट्स ने ईशा फाउंडेशन के मार्गदर्शन में अपने गुरुकुल परिसर, पटनचेरु में बड़े उत्साह के साथ अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 मनाया। इस कार्यक्रम में स्कूल और कॉलेज दोनों विंग के छात्रों, कर्मचारियों, व्याख्याताओं और शैक्षणिक नेताओं सहित 1500 से अधिक सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी की।

11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह का आयोजन भाजपा प्रदेश कार्यालय, जामबाग मंडल में बड़े उत्साह के साथ किया गया। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश महासचिव प्रेमेंद्र रेड्डी, पार्षद राकेश जायसवाल, प्रदेश कार्यालय सचिव उमा शंकर, अमरसिंह, जामबाग अध्यक्ष आधारी राज कुमार, महेंद्र, पी. कुमार, जनार्दन, संदीप जैन, हरिनाथ, श्रीकांत, महेश यादव, अशोक और कई समर्पित भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

लाडले श्याम जी के भक्त मंडल (भाग्यनगर) द्वारा प्रसाद का आयोजन सिटी कॉलेज चौराहा पर किया गया। इस अवसर पर उपस्थित मंडली के शिव सिकरवाल, उदय सोनी, दीपक डागा, सचिन सोनी, हेमंत सोनी, दीपक सिकरवाल, कार्तिक सोनी, योगेंद्र सोनी, सागर तोषणिवल, निखिल सोनी, यश अग्रवाल, शिव शंकर और अन्य सदस्य उपस्थित थे।

योग दिवस पर लक्ष्मीनगर पार्क हैदरगुडा में सुधाकर, मोंद्रा संगीता, भाजपा नेता एन.मल्लारेड्डी, एम.कोमरैया, प्रभाकर, एस.विजय एस.वेंकट ईश, एस.जयनारेड्डी, एम.मदुसुधन राव, गोपाल रेड्डी, कनकैया, सहित अनेक लोगों ने योग साधना की।

मारवाड़ी युवा मंच शमशाबाद शाखा द्वारा विश्व योग दिवस के अवसर पर आईजी फार्म हाउस पर सामूहिक योग किया गया। योग गुरु आशारामजी द्वारा योग के महत्व की जानकारी दी एवं विभिन्न आसान का अभ्यास करवाया गया। इस अवसर पर युवा मंच के अध्यक्ष सोहन सीरवी एवं मंच के सदस्य उपस्थित रहें।

## वनबंधु परिषद हैदराबाद चैप्टर द्वारा तम्बोला आयोजित

**हैदराबाद, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
वनवासी बंधु कल्याण के सहायतार्थ निधि एकत्र करने के लिए वनबंधु परिषद हैदराबाद चैप्टर के सखी संगम की महिला सदस्यों द्वारा 11वें अंतर्राष्ट्रीय दिवस के अवसर पर तम्बोला का आयोजन किया गया। जिसमें सभी सदस्योंस ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर सहयोग प्रदान किया।

प्रेस को जारी विज्ञप्ति के अनुसार सिकंदराबाद स्थित गनरॉक सभागृह में आयोजित कार्यक्रम में सर्वप्रथम सभी सदस्यों द्वारा योगाभ्यास किया गया तत्पश्चात योगा के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। इस अवसर पर योग प्रशिक्षिका को सम्मानित किया गया।

इस मौके पर समिति सदस्य वंदना राठी ने बताया कि वनबंधु परिषद (एकल विद्यालय) वनवासियों को शिक्षित करने तथा संस्कारों से परिचित करवाने का प्रयास कर रही हैं। तेलंगाना एवं आंध्र प्रदेश में 3500 से अधिक एकल विद्यालय चलाये जा रहे हैं। जिसके माध्यम से बच्चों को शिक्षा दी जा रही है। इस अवसर पर तम्बोला के सराहनीय राउण्ड के अतिरिक्त सिल्वर राउण्ड सम्पन्न हुआ। सुरुचि अल्पहार के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

डॉ. विवेक को कैबिनेट मंत्री बनने पर क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व बीसीसीआई अध्यक्ष और महानतम खिलाड़ी शिवलाल यादव, कमल नारायण राठी, श्रीनिवास एवं सारदा ने शॉल पहन कर उनका स्वागत किया एवं शुभकामनाएं दी।

जन सेवा संघ संचालन समिति के संयोजक मदन लाल रावल की अध्यक्षता में संस्था के ईस्ट मारेडपल्ली स्थित केंद्रीय कार्यालय में बैठक का आयोजन किया गया। जिसमें महासचिव राजीव चौबे, आर पी सिंह, गोविन्द तिवारी, राजीव चौबे, एल एम चौधरी,राधे श्याम राय यादव, ए के मिश्रा, नारायण ओझा आदि उपस्थित हुए ।

श्री जैन स्वाध्यायी संघ हैदराबाद द्वारा विभिन्न कार्यक्रमों के अंतर्गत तिलकनगर में महावीर जैन धार्मिक पाठशाला में योग दिवस मनाया गया। जिसमें बालक-बालिकाओं सहित अभिभावक एवं अन्य ने भाग लिया।

दोमालगुड़ा स्थित सुशील योगा में अंतराष्ट्रीय योग दिवस धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर उपस्थित सुशील जैन, निर्मल जैन, साहिल जैन, कैलाश, अजय, दिनेश, सुनील, रिजवाना, मोनिका, माधुरी, जानवी, पूजा, कीर्ति एवं अन्य उपस्थित थे।

ध्यान फाउण्डेशन गौशाला द्वारा गौशाला के सहयोगार्थ आगामी 1 से 7 जुलाई तक एस.एन.सी. कन्वेंशन सेन्टर, अत्तापुर में आयोजित किए जाने वाले 'श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ' के कथास्थल सहयोगी यजमान चन्द्रकान्त डाकोतिया, महेश डाकोतिया, महेन्दर डाकोतिया, आरती डाकोतिया का स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान फाउण्डेशन की मीनाक्षी विजयवर्गीय, दीपक विजयवर्गीय एवं अनिल अग्रवाल द्वारा किया गया।

## श्री समर्थ कामधेनु गौशाला में कामधेनु कक्ष उद्घाटित

**हैदराबाद, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
जियागुड़ा स्थित श्री समर्थ कामधेनु गौशाला में शानिवार को मोहिनी एकादशी पर गौशाला परिसर में कामधेनु कक्ष का उद्घाटन किया गया।

गौशाला परिसर में 12,000 वर्ग फीट के कामधेनु कक्ष पर गौ माता के परिक्रमा करने के लिए चारों तरफ से पाइप का काम तथा चारा हेतु केरी (बॉक्स) का निर्माण किया गया, जिसकी पूजा-अर्चना कर गौ माता को समर्पित किया गया। गौशाला में गौमाता को चारा, सब्जी खिलाने के बाद पूजन कर आरती की गई।

अवसर पर गौशाला के प्रभुदत्त महाराज, दीनदयाल अग्रवाल, हरिकिशन मायछ, सत्यनारायण (पहलवान), पुरुषोत्तम अग्रवाल, पंकज वर्मा, सुरेश कोलारिया, जयकिशन उपाध्याय, मनोज सोनी, शरद वर्मा, मनोज कुमार अग्रवाल, पुरुषोत्तमदास गुप्ता एवं अन्य उपस्थित थे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर योग अभ्यास करते हुए अशोक फाउंडेशन संस्थापक पंकज कुमार अग्रवाल। साथ में प्रखर अग्रवाल, मोहक अग्रवाल एवं अन्य।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर माथुर वैश्य इन्टरनेशनल हैदराबाद ग्रेटर क्लब की इन्टरनेशनल केबिनेट सदस्य अरुणा गुप्ता, गौरी एवं अन्य सदस्य योग करते हुए।

### पैराडाइज़ शाखा एवं अग्र आद्य महिला संगठन के संयुक्त तत्वावधान में

# अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन

**हैदराबाद, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** अग्रवाल समाज पैराडाइज़ शाखा एवं अग्र आद्य महिला संगठन के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का आयोजन सिकंदराबाद स्थित हरियाणा भवन में किया गया।

शाखा द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनसुार, कार्यक्रम की शुरुआत महाराजा अग्रसेनजी की पूजा से हुई। कल्पिता गोयंका एवं रुचि बंसल द्वारा योग सत्र का संचालन किया गया। उनके कुशल मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने विभिन्न योग आसनों एवं प्राणायाम का अभ्यास किया। अवसर पर लगभग 70 शाखा सदस्यों ने योग का लाभ प्राप्त किया। पैराडाइज़ शाखा की ओर से अतिथियों को सम्मान किया गया। कल्पिता गोयंका एवं रुचि बंसल का स्मृति चिह्न प्रदान कर स्वागत किया गया। कार्यक्रम में संयोजक दिनेश अग्रवाल, विवेक गर्ग, सह-संयोजक वैभव चंद गोठिया ने सहयोग प्रदान किया। कार्यक्रम के लिए स्थल प्रदान करने हेतु हरियाणा सेवा संघ का विशेष आभार व्यक्त किया गया।अवसर पर अंजनी कुमार अग्रवाल, धीरज खेतान (अध्यक्ष), श्यामलाल गोयंका (उपाध्यक्ष), प्रमोद तुलस्यान (सचिव), महेन्द्र गोयल (संयुक्त सचिव), पवन अजित सरिया (कोषाध्यक्ष), अंजनी कुमार अग्रवाल (पूर्व अध्यक्ष), लक्ष्मीनारायण अग्रवाल (सलाहकार), राकेश अग्रवाल (सलाहकार), दिनेश अग्रवाल (कार्यक्रम संयोजक), विवेक गर्ग, वैभव चाँद गोठिया (सह-संयोजक), धीरेंद्र बंसल, धीरज बंसल, आयुष मोदी, उमेश अग्रवाल, अविरल बंसल, मदनलाल अग्रवाल, संतोष चोखानी, सत्यप्रकाश बंसल, महेन्द्र कुमार अग्रवाल, उमंग गोयनका, नवीन गुप्ता, श्रीकिशन चोखानी, गणेश अग्रवाल, सरोज अग्रवाल, ललिता गर्ग, सविता अग्रवाल, वर्षा अग्रवाल, मनीषा अजित सरिया, कुसुम अग्रवाल, बीना टंडन, निर्मला चोखानी, रेणु चोखानी, सुनीता अग्रवाल, संगीता अग्रवाल, सुमन बंसल, अर्चना अग्रवाल, निर्मला अग्रवाल, सीनू बंसल, प्रीति अग्रवाल, लक्ष्मी अग्रवाल व अन्य उपस्थित थे।

कबूतरखाना स्थित श्री माहेश्वरी विद्यालय हाई स्कूल में अंतराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में विद्यार्थियों का योग गुरु सीमा यादव द्वारा योग प्रशिक्षण दिया गया । अवसर पर योग गुरु सीमा यादव को स्मृति चिह्न प्रदान करते हुए माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी रमेश कुमार बंग साथ में स्कूल करसपांडेंट श्याम बंग एवं प्रधानाध्यापिका मोनिका वर्मा ।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर अग्रवाल समाज ज्ञानबाग कालोनी महिला शाखा द्वारा योग दिवस का आयोजन किया गया। योग न केवल हमारे शरीर को स्वस्थ रखता है बल्कि मन को भी शांति प्रदान करता है इसलिए हम सभी को योग करना चाहिए हर घर योग हर जीवन योग हमारा लक्ष्य होना चाहिए इसी से प्रेरित होकर के एनक्लेव ज्ञानबाग कालोनी में योग दिवस मनाया गया। जिसमें अध्यक्ष प्रिया अग्रवाल, उपाध्यक्ष रजनी गोयल, केन्द्रीय मंत्री प्रीति गोयल, वर्षा अग्रवाल, कविता अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल आदि सदस्यों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

# इरिसेट में योग दिवस मनाया गया

**हैदराबाद, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** भारतीय रेल सिगनल इंजीनियरी और दूरसंचार संस्थान (इरिसेट) में 21 जून 2025 को सिकंदराबाद स्थित परिसर में योग संगम का आयोजन कर 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया गया।

श्री शरद कुमार श्रीवास्तव, महानिदेशक, अपर महानिदेशक, डीन, वरिष्ठ अधिकारी, संकाय और लगभग 200 कर्मचारी तथा प्रशिक्षुओं ने योग अभ्यास में उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस अवसर पर उपस्थित सभी के लिए योग अभ्यास से पहले, प्रधानमंत्री के संबोधन की लाइव स्ट्रीमिंग की गयी।

प्रशिक्षुओं, कर्मचारियों और परिवार के सदस्यों को योग दिवस कार्यक्रम में भाग लेने और उन्हे प्रोत्साहित करने के लिए 2 जून 25 से योग अभ्यास सत्र आयोजित किए गए। संस्थान द्वारा योग दिवस के उपलब्ध में हिंदी वाक् प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। जिसमें बड़ी संख्या में प्रशिक्षुओं नें सक्रिय रूप से भाग लिया।

21 जून को आयोजित योग संगम समारोह में विजेताओं और प्रतिभागियों को प्रमाणपत्र प्रदान किए गए। संस्थान के प्रशिक्षुओं और कर्मचारियों ने 20.06.25 को लाल बहादुर स्टेडियम में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की 1 दिवसीय काउंटडाउन में भाग लिया। साथ ही कर्मचारियों को योग की भावना को अपनाने और इसके शाश्वत लाभों को अपने दैनिक जीवन में शामिल करने के लिए आईगॉट कर्मयोगी मंच पर उपलब्ध योग-संबंधी पाठ्यक्रमों में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया।

श्री नगर कॉलोनी श्री वेंकटेश्वर स्वामी कल्याणम मंडप में दीक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन तेलंगाना सरकार राजस्व (बंदोबस्ती) विभाग तेलंगाना की तुलसी कुमारी माधवी, एवं विजय कुमार तोतला, मठाधिपति श्री अमृत दास खाकी अरुण दास महाराज और आचार्य श्री पवन महाराज, एल.वी. सुब्रमण्यम (आई ए एस) सेवानिवृत्त मुख्य सचिव ने दीप प्रज्वलित कर किया। सभी को महंत अमृत दास खाकी ने आशीर्वाद दिया।

# एनआईआईएमएच में 11 वाँ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस आयोजित

**हैदराबाद, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान (एनआई आईएमएच), हैदराबाद द्वारा आज 11 वाँ अंतरराष्ट्रीय योग दिवस संस्थान परिसर में संस्थान के प्रभारी सहायक निदेशक डॉ. जी.पी. प्रसाद के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। आज यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, संस्थान के अधिकारियों व कर्मचारियों ने कार्यक्रम स्थल पर स्वच्छता अभियान चलाकर साफ-सफाई की। इसके बाद योग सत्र का संचालन किया गया। सर्वप्रथम सभी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लाइव भाषण को सुना। योगाचार्य विजयराज के संचलन एवं प्रदर्शन के साथ सभी ने योगाभ्यास किया।

इस दौरान संस्थान के सभागार कक्ष में प्रो. गज्जाला रामेश्वर, अंतरराष्ट्रीय प्राकृतिक चिकित्सा पुस्तकालय और अनुसंधान केंद्र, हनमाकोंडा की तेलुगु योग पुस्तिक दर्शिनी के प्रथम मसौदे का अनावरण किया गया। उन्होंने दैनंदिन जीवन में प्राकृतिक चिकित्सा और योग के बारे में व्याख्यान दिया। साथ ही उन्होंने संस्थान के ग्रंथालय हेतु कुछ महत्वपूर्ण किताबें प्रदान की।

अवसर पर डॉ. वी. सुभोस, सहायक निदेशक (आयु.), डॉ. वी. श्रीदेवी (अनुसंधान अधिकारी, आयु.), डॉ. अशफाक अहमद, अनुसंधान अधिकारी (यूनानी), डॉ. साकेत राम, अनुसंधान अधिकारी (आयु.), डॉ. संतोष माने, अनुसंधान अधिकारी (आयु.), डॉ. बिश्वोरंजन दास, अनुसंधान अधिकारी (होमियो.), श्रीनिवास राव (पुस्तकालय सूचना सहायक), डॉ. सत्याब्रत नंद, अनुसंधान सहायक, (संस्कृत), अधिकारी, वरिष्ठ अनुसंधानकर्ता और कर्मचारी उपस्थित थे। डॉ. जी.पी. प्रसाद, प्रभारी सहायक निदेशक ने प्रो. गज्जाला रामेश्वर एवं योगाचार्य को सम्मानित कर उनके द्वारा प्रदान सेवाओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

# श्रुतिकांत भारती कोयला एवं खान मंत्रालय के हिंदी सलाहकार नियुक्त

**हैदराबाद, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के विशेष अधिकारी एवं मिलिन्द प्रकाशन के प्रमुख श्रुतिकांत भारती को कोयला एवं खान मंत्रालय के हिंदी सलाहकार समिति के सलाहकार के रूप में नियुक्त हुए हैं। इस संदर्भ में भारत सरकार द्वारा गज्जेट (राजपत्र) जारि किया गया।

इस संदर्भ में हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के प्रधान मंत्री एस. गैबुवली ने केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्रालय के हिंदी सलाहकार समिति के सलाहकार के रूप में चुने गए हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के विशेष अधिकारी एवं मिलिन्द प्रकाशन के संचालक श्रुतिकांत भारती को सम्मानित किया।इस अवसर पर गैबुवली ने कहा कि श्रुतिकांत भारती का कोयला एवं खान मंत्रालय के सलाहकार समिति में नियुक्त होना हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के गौरव की बात है। इस समिति में केंद्र कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी अध्यक्ष के रूप में, राज्य मंत्री सतीश च. दुबे उपाध्यक्ष के रूप में, चार संसदीय सदस्य, सचिव, उप सचिव, निदेशक, उपनिदेशक सदस्य के रूप होंगे।श्रुतिकांत भारती ने अपना पूरा जीवनकाल में हिंदी भाषा प्रचार के साथ-साथ हिंदी भाषाभिवृद्धि के कार्यक्रमों को सुचारु से संचालित किया है। वे मिलिन्द प्रकाशन की स्थापना कर सैकड़ों हिंदी की पुस्तकों का प्रकाशन भी किया है। हिंदी सलाहकार के रूप में वे सही व्यक्ति हैं।इस दौरान श्रुतिकांत भारती ने कहा कि हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद तथा उन पर विश्वास कर हिंदी सलाहकार के रूप में नियुक्त करने पर कोयला एवं खान मंत्री जी. किशन रेड्डी, राज्य मंत्री सतीशचंद्र दुबे, केंद्र सरकार के अधिकारियों का हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के प्रधान मंत्री एस. गैबुवली, अध्यक्ष प्रो. चंद्रदेव आदि को धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम में सभा के कार्यालय मंत्री के. वेंकटेश्वर, रजिस्ट्रार नामदेव वाघमोडे, कार्यकर्ता संघ के मंत्री सी. शिवलिंगम, माया पाण्डेय, कार्यकर्ता आदि उपस्थित थे।

# महिला मंडल ने साध्वीश्री के सान्निध्य में मनाया योग दिवस

**हैदराबाद, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मंडल हैदराबाद ने योग दिवस मनाया।

यहाँ पर जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार स्थानीय महिला मंडल ने तेरापंथ युवक परिषद के संयुक्त तत्वावधान में साध्वी श्री डॉ गवेषणा श्री जी आदि ठाणा-4 के सानिध्य में अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस मनाया।यह कार्यक्रम डी.वी.कॉलोनी भवन में रखा गया।आराध्य और पंच परमेष्ठी को नमन करते हुए संयोजिका श्रीमती प्रभा दूगड़ ने करते रहेंगे योग तो सदा रहेंगे निरोग मुक्तक द्वारा कार्यक्रम का आगाज किया। युवक परिषद के अध्यक्ष श्री अभिनंदन जी नाहटा ने सभी का स्वागत करते हुए साध्वी वृन्द के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए योग दिवस के कार्यक्रम को आगे बढ़ाने हेतु साध्वी श्री जी से अनुरोध किया ।साध्वी श्री मेरु प्रभा जी एवम् दक्ष प्रभाजी ने अर्हम अर्हम की एक मनमोहक धुन द्वारा कार्यक्रम का मंगलाचरण किया साध्वी श्री मयंक प्रभाजी ने 5 केंद्रों पर ह्रां,ह्रीं,ह्रों,ह्रं,ह्रः,ह् का ध्यान कराते हुए स उदाहरण बताया कि हमारे शरीर में जो पाँचों तत्व मौजूद है। उनको हम कैसे संतुलित रख कर अपने आप को योग और प्राणायाम द्वारा निरोग रख सकते हैं । साध्वी श्री डॉ गवेषणा श्री जी ने तन मन को स्वस्थ रखने के लिए तथा बीपी,शुगर,थायरोड जैसी बीमारियों को दूर भगाने के लिए छोटे छोटे टिप्स बताए, जिनके नियमित प्रयोग से काफी व्याधियों से छुटकारा पा सकते हैं। आज के कार्यक्रम में महिला मंडल की नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती नमिता जी सिंघी एवं निवर्तमान मंत्री श्रीमती सुशीला जी मोदी उपस्थित थी ।आज के योग दिवस के कार्यक्रम में प्रभावती ज़ोन,दमयन्ती जोन एवं दीपानंदन जोन ने सहभागिता दर्ज की। संयोजकों का सम्मान किया गया। तथा साध्वी श्रीजी के प्रति कृतज्ञता ज्ञापित करते हुए मंत्री अनिल दूगड़ ने आभार व्यक्त किया ।

# साध्वीश्री राजमतीजी का जैन स्थानक दबीरपुरा में पदार्पण

**हैदराबाद, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** मधुर व्यख्यानी पपू. राजमतीजी मसा आदि ठाणा-3 का (चातुर्मास कोरा संघ में होने जा रहे) दि. 21 जून का विहार बम्ब सिंघी भवन मलकपेट से प्रारंभ होकर जैन स्थानक दबीरपुरा में पदार्पण हुआ। विहार सेवा एवं दर्शन वंदन का लाभ लेते हुए जैन श्री संघ मलकपेट के मार्गदर्शक कुशलराज पोखरना, अध्यक्ष सुरेश गादिया, मंत्री अशोक सिंघवी, कोषाध्यक्ष अशोक कोठारी, सहमंत्री कमल सिंघवी एवं कार्यकारिणी सदय संजय सिंघी, मनीष नाबैडा तीर्थ सिंघवी। श्री महावीर मित्र मंडल (रामकोट) के अध्यक्ष संजय सिंघी, मंत्री प्रतीक कुमार मुथा, उपाध्यक्ष मदनराज पोखरना, सहमंत्री ललित मुनोत एवं एवं सदस्य तीर्थ सिंघवी मनीष नाबेडा अभिजीत कटारिया, रोशन चोरड़िया, मयूर लोढ़ा, माहवीर कोचेटा, जितेश अंचालिया, संदीप कोचेटा, रोहित मूथा, दिनेश भंडारी, शुभम खारीवाल, ऋषभ तातेड़, नरेश कोचेटा एवं दबीरपूरा संघ के सहमंत्री किशोर कटारिया, विजय कटारिया, कोषाध्यक्ष गौतम सिंघवी एवं अन्य उपस्थित थे ।

# 1 तेलंगाना बटालियन एनसीसी द्वारा अंतरराष्ट्रीय योग दिवस का भव्य आयोजन

**हैदराबाद, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** योग दिवस पर 1 तेलंगाना बटालियन एनसीसी, हैदराबाद ग्रुप द्वारा 11वां अंतरराष्ट्रीय योग दिवस भव्यता के साथ मनाया गया। 1 तेलंगाना बटालियन एनसीसी के कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल के सुन्दर पांडियन द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शहर के चार प्रमुख स्थानों पर आयोजित इस कार्यक्रम में बटालियन के लगभग 1000 एनसीसी कैडेट्स ने विभिन्न शिक्षण संस्थानों के एनसीसी अधिकारियों, पीआई, जीसीआई, सिविल कर्मचारियों द्वारा नगरद्वय के प्रतिष्ठित संजीवय्या पार्क एवं सिकंद्राबाद स्थित बाइसन ट्रेनिंग ग्राउंड में योग प्रोटोकॉल के तहत भाग लिया। इस योग दिवस को एक पर्व की तरह लोक कल्याण, सदभाव एवं वैश्विक मन:शांति हेतु आयोजित किया गया। जिसका उद्देश्य एकता और विविधता को अपनाते हुए जीवन को निरोग बनाते हुए हमारी प्राचीन धरोहर को आगे बढ़ाना है।

उन्होंने आगे कहा कि इस दौरान कैडेट्स ने प्रतिज्ञा ली, कि वे इस योग को अपने जीवन का हिस्सा बनाएंगे और हमारी प्राचीन पद्धति एवं सभ्यता को आगे बढ़ाएंगे। इस योग दिवस का समापन लोक समस्त सुखिनो भवन्तु के साथ संपन्न हुआ।

# संगीतमय अखंड रामचरितमानस का पाठ सम्पन्न

**हैदराबाद, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** श्री संकट मोचन दक्षिण मुखी वीर हनुमान मंदिर, सीअर नगर, कोतवालगुड़ा, हिमायत सागर में संगीतमय अखंड रामचरितमानस का पाठ का आयोजन भक्ति भाव के साथ संपन्न हुआ।प्रेस को जारी विज्ञप्ति में पुजारी लालाजी शुक्ला एवं विनीत शुक्ला महाराज द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार शनिवार दि. 21 जून को मध्याह्न 1:00 बजे मानस की पूर्णाहुति तत्पश्चात श्री हनुमानजी की श्रृंगार आरती एवं प्रसादी का आयोजन किया गया। जिसमें लगभग 400 से अधिक भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया ।

मानस कार्यक्रम में संकट मोचन हनुमान भक्त मंडल के सदस्यों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया तथा मंदिर परिसर में प्रत्येक मंगलवार एवं शनिवार को हनुमान चालीसा ,सुंदरकांड पाठ (सिद्ध संपूर्ण सहित,) हवन , आरती इत्यादि का कार्यक्रम किया जाता है।

# जन सुरक्षा और अपराध नियंत्रण ही लक्ष्य : शशिधर रेड्डी

**मंचेरियाल, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** मंचेरियाल जिला मंदामरी सर्किल इंस्पेक्टर शशिधर रेड्डी ने कहा कि पुलिस का पहला कर्तव्य नागरिकों की सुरक्षा है और वे शांति और सुरक्षा बनाए रखने और अपराध को खत्म करने की दिशा में काम कर रहे हैं रामागुंडम पुलिस कमिश्नर अंबर किशोर झा और मंचेरियल डीसीपी ए भास्कर के आदेश पर सीआई शशिधर रेड्डी के नेतृत्व में मंदामरी पुलिस स्टेशन की सीमा के तहत एसवी मंदिर क्षेत्र में बेल्लमपल्ली एसीपी रविकुमार की देखरेख में रविवार की सुबह एक सामुदायिक संपर्क कार्यक्रम' का आयोजन किया गया इसके तहत कॉलोनी के संदिग्ध क्षेत्रों में गहन निरीक्षण किया गया क्षेत्र में नए आगमन का विवरण एकत्र करने के अलावा उचित दस्तावेजों के बिना 27 दोपहिया वाहन और 4 तिपहिया वाहन (ऑटो) जब्त किए गए।इस अवसर पर बोलते हुए सीआई शशिधर रेड्डी ने कहा कि लोगों की भागीदारी से ही अपराध का समूल नाश संभव है उन्होंने लोगों से कहा कि अगर उन्हें संदेह है कि कॉलोनी में कोई अजनबी या आपराधिक रिकॉर्ड वाले लोग शरण लिए हुए हैं तो वे तुरंत पुलिस को गोपनीय जानकारी दें उन्होंने युवाओं को सलाह दी कि वे गांजा और ड्रग्स जैसे नशीले पदार्थों की लत में पड़कर अपना सुनहरा भविष्य बर्बाद न करें उन्होंने चेतावनी दी कि अगर वे अवैध गतिविधियों में लिप्त होते हैं तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी नशा विरोधी जागरूकता सप्ताह के तहत लोगों को नशे के दुष्प्रभाव और कानूनी कार्रवाई के बारे में जागरूक किया गया।

# मंचेरियाल में ठेकेदार को टैंक आवंटित करने के खिलाफ मछुआरों ने किया प्रदर्शन

**मंचेरियाल, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** मंचेरियाल सहकारी समिति के मछुआरों ने मांग की है कि सिंचाई टैंक में ठेकेदार द्वारा मछली पकड़ना तुरंत बंद किया जाए उन्होंने भीमाराम मंडल केंद्र में एक ओवरहेड पानी की टंकी पर चढ़कर विरोध प्रदर्शन किया और आत्महत्या करने की धमकी दी आंदोलनकारी मछुआरों ने आरोप लगाया कि मत्स्य विभाग के अधिकारियों ने अवैध रूप से गोल्लावगु चेरुवु में मछली पकड़ने का ठेका ठेकेदार को दे दिया है जिससे उनकी आजीविका प्रभावित हो रही है उन्होंने खेद व्यक्त किया कि अधिकारियों ने कई बार उनसे संपर्क करने के बाद भी समस्या का समाधान नहीं किया हालांकि जब अधिकारियों ने उनकी समस्या का समाधान करने का आश्वासन दिया तो मछुआरों ने अपना विरोध वापस ले लिया उन्होंने सरकार से आग्रह किया कि वह सिंचाई टैंकों में मछली पकड़ने का काम ठेकेदारों को न देकर मछुआरों की आजीविका सुनिश्चित करने के लिए कदम उठाए।

# पत्रकारों की समस्याओं का समाधान ही लक्ष्य : वेणुगोपाल

**कुमरमभीम/आसिफाबाद, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** आसिफाबाद प्रेस क्लब अध्यक्ष वेणुगोपाल ने कहा कि पत्रकारों की समस्याओं के समाधान के लक्ष्य को लेकर वे आगे बढ़ेंगे। चुनाव कोर कमेटी के तत्वावधान में आयोजित आसिफाबाद न्यू प्रेस क्लब का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को जिला केंद्र स्थित प्रेमला गार्डन में हुआ। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान मतभेद होना आम बात है और चुनाव के बाद सभी को मिलकर काम करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि सरकार को जनता की समस्याओं को उजागर करने में अहम भूमिका निभाने वाले पत्रकारों की समस्याओं के समाधान के लिए काम करना चाहिए। इससे पहले कोर कमेटी के सदस्य राममोहन, रहमान, महेश और सुरेश ने कहा कि चुनाव के संचालन में सदस्यों ने शुरू से ही काफी सहयोग किया है। उन्होंने कहा कि नई प्रेस क्लब कमेटी को चुनाव की तरह ही सुचारू रूप से काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि जिला केंद्र बहुत महत्वपूर्ण है और इसे पत्रकारों के किसी संगठन के बिना काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि पत्रकारों के बारे में अच्छी राय बनानी चाहिए। इस कार्यक्रम में कोर कमेटी के सदस्य हनुमैया, थारू, सलीम, कृष्णम राजू, टीयूडब्लूजे (143) पत्रकार संघ के नेता रवि नायक, राजू, वेंकटेश, प्रेस क्लब के सदस्य प्रकाश गौड़, हरिकृष्ण, राधाकृष्ण चारी, सुरेश चारी, आशीष, भीमेश ने भाग लिया।

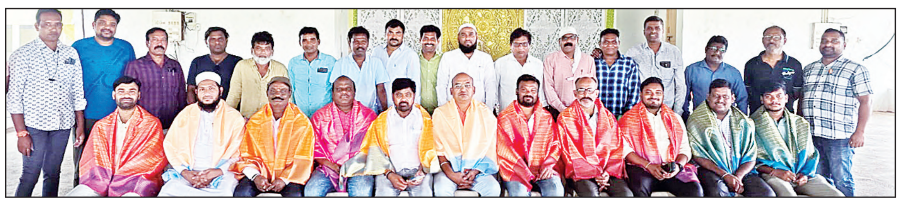

# एनसीसी वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ

**किनवट,22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** एनसीसी वार्षिक प्रशिक्षण शिविर का शानदार शुभारंभ कमलाताई ठमके स्कूल संकुल किनवट स्थित 52 महाराष्ट्र एन सी सी बटालियन नांदेड का उदघाटन कॅम्प कमांडर कर्नल के डी रेड्डी के हाथो हुआ इस अव-सरपर कॅम्प कमांडर कॅप्टन काजी एस एस, कॅम्प अँड्जयुटनट कॅप्टन नीरज उपलंचवार, लेफ्टनंट प्रदिप सातव, सेकंड ऑफिसर सोनल जयस्वाल, फर्स्ट ऑफिसर डी एस कदम, सुभेदार मेजर घाम श्यामसिंग,समेत आर्मी के अन्य अधिकारी मौजुद थे इस एन सी सी वार्षिक प्रशिक्षण शिबीर मे नांदेड, परभणी, हिंगोली जिले के महाविद्यालय, माध्यमिक के विभिन्न स्कूलो के छात्र सैनिक,पाच एनसीसी अधिकारी और सैन्य अधिकारी शामिल हुए है इस प्रशिक्षण शिबीर मे ड्रिल, फायरिंग, शस्त्र कवायत, नकाशा अध्ययन,अंबुश, पेट्रोलिंग, आपादा व्यवस्थापन, सैन्य प्रशिक्षण, और आत्मरक्षा सामाजिक सेवा आदि दस दिवसीय प्रशिक्षण शिबीर मे शिकाया जा रहा है इस शिबीर मे सुभेदार शिवाजी हरंगुले, नायब सुभेदार राशीद खान,नायब सुभेदार राकेश कुमार, रंजीत सिंग, हवालदार रमेश रावेला, सुरेश गायकवाड, राहुल सोनकांबले, जितेंद्र, नाईक ब्रिजेश, तृप्ती कुमारी,व जी सी आय साक्षी कंधारे समेत रियाज अंसारी, सचिन साबले, काटकर बाबुजी,गिरी,पुरी,पडलवार,आलट,इनके साथ 451 एन सी सी कैडेटस सहभाग हुए है।

# रक्तदान शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन

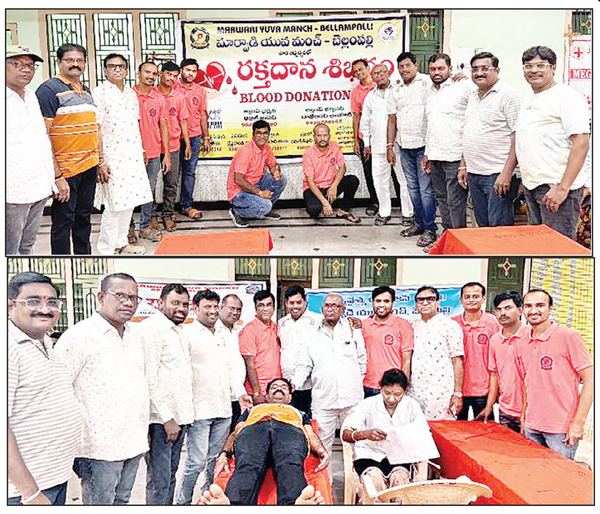


**मंचेरियाल, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** बेल्लमपल्ली रक्तदान महाउत्सव एवं रक्तदाता सम्मान पखवाड़ा (राष्ट्रीय प्रकल्प के अंतर्गत) आज दिनांक 22 जून 2025 को माहेश्वरी भवन, बेल्लमपल्ली में मारवाड़ी युवा मंच बेल्लमपल्ली द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस शिविर में कुल 52 यूनिट रक्त संग्रह किया गया।

यह शिविर आर्य वैश्य युवा जना संघम के संयुक्त सहयोग से आयोजित किया गया। इस अवसर पर इंडियन रेड क्रॉस सोसायटी, अपना सहयोग प्रदान किया। इस शिविर में सभी समाजों के बंधुओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और मानवता के इस पुनीत कार्य को सफल बनाया। इस सफल आयोजन के लिए ब्लड कैंप चेयरमैन अखिल झवर एवं कन्वीनर राजेंद्र लाहोटी भाग लया

# सभी प्राथमिक विद्यालयों में प्री-प्राइमरी कक्षाएं शुरू की जानी चाहिए : वैद्य शांतिकुमारी

**कुमरमभीम/आसिफाबाद, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** टीएस यूटीएफ कुमराम भीम आसिफाबाद जिला समिति की बैठक स्थानीय तेलंगाना सेवानिवृत्त कर्मचारी भवन में जिला अध्यक्ष वैद्य शांतिकुमारी की अध्यक्षता में हुई। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि राज्य के सभी प्राथमिक विद्यालयों में प्री-प्राइमरी कक्षाएं शुरू की जानी चाहिए, और सरकार ने केवल 210 स्कूलों को प्री-प्राइमरी कक्षाएं शुरू करने की अनुमति दी है, और यह कहना सही नहीं है कि नर्सरी और एलकेजी के बिना केवल यूकेजी शुरू किया जाएगा। पीआरसी रिपोर्ट अविलंब जारी कर 1 जुलाई 2023 से लागू की जाए, तबादले व पदोन्नति पर कार्रवाई की जाए, लंबित बिलों का भुगतान किया जाए, महंगाई भत्ते जारी किए जाएं, डीईओ, डिप्टी डीईओ, एमईओ व प्राचार्यों के रिक्त पदों को पदोन्नति से भरा जाए, बजट में शिक्षा के लिए 15 प्रतिशत निधि आवंटित की जाए, नई शिक्षा नीति-2020 को निरस्त किया जाए, नई पेंशन नीति को निरस्त कर पुरानी पेंशन नीति लागू की जाए, विभिन्न गुरुकुलों में कार्यरत सभी अतिथि, अंशकालीन व आउटसोर्सिंग शिक्षकों को 12 माह का वेतन व न्यूनतम समयमान लागू किया जाए, गुरुकुल शिक्षकों को समानता वेतनमान दिया जाए, राजपत्रित दर्जा दिया जाए, स्वास्थ्य कार्ड दिए जाएं, 101 मदों में वेतन दिया जाए, आवासीय विद्यालयों के कार्य घंटों का वैज्ञानिक तरीके से निर्धारण कर शिक्षकों व विद्यार्थियों के अनुकूल बनाया जाए, केजीबीवी यूआरएस व आश्रम विद्यालयों के संविदा शिक्षकों को न्यूनतम समयमान दिया जाए, सरकार के वादे के अनुसार हड़ताल वेतन दिया जाए, पीजीसीआरटी की मांग की गई। रिक्त पदों को वरिष्ठ सीआरटी से भरा जाए तथा व्यापक पारिवारिक सर्वेक्षण करने वाले शिक्षकों को पारिश्रमिक दिया जाए।बैठक में जिला मुख्य सचिव कम्पेल्ली उषान्ना की गतिविधियों और कर्तव्यों की रिपोर्ट, जिला कोषाध्यक्ष टी रमेश की वित्तीय रिपोर्ट और जिला सचिव महिपाल के शोक प्रस्ताव पर चर्चा की गई और सर्वसम्मति से उन्हें मंजूरी दी गई।

# विस्थापित आदिवासियों ने कवाल टाइगर रिजर्व में पुनर्वास में देरी का किया विरोध

**मंचेरियाल,22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** पुनर्वास पैकेज के क्रियान्वयन में देरी के विरोध में विस्थापित आदिवासी परिवारों द्वारा एक सप्ताह से चल रहे शांतिपूर्ण विरोध प्रदर्शन ने अधिकारियों को उनके लंबित मुद्दों को हल करने के लिए कदम उठाने के लिए प्रेरित किया है कवाल टाइगर रिजर्व के निर्माण की सुविधा के लिए परिवारों ने 2022 में अपने गांव मैसमपेट और रामपुर को खाली कर दिया था हालांकि पुनर्वास लाभ प्राप्त करने में लंबे समय तक देरी के कारण आदिवासियों ने 9 जून को अपनी पूर्व बस्तियों पर फिर से कब्जा कर लिया और विरोध के तौर पर झोपड़ियों का पुनर्निर्माण शुरू कर दिया अधिकारियों द्वारा पिछले सोमवार को उनके साथ मैराथन परामर्श किए जाने और शिकायतों के निवारण का आश्वासन दिए जाने के बाद उन्होंने अस्थायी रूप से अपना विरोध वापस ले लिया आंदोलन के दौरान विस्थापित आदिवासियों ने कड्डम्पेद्दुर मंडल के कोट्टामड्डीपडागा गांव के पास पुनर्वास कॉलोनी में बुनियादी ढांचे की कमी पर प्रकाश डाला उन्होंने कहा कि पुनर्वास पैकेज के तहत उन्हें आवंटित कृषि भूमि अविकसित रह गई है कॉलोनी में स्कूल बोरवेल और बिजली जैसी आवश्यक सुविधाओं का भी अभाव है खानपुर प्रभारी वन प्रभागीय अधिकारी (एफडीओ) भवानी शंकर ने कहा कि पात्र लाभार्थियों के लिए खेती योग्य भूमि आवंटित करने और अन्य लाभ लागू करने के लिए कार्यवाही शुरू कर दी गई है उन्होंने कहा कि जल्द ही भूमि के शीर्षक जारी किए जाएंगे और पहले से आवंटित भूमि का विकास किया जाएगा उन्होंने आश्वासन दिया कि विस्थापित परिवारों की जायज मांगों पर ध्यान दिया जाएगा इस बीच वन अधिकारियों ने स्वीकार किया कि खराब अंतर-विभागीय समन्वय के कारण देरी हुई लेकिन दावा किया कि चरणबद्ध तरीके से मुद्दों को हल करने के लिए कदम उठाए जा रहे है अधिकारियों ने बताया कि विरोध को उच्च अधिकारियों के ध्यान में लाया गया है कवाल टाइगर रिजर्व के मुख्य क्षेत्र में स्थित मैसामपेट और रामपुर के कुल 142 परिवारों को चरणों में एक नई कॉलोनी में स्थानांतरित किया गया इनमें से 48 परिवारों ने वित्तीय मुआवज़ा चुना जबकि शेष 94 ने पुनर्वास योजना के तहत ज़मीन चुनी।

**मंचेरियाल के देवापुर में खाली बोतलों के साथ सड़क पर प्रदर्शन**
देवापुर में मडिगा हकलाश डंडोरा मंडल अध्यक्ष रमेश के नेतृत्व में महिलाएं खाली पानी की बोतलें लेकर सड़क पर बैठ गईं और विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने अपना गुस्सा जाहिर करते हुए कहा कि पिछले 15 दिनों से मिशन भागीरथ में पीने का पानी न मिलने के कारण उन्हें काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि उन्होंने अधिकारियों से गुहार लगाई है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई है। वे चाहते हैं कि अधिकारी और जनप्रतिनिधि इस पर ध्यान दें और पानी की समस्या का समाधान करें।

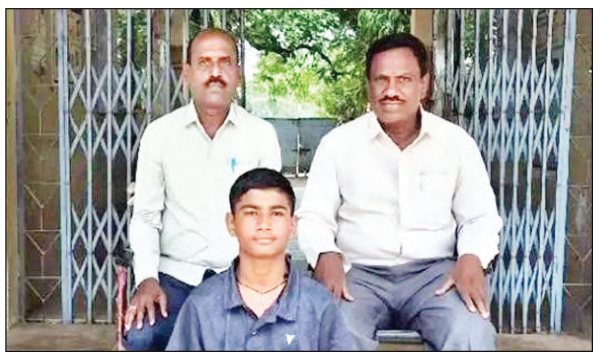

**अजय का राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए चयन जेडपीएचएस,**
मंचेरियल के 10वीं कक्षा के छात्र अजय का चयन राज्य स्तरीय फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए हुआ है।प्रिंसिपल वेंकटेश्वर और पीडी राजैया ने बताया कि अजय ने मंचेरियल में आयोजित संयुक्त आदिलाबाद जिला लड़कों की जूनियर फुटबॉल चयन प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रतिभा दिखाई और राज्य स्तर के लिए उसका चयन हुआ। उन्होंने बताया कि अजय इस महीने की 28 तारीख से 3 दिनों तक निजामाबाद में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेगा।

# पत्रकारों के लिए शहर के पास ही आवास के लिए भूखंड : महेश गौड़

**निजामाबाद,22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** शहर के प्रिंट मीडिया और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के जरूरत मंद रिपोर्टरों को शिघ्र हि योग्य निवास भूखंड उप्लब्ध कि जायेगी ।रविवार को स्थानिय आरएंडबी गेस्ट हाऊस को पहुंचने पर सरकारी सलाहकार शब्बीर अली और पीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने स्पष्ट किया है कि शहर में निजामाबाद के पत्रकारों को आवास के लिए उपयुक्त 100 प्रतिशत भूमि उपलब्ध कराई जाएगी। उन्होंने इस संदर्भ में जिला कलेक्टर के साथ विस्तार से चर्चा की है। महेश कुमार और शब्बीर अली ने संयुक्त रूप से बताया कि मकानों की जगह का मुद्दा हर हाल में एक महीने के अंदर सुलझा लिया जाएगा। उन्होंने स्मरण करवाते कहा कि दो दिन पहले निजामाबाद से हैदराबाद को पत्रकारों का जत्ता आने के बाद उन से मुलाकात के दौरान हि संबधित अधिकारियों को निवास योग्य जगह की पहचान करने के अवश्यक निर्देश दिए हैं।अवसर पर चलो हैदराबाद पत्रकार टीम के तत्वावधान में सभि यूनियनों से जुडे पत्रकार नेताओं ने कांग्रेस प्रदेश कमेटी के अध्यक्ष महेश गौड़ और सरकारी सलहदार शब्बीर अली का जोरदार सम्मानित किया। इस कार्यक्रम में पत्रकार नेता न्यूज पंचा रेड्डी श्रीकांत, बिग टीवी कथुला राजेश, सुभाष वाघमारे, विजया क्रांति प्रमोद गौड़, पकाला नरसिम्लू, 99टीवी मंडे मोहन, इंडियन एक्सप्रेस शास्त्री, जमालपुर गणेश, क्राइम मधु, कबुरू शिव कुमार, दिशा अदेपु श्रीनिवास, प्रेस क्लब कोषाध्यक्ष संदीप, उपाध्यक्ष अंजनेयुलु, गोविंद राज, मिलाप तुकाराम बुचेले सहित अन्य प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक पत्रकारों ने भाग लिया।

# अस्पताल की छत का पंखा नवजात पर गिरा....

**आदिलाबाद/आसिफाबाद,22जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** आदिलाबाद जिले के गुड़ीहाटनूर मंडल केंद्र में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एक गंभीर दुर्घटना हुई। एक छत का पंखा गलती से एक दो दिन के बच्चे पर गिर गया, जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा था। इस बीच, माँ को सचेत कर दिया गया और पलक झपकते ही एक बड़ा हादसा टल गया। पंखा फटने पर माँ ने जल्दी से अपने बच्चे को उठा लिया और दो दिन के बच्चे को मामूली चोटें आईं। बाद में, सतर्क गुड़ीहाटनूर प्राथमिक अस्पताल के कर्मचारियों ने बच्चे और माँ को आपातकालीन उपचार के लिए 108 एम्बुलेंस में आदिलाबाद जिला ठखचड अस्पताल पहुँचाया। रिम्स के डॉक्टरों ने जब बताया कि मां और बच्चा दोनों सुरक्षित हैं, तो सभी ने राहत की सांस ली।जानकारी के अनुसार.. दो दिन पहले गुड़ीहाटनूर मंडल के माचापुर गांव की रहने वाली जादव पायल को प्रसव पीड़ा होने पर उसके पति जादव कैलाश गुड़ीहाटनूर प्राथमिक अस्पताल लेकर आए थे। पायल ने कुछ ही घंटों में एक पूर्ण अवधि की बच्ची को जन्म दिया। जब मां और बच्चे का सामान्य वार्ड में इलाज चल रहा था.. आज सुबह अचानक उनके बेड के ऊपर लगा पंखा उड़ गया।अचानक हुए इस घटनाक्रम से घबराई मां ने जल्दी से अपने बच्चे को एक तरफ खींचा, और पंखे का सिरा उसकी पीठ पर गिर गया। सतर्क गुड़ीहाटनूर अस्पताल के कर्मचारियों ने मां और बच्चे को बेहतर इलाज के लिए रिम्स में भर्ती कराया।आदिलाबाद जिले के गुड़ीहाटनुर मंडल केंद्र में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एक भयानक हादसा हुआ।

# सिंगरेनी का 45 लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य

**मंचेरियाल,22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** आइये हम जंगल का हिस्सा बनें। सिंगरेनी का लक्ष्य 45 लाख पेड़ लगाने का है श्रीरामपुर ग्रामीण, कार्यस्थल को हरा-भरा बनाने के लिए काम कर रहा है। इसके तहत हर साल रिकॉर्ड संख्या में पेड़ लगाकर मिसाल कायम कर रहा है। कंपनी ने इस साल आयोजित होने वाले वन महोत्सव में 670 हेक्टेयर में 15 लाख पेड़ लगाने का लक्ष्य रखा है। प्रबंधन पेड़ लगाने और उनकी सुरक्षा पर 30 करोड़ रुपए खर्च कर रहा है।लुप्तप्राय पौधों की प्रजातियाँ उपलब्ध हैं।राज्य में लुप्त हो रही वृक्ष प्रजातियों को उपलब्ध कराने के लिए प्रबंधन कदम उठा रहा है। संस्था द्वारा प्रबंधित नर्सरियों में नारेपा, जी-तरेगी, मारेडू, उसीरी, नेरेडू, नेमालिनारा, बुरुगा, मेडी, टेला चिंडुगा, एर्राचंदनम, जुव्वी, रावी, सागौन, तानी, बट्टाघनमू जैसे पौधे तैयार किए जा रहे हैं। इनके साथ ही विभिन्न प्रकार के फल और फूल के पौधे भी उपलब्ध कराए गए हैं। इन्हें प्रबंधन द्वारा तैयार किया जा रहा है।रोपा जाना है श्रीरामपुर 72.38 मंदामरी 33.2 बेल्लमपल्ली 33.5 2.50 उन्होंने खुद जो पौधे लगाए हैं, उनमें से कुछ को आस-पास के गांवों के कामकाजी परिवारों और लोगों को वितरित किया जाएगा। इस साल सिंगरेनी की नर्सरियों में करीब एक करोड़ पौधे उपलब्ध हैं। सिंगरेनी के सीएमडी एन. बलराम का रिकॉर्डवे सर्वोच्च स्तर पर पौधे लगाकर कर्मचारियों के लिए प्रेरणास्रोत हैं। उन्होंने पूर्व सांसद संतोषू मार की ग्रीन चैलेंज को स्वीकार किया और 20 हजार से अधिक पौधे लगाए।

# कम्युनिस्ट पार्टियों को कमजोर करने की साजिश : सीपीआई

**मंचेरियाल,22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** भाकपा के राज्य सचिव व विधायक कुनामनेनी संबाशिव राव ने कहा कि लाल झंडा पार्टी का दर्शन पद चाहने का नहीं है और इसका लक्ष्य लोगों की समस्याओं पर निस्वार्थ भाव से संघर्ष करना है. उन्होंने कहा कि सौ साल का इतिहास रखने वाली भाकपा गरीबों, मजदूरों और किसानों के संघर्षों और आंदोलनों का प्रतीक बन गई है. जिला केंद्र के जेडपी बॉयज हाई स्कूल के मैदान में कॉमरेड गुंडा मल्लेश के परिसर में भाकपा का चौथा जिला सम्मेलन हुआ. संबाशिव राव और पार्टी के राष्ट्र कार्यकारिणी सदस्य चाडा वेंकट रेड्डी मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए. संबाशिव राव ने कहा कि बुर्जुआ पार्टियां और कॉरप-रेट कम्युनिस्ट कमजोर करने की साजिश कर रहे हैं और कम्युनिस्ट विचारधारा हमेशा बनी रहेगी. उन्होंने कहा कि भाजपा का देशभक्त होने का दावा करना हास्यास्पद है और सवाल किया कि क्या देश की आजादी के लिए लड़ने का उनका इतिहास है. उन्होंने कहा कि भाकपा शताब्दी विजय सम्मेलन खम्मम में पांच लाख लोगों के साथ होगा. भाकपा के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य चाडा वेंकट रेड्डी ने कहा कि वे कमजोर नहीं हुए हैं तथा नेताओं व कार्यकर्ताओं में आत्मविश्वास भरा है।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

# उपमुख्यमंत्री भट्टी ने गैर-कर राजस्व बढ़ाने पर जोर दिया

**हैदराबाद, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** तेलंगाना के उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, जो बुनियादी ढांचे और पूंजी उप-समिति की अध्यक्षता करते हैं, ने अधिकारियों को राज्य के गैर-कर राजस्व को बढ़ाने और बजटीय आवंटन को अनुकूलित करने पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया।उन्होंने ये टिप्पणियां डॉ. बी.आर. अंबेडकर सचिवालय में आयोजित एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक के दौरान कीं, जिसमें मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी, कोमाटिरेड्डी वेंकट रेड्डी और वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।बैठक के दौरान, उपमुख्यमंत्री ने जोर देकर कहा कि पिछली सरकार की मौजूदा योजनाओं को रोके बिना 33,600 करोड़ रुपये की नई कल्याणकारी योजनाओं को लागू किया जा रहा है।हालांकि, उन्होंने बताया कि 2023-24 वित्तीय वर्ष के दौरान आउटर रिंग रोड या आबकारी से कोई राजस्व प्राप्त नहीं हुआ, जिससे वैकल्पिक राजस्व चैनलों, विशेष रूप से गैर-कर स्रोतों और केंद्रीय निधियों की तलाश करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला गया।उन्होंने अधिकारियों को विभागीय बजट को युक्तिसंगत बनाने और निधियों के समान वितरण को सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा, कुछ विभागों को जरूरत से ज्यादा फंड मिल रहा है, जबकि अन्य को कम फंड मिल रहा है। इस असंतुलन को ठीक किया जाना चाहिए और आवंटन वास्तविक जरूरतों और प्राथमिकताओं को दर्शाना चाहिए। भट्टी विक्रमार्क ने सभी निर्वाचन क्षेत्रों में लंबित प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को तत्काल पूरा करने का भी आदेश दिया, इस बात पर जोर देते हुए कि युक्तिकरण और स्पिलओवर कार्यों को पूरा करने का काम दस दिनों के भीतर पूरा किया जाना चाहिए। उन्होंने रेखांकित किया कि राजस्व पैदा करने वाले क्षेत्रों पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है और सभी व्यय यथार्थवादी, तार्किक और जरूरत आधारित होने चाहिए। सभी विभागों से जन कल्याण की मानसिकता के साथ काम करने का आह्वान करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि केवल संतुलित विभागीय विकास ही राज्य के लिए व्यापक विकास सुनिश्चित करेगा। रविवार को एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि बैठक में मुख्य सचिव रामकृष्ण राव, वित्त प्रमुख सचिव संदीप कुमार सुल्तानिया और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

# तेलंगाना सरकार 3.5 साल में 20 लाख इंदिराम्मा घर बनाएगी : श्रीनिवास रेड्डी

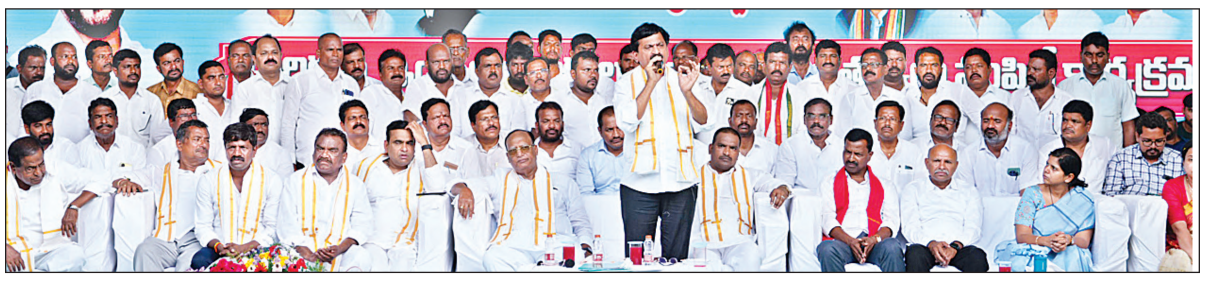

**नलगोंडा (तेलंगाना), 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** तेलंगाना के राजस्व, आवास और सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने रविवार को घोषणा की कि राज्य सरकार अगले साढ़े तीन साल में 20 लाख इंदिराम्मा घर बनाएगी।

नलगोंडा जिले के नकीरेकल निर्वाचन क्षेत्र के मिनी स्टेडियम में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करते हुए, जहां लाभार्थियों को घर की मंजूरी के दस्तावेज वितरित किए गए, मंत्री ने कहा कि योजना का पहला चरण पहले से ही 4.5 लाख घरों के निर्माण के साथ चल रहा है। सरकार ने प्रत्येक निर्वाचन क्षेत्र में 3,500 घर बनाने का लक्ष्य रखा है।

राज्य की भूमि नियमितीकरण पहल भू भारती के हिस्से के रूप में, मंत्री ने कहा कि राजस्व शिकायत बैठकों के दौरान तेलंगाना भर में 8.6 लाख आ-वेदन प्राप्त हुए।

उन्होंने आश्वासन दिया कि किसानों को बहुत जरूरी राहत और स्वतंत्रता प्रदान करने के लिए 15 अगस्त तक सभी वैध आवेदनों का समाधान किया जाएगा। पोंगुलेटी ने भू भारती के माध्यम से भूमि संबंधी विवादों का पूर्ण समाधान करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता पर जोर दिया, जिससे किसानों को न्याय सुनिश्चित हो और भूमि स्वामित्व पर भ्रम की स्थिति समाप्त हो। उन्होंने कहा कि सभी पात्र गरीब परिवारों को इंदिराम्मा योजना के तहत घर दिए जाएंगे, जिसमें प्रत्येक घर 400 से 600 वर्ग फीट के बीच होगा। मंत्री ने जिला कलेक्टरों को लाभार्थियों का पारदर्शी चयन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया, जिसमें वे लोग भी शामिल हैं जिनके घर पहले स्वीकृत हो चुके थे लेकिन अधूरे रह गए। लाभार्थियों को उनके घर की मंजूरी मिलने के बाद, उन्हें 30 दिनों के भीतर निर्माण शुरू करना होगा और बिलों का भुगतान चार किस्तों में किया जाएगा। स्टील, सीमेंट और अन्य निर्माण सामग्री की लागत को विनियमित करने के लिए मंडल स्तर पर मूल्य नियंत्रण समितियों का गठन किया गया है। सरकार के व्यापक कल्याण प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए, मंत्री ने राजीव आरोग्यश्री स्वास्थ्य बीमा सीमा को बढ़ाकर 10 लाख रुपये करने, 200 यूनिट तक मुफ्त बिजली, 500 रुपये में एलपीजी सिलेंडर और सब्सिडी वाले चावल के वितरण का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि एक साल के भीतर 60,000 सरकारी नौकरियां प्रदान की गईं और कहा कि रायथु भरोसा योजना के तहत, वित्तीय सहायता को बढ़ाकर 12,000 रुपये प्रति एकड़ कर दिया गया, जिसमें केवल नौ दिनों में किसानों के खातों में 9,000 करोड़ रुपये जमा किए गए।

पिछली सरकार की आलोचना करते हुए, उन्होंने नलगोंडा में प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं की उपेक्षा और एसएलबीसी परियोजना को शुरू करने में विफलता की ओर इशारा किया।

उन्होंने कहा कि पिछली सरकार ने भद्राचलम में राम मंदिर के लिए एक भी रुपया नहीं दिया, जबकि वर्तमान कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार ने 85 से 90 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं।

उन्होंने यह भी घोषणा की कि, नकीरेकल विधायक वेमुला वीरेशम के अनुरोध के अनुसार, रमन्नापेट और नकीरेकल मंडलों के तहसीलदार कार्यालयों के लिए भवनों को मंजूरी देने के लिए एक सप्ताह के भीतर सरकारी आदेश जारी किए जाएंगे।

अबिड्स स्थित जया इंटरनेशनल में लगाई गई प्रदर्शनी में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेती हुई काव्य रेड्डी। इस अवसर पर सपना गुप्ता ऑर्गेनाइजर कविता, संध्या लक्ष्मी, जिला अध्यक्ष अनीता व अन्य उपस्थित थे।

# मैराथन से पहले हैदराबाद में एनएमडीसी ने हेरिटेज रन 2025 को हरी झंडी दिखाई

**हैदराबाद, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** फिटनेस और सामुदायिक भावना के जीवंत प्रदर्शन में, भारत के अग्रणी लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी लिमिटेड ने रविवार को हैदराबाद में एनएमडीसी हेरिटेज रन 2025 का सफलतापूर्वक आयोजन किया।यह आयोजन आगामी एनएमडीसी हैदराबाद मैराथन के लिए एक पर्दा उठाने वाला कार्यक्रम था और इसमें तीन श्रेणियों - 5के, 10के और 21के में 1,000 से अधिक धावकों ने भाग लिया।इस दौड़ ने न केवल स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती को बढ़ावा दिया, बल्कि सामाजिक प्रभाव के लिए एनएमडीसी की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित किया। आलोकित, ब्लड वॉरियर्स और ऑपरेशन आईसाइट सहित कई गैर-सरकारी संगठनों ने इस कार्यक्रम में भाग लिया, जिन्होंने शिक्षा समानता, दुर्लभ रक्त विकारों और रोकथाम योग्य अंधेपन जैसे मुद्दों पर जागरूकता बढ़ाने के लिए मंच का लाभ उठाया।कार्यक्रम में बोलते हुए एनएमडीसी के अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि हेरिटेज रन फिटनेस से कहीं आगे की चीज है।

उन्होंने कहा, यह मैराथन के लिए सिर्फ़ एक वार्म-अप से कहीं ज़्यादा है - यह हैदराबाद की जीवंत विरासत का जश्न है और सार्थक सामाजिक कारणों को आगे बढ़ाने का एक अवसर है। हमें लोगों के जीवन में वास्तविक बदलाव लाने वाले एनजीओ का समर्थन करने पर गर्व है।

शुभ लाभ
का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ खबरें जो सोच बदल दे हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/-
Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....................
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .............. Drawn ..............
Name of the Executive....................
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10X10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Hyderabad Balanagar

# रामदेवजी महाराज के जागरण का निमंत्रण पत्र लोकार्पित

**हैदराबाद, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो) ।** सिखवाल समाज धाकड़ी गांव (राजस्थान) में आयोजित होने वाले भव्य चतुर्थ बाबा रामदेवजी महाराज के जागरण का निमंत्रण पत्र का लोकार्पण रविवार दि. 22/6/25 को दोपहर 11.30 बजे श्रृंग ऋषि भवन में रामदेव नागला, रूपचंद व्यास, गजानन व्यास द्वारा किया गया। इस अवसर पर पुरुषोत्तम तिवारी, जुगल किशोर उपाध्याय, किशोर उपाध्याय, गौतम उपाध्याय, मनोहर नगला, नरेश नागला, राधेश्याम व्यास, मुकेश व्यास, दिनेश व्यास, शैलेंद्र तिवारी, कैलाश उपाध्याय, नीतेश व्यास एवं उपस्थित थे।

# स्तन कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का उद्घाटन

**हैदराबाद, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** तेलंगाना के राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा ने रविवार को यहां ब्रह्माकुमारी मुख्यालय शांति सर-ोवर में व्यापक स्तर पर महिलाओं के लिये स्तन कैंसर जागरूकता कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

इस कार्यक्रम का शीर्षक 'ब्रेस्ट कैंसर के मूल तत्व -जो हर महिला को जानना चाहिए' है। इस कार्यक्रम में 500 से अधिक लोगों ने भाग लिया। इनमें कैंसर को मात दे चुकी महिलाएं ,स्वास्थ्य विशेषज्ञ और अन्य लोग शामिल थे। इस मौके पर राज्यपाल ने स्तन कैंसर सर्जन एवं वकील डॉ पी रघु राम को श्रद्धांजलि अर्पित की। रघु राम ने 18 वर्षों तक महिलाओं को स्तन कैंसर के शुरुआती लक्षणों के बारे में जागरूक किया।

उन्होंने कहा, मैं इस उद्देश्य के लिए डॉ. रघु राम की प्रतिबद्धता की गहराई से सराहना करता हूं, जिसमें इस वर्ष की शुरुआत में माउंट आबू में ब्रह्माकुमारीज विश्व मुख्यालय में ऑनसाइट और ऑनलाइन दोनों तरह से सबसे बड़ा स्तन कैंसर जागरूकता पाठ आयोजित करने के लिए दो गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड हासिल करने की उल्लेखनीय उपलब्धि भी शामिल है।

डॉ. रघु राम के निरंतर प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए, राज्यपाल ने कहा, लगातार पांच वर्षों तक स्तन कैंसर जागरूकता माह के दौरान तेलंगाना राजभवन को गुलाबी रंग से रोशन करना - यहां तक कि कोविड के चरम के दौरान भी - उनके जुनून का एक शक्तिशाली प्रतीक है। उनकी अग्रणी पहलों ने वास्तव में भारत में स्तन कैंसर की देखभाल को बदल दिया है। मुख्य जागरूकता सत्र को संबोधित करते हुए, किम्स-उषालक्ष्मी स्तन रोगों के केंद्र के संस्थापक निदेशक और उषालक्ष्मी स्तन कैंसर फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. पी रघु राम ने भारत में स्तन कैंसर के खतरनाक आंकड़ों पर जोर दिया।

# कैंसर विशेषज्ञ नोरी दत्तात्रेयुडु ने रेवंत से की मुलाकात

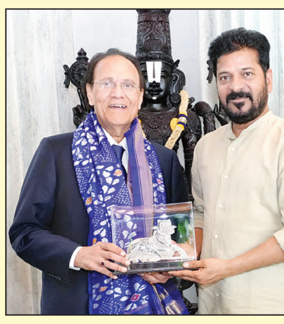

**हैदराबाद, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित कैंसर विशेषज्ञ डॉ नोरी दत्तात्रेयुडु ने रविवार को तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से जुबली हिल्स स्थित उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट की।

एक बैठक के दौरान डॉ. नोरी ने शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूत करने के लिए तेलंगाना सरकार के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने रेड्डी सरकार की समग्र विकास योजनाओं की भी प्रशंसा की। डॉ. नोरी ने राज्य में कैंसर देखभाल सुविधाओं के विकास में पूरा सहयोग देने की इच्छा व्यक्त की।

उन्होंने इन महत्वपूर्ण क्षेत्रों में समग्र विकास के लिए रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाले प्रशासन द्वारा की गई पहल की सराहना की। डॉ. नोरी ने तेलंगाना में कैंसर देखभाल के बुनियादी ढांचे और सेवाओं की उन्नति के लिए राज्य सरकार को पूर्ण सहयोग देने की इच्छा भी व्यक्त की। एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि उन्होंने मुख्यमंत्री को आश्वासन दिया कि वह और उनकी टीम राज्य भर में कैंसर उपचार सुविधाओं और पहुंच में सुधार के लिए हर संभव तरीके से सरकार का समर्थन करने के लिए तैयार हैं।

# 15 लाख के नकली नोट बरामद, एक आरोपी गिरफ्तार

**हैदराबाद, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** तेलंगाना में साइबराबाद कमिश्नरेट की बचुपल्ली पुलिस ने नकली करेंसी से जुड़े एक मामले में एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके पास से 15 लाख रुपए मूल्य के जाली नोट जब्त किये हैं।

पुलिस के अनुसार, आरोपी प्रर्थीपाति प्रेम चंदू आंध्रप्रदेश के पश्चिम गोदावरी जिले का निवासी है। पुलिस ने उसे उस समय गिरफ्तार किया गया जब वह हैदराबाद में नकली नोटों की डिलीवरी करने की कोशिश कर रहा था।

पुलिस के अनुसार, प्रेम चंदू महाराष्ट्र के पुणे निवासी राकेश नामक व्यक्ति के संपर्क में आया, जिसने उसे नकली नोटों को प्रसारित करके आसानी से पैसा कमाने का विचार दिया। प्रेम चंदू कमीशन के लिए हैदराबाद में पार्टियों को जाली नोट देने के लिए सहमत हो गया।

शनिवार को, लगभग 1530 बजे, पुलिस ने निज़ामपेट आर्क, निज़ामपेट गांव के पास आरोपी को रोका।

तलाशी के दौरान, अधिकारियों ने उसके कब्जे से 500 रुपये के नकली नोटों में 15 लाख रुपये और एक रेडमी मोबाइल फोन बरामद किया। आरोपी को तुरंत हिरासत में ले लिया गया और मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया गया, जिन्होंने आगे की जांच तक उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

# भाजपा तेलंगाना के लिए एकमात्र उम्मीद : रेड्डी

**हैदराबाद, 22 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।** केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को तेलंगाना के लिए एकमात्र उम्मीद बताया है।श्री रेड्डी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व के 11 साल के सफल शासन के उपलक्ष्य में भाजपा तेलंगाना इकाई द्वारा रविवार को सिकंदराबाद के सिख गांव में आयोजित ''संकल्प सभा - विकसित भारत का अमृत काल: सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण'' में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार स्थिर, पारदर्शी और जन-केंद्रित शासन के 11 साल पूरे करने वाली पहली गैर-कांग्रेसी सरकार है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के समय में रोज़ाना घोटाले होने से जनता त्रस्त रहती थी और श्री मोदी के नेतृत्व में सरकार लोगों के प्रति पूरी तरह जवाबदेह रही है। उन्होंने स्वच्छ भारत मिशन शुरू करने और ग्रामीण स्वच्छता सुनिश्चित करने से लेकर भारत के अंतरिक्ष मिशन के ज़रिए चाँद पर तिरंगा फहराने तक भारत को वैश्विक शक्ति बनाने का श्रेय श्री मोदी को दिया।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत रविवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.